06 दिसंबर, 2024
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, पंचमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 48

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

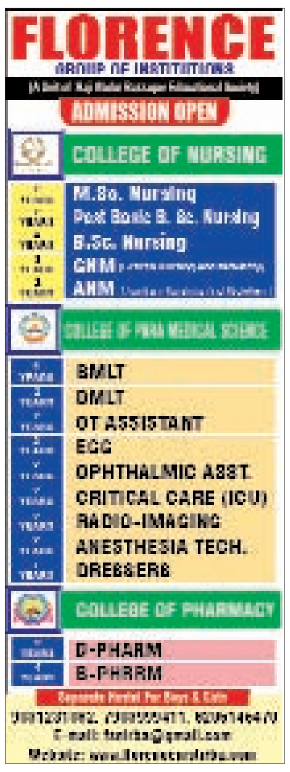

हेमंत सोरेन की टीम 11 तैयार

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झामुमो के 6, कांग्रेस के 4 और राजद के 1 विधायक को शपथ दिलायी

- प्रोटेम स्पीकर के लिए स्टीफन मरांडी को भी शपथ दिलायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की टीम 11 तैयार हो गयी है। मुख्यमंत्री की कैबिनेट के 11 सदस्यों ने गुरुवार को शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने राजभवन के अशोक उद्यान में झामुमो से 6, कांग्रेस से 4 और राजद से 1 विधायक को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। साथ ही प्रोटेम स्पीकर (कार्यकारी अध्यक्ष) के रूप में स्टीफन मरांडी को भी शपथ दिलायी गयी। हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद से कैबिनेट विस्तार का इंतजार किया जा रहा था।

नयी सरकार में छह नये और पांच पुराने चेहरे: नयी सरकार में पांच मंत्रियों को रिपीट किया गया है। जबकि छह नये चेहरे हैं। झामुमो ने नयी कैबिनेट में तीन मंत्रियों को रिपीट किया है। चाइबासा से विधायक दीपक बिरुवा, घाटशिला से विधायक रामदास सोरेन और मधुपुर से विधायक हफीजुल हसन अंसारी इस बार भी मंत्री बने हैं। तीनों हेमंत सोरेन की पिछली सरकार में मंत्री थे। जबकि पार्टी ने तीन नये चेहरों गिरिडीह से विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, गोमिया से विधायक योगेंद्र प्रसाद और बिशुनपुर से विधायक चमरा लिंडा को मौका दिया है। कांग्रेस ने दो पुराने और दो नये को अपने कोटे से मंत्री बनाया है। कांग्रेस कोटे से जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी और महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह पिछली सरकार में भी मंत्री थे। वहीं छत्तरपुर विधायक राधाकृष्ण किशोर और मांडर से विधायक शिल्पी नेहा तिर्की इस सरकार में नया चेहरा होंगे। उधर, राजद से गोड्डा विधायक संजय यादव को मंत्री बनाया है। पिछली सरकार में राजद के सत्यानंद भोक्ता मंत्री थे। इस बार वह चुनाव नहीं लड़े। सबसे पहले राधाकृष्ण किशोर और सबसे अंत में शिल्पी नेहा तिर्की को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। झामुमो के हफीजुल हसन ने उर्दू में शपथ ली। बाकी 10 मंत्रियों ने हिंदी में शपथ ली।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दी बधाई: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी एवं सभी नव नियुक्त मंत्रीगणों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कई सांसद, विधायक, वरीय अधिकारी एवं गणमान्य तथा नवनियुक्त मंत्री गणों के परिजन मौजूद थे। समारोह में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर और राजद के प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव उपस्थित थे।

यह है सीएम हेमंत सोरेन की टीम

हेमंत सोरेन

चमरा लिंडा

सुदिव्य कुमार सोनू

योगेंद्र महतो

दीपक बिरुवा

रामदास सोरेन

हफीजुल हसन

राधाकृष्ण किशोर

दीपिका पांडेय सिंह

शिल्पी नेहा तिर्की

इरफान अंसारी

संजय प्रसाद यादव

कैबिनेट की बैठक आज

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सरकार के पूर्ण कैबिनेट की पहली बैठक शुक्रवार को होगी। बैठक प्रोजेक्ट भवन में शाम तीन बजे होगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सूचना जारी कर दी है।

पांचों प्रमंडल से विधायकों को मंत्री पद दिया गया

राज्य गठन के बाद पहली बार फारवर्ड कोटे से मंत्री नहीं बनाया गया है। इससे पहले एक या दो मंत्री हमेशा फारवर्ड कोटे से बनते रहे हैं। नयी सरकार में पांचों प्रमंडलों से मंत्री बनाया गया है। सबसे अधिक संथाल परगना से चार विधायकों को मंत्री बनाया गया है। झामुमो और कांग्रेस ने दो-दो मंत्री पद दिया है। कोल्हान, उत्तरी छोटानागपुर और दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल से 2-2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। कोल्हान के दोनों मंत्री पिछली सरकार में भी थे। दक्षिणी छोटानागपुर से बनने वाले दोनों मंत्री पहली बार बने हैं। वहीं, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल से भी दोनों नये मंत्री बनाये गये हैं। पलामू को सिर्फ एक मंत्री पद मिला है।

स्टीफन मरांडी को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया

सबसे पहले षष्ठम झारखंड विधानसभा के लिए प्रो स्टीफन मरांडी को राज्यपाल संतोष गंगवार ने विधानसभा के अध्यक्ष के चयन तक सदन का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। इसका आदेश मुख्य सचिव अलका तिवारी ने पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल ने प्रो स्टीफन मरांडी को शपथ दिलायी। विधानसभा का सत्र 9 से 12 दिसंबर तक चलेगा। स्टीफन मरांडी नये विधायकों को शपथ दिलायेंगे।

कोटावार मंत्रिमंडल के सदस्य

- झामुमो- चमरा लिंडा, सुदिव्य कुमार सोनू, योगेंद्र महतो, दीपक बिरुवा, रामदास सोरेन और हफीजुल हसन।
- कांग्रेस- राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और इरफान अंसारी।
- राजद- संजय प्रसाद यादव

ये हैं पहली बार बनने वाले मंत्री

- झामुमो-सुदिव्य कुमार सोनू, योगेंद्र प्रसाद और चमरा लिंडा।
- कांग्रेस- राधाकृष्ण किशोर और शिल्पी नेहा तिर्की।
- राजद- संजय प्रसाद यादव

ये दो महिलाएं बनी मंत्री

- दीपिका पांडेय सिंह और शिल्पी नेहा तिर्की

सीएम हेमंत सोरेन ने 299 आंदोलनकारियों की 30 वीं संपुष्ट सूची को मंजूरी दी

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड आंदोलनकारियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग, रांची द्वारा चिन्हित 299 आंदोलनकारियों की 30 वीं संपुष्ट सूची को मंजूरी दी। इनमें 144 चिन्हित आंदोलनकारी/आश्रित को 3500 रुपये और एक आंदोलनकारी/आश्रित को 7000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगा। वहीं, 154 आंदोलनकारियों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। इन सभी को 20 अप्रैल 2021 की तिथि से सरकार द्वारा अनुमान्य सभी सुविधाएं दी जायेगी।

सोना झारखण्ड का निर्माण हमें मिलकर करना: हेमंत सोरेन

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी कैबिनेट के सदस्यों को शपथ ग्रहण के बाद बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि अबुआ सरकार के मंत्रिपरिषद की शपथ लेने के लिए सभी माननीय मंत्रियों को बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। झारखंड के वीर पुरूखों के सपनों और राज्यवासियों के आशाओं एवं आकांक्षाओं को पूरा कर सोना झारखण्ड का निर्माण हमें मिलकर करना है।

देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार बने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

- शिंदे और अजित ने डिप्टी सीएम की ली शपथ
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेता समारोह में हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को मुंबई के आजाद मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्होंने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। देवेंद्र दक्षिण-पश्चिम नागपुर से विधायक हैं। उन्होंने मराठी में शपथ ली। वहीं, शिवेसना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी समेत अन्य नेता शामिल हुए। वहीं, फिल्म और खेल जगत की हस्तियां भी शपथ ग्रहण समारोह की गवाह बनीं। भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने दिन में पहले कहा कि मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले शपथ ले लेंगे।

तीसरी बार मुख्यमंत्री बने फडणवीस

नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित 54 वर्षीय फडणवीस तीसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। राज्य में विधासभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को ही घोषित हो गये थे, जिसमें भाजपा की अगुवाई वाले गठबंधन को भारी जीत हासिल हुई है। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा-शिवसेना-एनसीपी के गठबंधन 'महायुति' के पास 230 सीटों का भारी बहुमत है। हालांकि चुनाव से पहले एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे, लेकिन भाजपा ने सदन में सबसे ज्यादा 132 सीटों पर जीत हासिल की है।

खेल और उद्योग जगत के लोग भी पहुंचे

शपथ ग्रहण समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, केंद्रीय मंत्री और आरपीआई प्रमुख रामदास अठावले समेत कई अन्य नेताओं ने शिरकत की। राजनीतिक हस्तियों के अलावा मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, सचिन तेंडुलकर, शाहरुख खान, सलमान खान, रणवीर कपूर, रणबीर सिंह और संजय दत्त समेत उद्योग और फिल्म जगत से जुड़े तमाम दिग्गज भी समारोह में पहुंचे थे। मुंबई के आजाद मैदान में हुए भव्य समारोह में महायुति में शामिल दलों के कार्यकताओं और समर्थकों की भारी भीड़ भी नजर आयी।

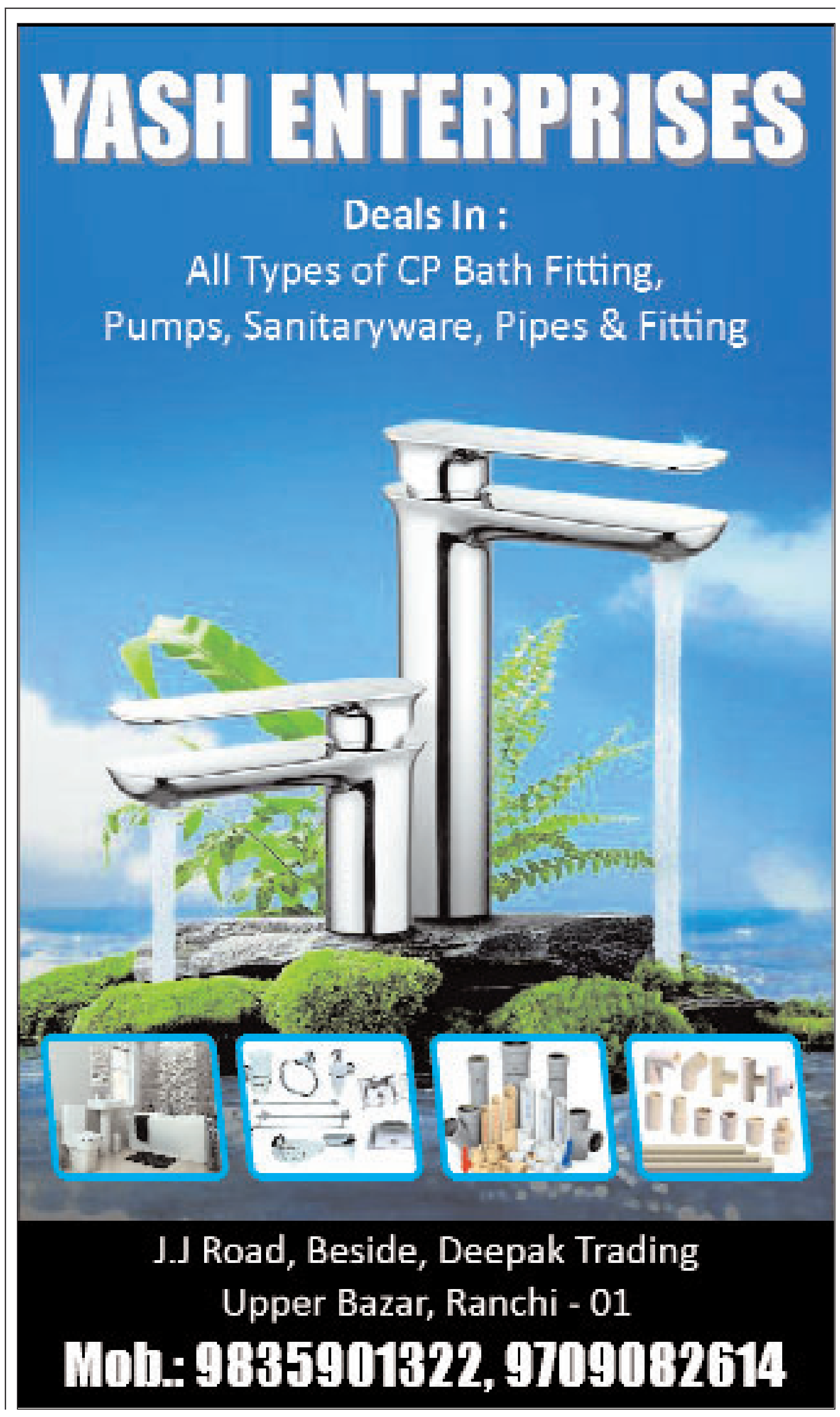

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 71,500 रु./10 ग्राम
चांदी 94,000 रु./प्रति किलो

हेमंत के राजनीतिक कौशल का आइना है कैबिनेट विस्तार

■ क्षेत्रीय और जातीय संतुलन को शानदार तरीके से साधा है हेमंत सोरेन ने

■ गठबंधन के सहयोगियों के लिए भी आसान बना दिया मंत्रियों का चयन

■ सर्वश्रेष्ठ टीम की मदद से अब झारखंड को विकास के रास्ते पर ले जायेंगे

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल कर लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन ने अपनी कैबिनेट का विस्तार कर दिया है। उन्होंने अपनी कैबिनेट में 11 मंत्रियों को शामिल किया है। इनमें से छह उनकी पार्टी झामुमो से हैं, जबकि चार कांग्रेस और एक राजद से हैं। जिन 11 विधायकों को मंत्री बनाया गया है, उनमें से छह नये चेहरे हैं। इनमें झामुमो के तीन, कांग्रेस को दो और राजद के एक मंत्री शामिल हैं। हेमंत सोरेन की यह टीम वास्तव में अनुभव और युवा जोश का शानदार मिश्रण तो है ही, साथ ही इसमें जातीय और क्षेत्रीय संतुलन की भी स्पष्ट झलक दिखायी दे रही है। इतना ही नहीं, मंत्रियों के चयन में हेमंत सोरेन ने अपने सहयोगी दलों की भी खूब मदद की है, जिसका असर दूरगामी होगा। यह कहा जा सकता है कि इस कैबिनेट विस्तार से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राजनीतिक कौशल के साथ उनकी नेतृत्व क्षमता भी साफ तौर पर उभर कर सामने आयी है। इससे यह उम्मीद तो बंधी ही है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की यह टीम झारखंड को विकास के रास्ते पर लगातार आगे ले जायेगी। क्षेत्रीय और जातीय दृष्टिकोण से बेहद संतुलित इस टीम से झारखंड को बहुत सी उम्मीदें हैं। क्या है हेमंत सोरेन कैबिनेट विस्तार के पीछे की रणनीति और किस तरह मुख्यमंत्री ने सहयोगी दलों के साथ मिल कर अपने मंत्रियों के चयन में हर पहलू को ध्यान में रखा, इसकी पूरी कहानी के साथ इस पूरी कवायद का क्या हो सकता है राजनीतिक असर, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने के बाद लगातार दूसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन ने अपनी कैबिनेट का विस्तार करते हुए इसमें 11 मंत्रियों को शामिल किया है। इन मंत्रियों को गुरुवार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। नयी सरकार में पांच मंत्रियों को रिपीट किया गया है, जबकि झामुमो और कांग्रेस ने अपने 50 प्रतिशत मंत्रियों को बदला है। राजद ने भी नये चेहरे को मंत्री बनाया है। इस कैबिनेट विस्तार की सबसे खास बात यह है कि राज्य गठन के बाद पहली बार अगड़ी जाति से किसी को मंत्री नहीं बनाया गया है। हालांकि दीपिका पांडेय सिंह मंत्री बनायी गयी हैं, जिनका मायका ब्राह्मण परिवार में है, लेकिन उनकी शादी ओबीसी परिवार में हुई है। इससे पहले एक या दो मंत्री हमेशा सवर्ण कोटे से बनते रहे हैं। हेमंत सोरेन की नयी टीम में झामुमो से छह, कांग्रेस से चार और राजद से एक विधायक मंत्री शामिल हैं।

झामुमो ने तीन मंत्रियों को रिपीट किया

नयी कैबिनेट में झामुमो ने तीन मंत्रियों को रिपीट किया है। चाइबासा से विधायक दीपक बिरुवा, घाटशिला से विधायक रामदास सोरेन और मधुपुर से विधायक हफीजुल हसन अंसारी इस बार भी मंत्री बने हैं। तीनों हेमंत सोरेन की पिछली सरकार में मंत्री थे। पार्टी ने तीन नये चेहरों को मंत्री बनाया है। इनमें गिरिडीह से विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, गोमिया से विधायक योगेंद्र प्रसाद और बिशुनपुर से विधायक चमरा लिंडा शामिल हैं। योगेंद्र कुर्मी/महतो समाज से आते हैं और हेमंत सोरेन के काफी करीब हैं। वहीं, सुदिव्य दो बार से गिरिडीह से चुनाव जीत रहे हैं। वह कल्पना सोरेन के करीबी हैं। दीपक बिरुवा झारखंड आंदोलन की उपज है। वहीं पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के झामुमो छोड़ने पर रामदास सोरेन की किस्मत खुली थी। पार्टी ने कोल्हान में उनको अपना चेहरा बनाया और पिछली बार भी मंत्री बनाया था। इस बार भी उनको मंत्री बनाया गया है। रामदास ने चंपाई के बेटे बाबूलाल सोरेन को हराया है। चमरा लिंडा बिशुनपुर से लगातार चौथी बार विधायक बने हैं। उन्हें पहली बार मंत्री बनाया गया है।

कांग्रेस से दो पुराने और दो नये चेहरों को मौका

कांग्रेस कोटे से जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी,

महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह, छत्तरपुर विधायक राधाकृष्ण किशोर और मांडर से विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को मंत्री बनाया गया है। इरफान अंसारी हेमंत सोरेन की पिछली कैबिनेट में ग्रामीण विकास मंत्री थे, जबकि दीपिका पांडेय सिंह कृषि मंत्री थीं। पार्टी ने राधाकृष्ण किशोर और शिल्पी नेहा को पहली बार मंत्री बनाया है। जामताड़ा से चुनाव जीते डॉ इरफान अंसारी अपने बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। वहीं महागामा से लगातार दूसरी बार जीतीं दीपिका पांडेय सिंह बिहार सरकार में मंत्री रहे अवध बिहारी सिंह की बहू हैं। विधायी और वित्तीय मामलों के जानकार राधाकृष्ण किशोर एससी कोटे से मंत्री बने हैं, जबकि शिल्पी नेहा तिर्की पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की बेटी हैं और लगातार दूसरी बार विधायक बनी हैं।

राजद को अपने यादव वोट बैंक पर भरोसा

राजद ने अपने यादव वोट बैंक को साधने का प्रयास किया है। पार्टी ने अपने कोटे से गोड्डा विधायक संजय यादव को मंत्री बनाया है। वह लालू यादव के काफी भरोसेमंद हैं। बिहार चुनाव को देखते हुए संजय यादव का मंत्री बनना राजद के लिए फायदेमंद है। यादव 15 साल बाद चुनाव जीते हैं। इससे पहले वह 2009 में गोड्डा से राजद के टिकट पर ही जीते थे। अभी पार्टी के प्रदेश महासचिव हैं।

क्षेत्रीय संतुलन पर फोकस

कैबिनेट विस्तार में क्षेत्रीय संतुलन पर फोकस किया गया है। सबसे अधिक संथाल परगना से चार विधायकों को मंत्री बनाया गया है। झामुमो और कांग्रेस ने यहां से दो-दो मंत्री पद दिया है। 2024 के विधानसभा चुनाव में संथाल की 18 सीटों में से इंडिया ब्लॉक ने 17 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की थी। यहां भाजपा ने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया था, लेकिन उसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा तीन बार से जीत रही सारठ और राजमहल सीट भी हार गयी। इसी तरह नयी सरकार में कोल्हान, उत्तरी छोटानागपुर और दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल से दो-दो विधायकों को मंत्री बनाया गया है। कोल्हान के दोनों मंत्री पिछली सरकार में भी थे। दक्षिणी छोटानागपुर से बनने वाले दोनों मंत्री पहली बार बने हैं। वहीं उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल से भी दोनों पहली बार मंत्री बनाये गये हैं। इंडिया ब्लॉक ने कोल्हान की 14 में से 11 सीटों पर जीत दर्ज की है। यहां भाजपा सिर्फ सरायकेला और जमशेदपुर पूर्वी से जीत सकी। उसकी सहयोगी जदयू ने जमशेदपुर पश्चिम से जीत दर्ज की है। दक्षिणी छोटानागपुर की 15 में से 13 सीटों पर इंडिया ब्लॉक ने जीत दर्ज की है। इस बार यहां से दो मंत्री बने हैं। जबकि उत्तरी छोटानागपुर की 25 सीटों में से इंडिया ब्लॉक ने 10 सीटों पर जीत दर्ज की है। यह इलाका भाजपा का मजबूत गढ़ है। यहां एनडीए ने 14 सीटों पर जीत दर्ज की है। यहां की राजनीति जाति आधारित होती है। यही कारण है कि महतो समाज से आने वाले योगेंद्र प्रसाद और वैश्य समाज से आने वाले सुदिव्य कुमार सोनू को मंत्री बनाया गया है। नयी सरकार में पलामू को सिर्फ एक मंत्री पद मिला है। कांग्रेस ने छतरपुर से विधायक राधाकृष्ण किशोर को मंत्री बनाया है। वह एससी समाज से आते हैं। इंडिया ब्लॉक ने पलामू की नौ सीटों में से पांच पर जीत दर्ज की है। बिहार से सटे होने के कारण यहां जाति और जमात की राजनीति हावी रहती है।

हेमंत सोरेन ने दिखाया राजनीतिक कौशल

कैबिनेट विस्तार में यह साफ दिख रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजनीतिक कौशल के जरिये सभी संतुलनों को साधा है। उन्होंने न केवल अपनी पार्टी, बल्कि कांग्रेस और राजद को भी मंत्री चुनने में मदद की। डॉ रामेश्वर उरांव को मंत्री नहीं बनाने के पीछे उनकी उम्र जनित समस्याएं हैं, तो शिल्पी नेहा तिर्की और राधाकृष्ण किशोर को मंत्री बना कर कांग्रेस के लिए आगे की राह हेमंत ने आसान कर दी है। इसी तरह सुदिव्य कुमार, चमरा लिंडा और योगेंद्र प्रसाद के जरिये नया राजनीतिक संतुलन हेमंत सोरेन ने साधा है।

कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जो टीम बनायी है, वह सर्वश्रेष्ठ है। इस टीम की मदद से वह झारखंड को विकास के रास्ते पर आगे ले जायेंगे, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मीर बोले

बेहतरीन बना है मंत्रिमंडल सभी को साथ लेकर चलें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शपथ ग्रहण समारोह के बाद कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। इसमें कई विषयों पर चर्चा की गयी। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि जो वादे किये गये हैं,

उन्हें पूरा करने का वक्त आ गया है। आज शाम या कल सुबह तक विधायक दल का नेता चुन लिया जायेगा। नाम भी घोषित कर दिया जायेगा। उन्होंने मंत्रिमंडल के गठन पर कहा कि यह मंत्रिमंडल बेहतरीन बना है। उन्होंने सभी साथ लेकर चलने का भी निर्देश दिया।

जिला राजद अध्यक्ष ने मंत्री बनने पर दी संजय प्रसाद यादव को बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुवार को हेमंत सरकार की कैबिनेट का विस्तार हुआ। इनमें राजद से गोड्डा विधायक संजय प्रसाद यादव को हेमंत कैबिनेट में जगह मिली। वहीं, झारखंड मंत्रिमंडल में शामिल किये जाने पर जिला राजद अध्यक्ष ने संजय प्रसाद यादव को बधाई दी। बता दें कि रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने संजय प्रसाद यादव

को कैबिनेट में शामिल किये जाने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने फूलों का गुलदस्ता देकर संजय यादव का स्वागत किया।

महतो ने राजद विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि सरकार संजय के लिए जो भी विभाग तय करेगी। उसके निर्धारण में यादव राज्य की जनता की सेवा में शत प्रतिशत खरा उतरने की कोशिश करेंगे। वहीं, इस मौके पर कई राजद नेता उपस्थित रहे।

वैश्य समाज ने सुदिव्य को मंत्री बनाने पर सीएम का जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वैश्य समाज ने वैश्य विधायक सुदिव्य कुमार सोनू को मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिया है। वैश्य महापरिवार झारखंड के अध्यक्ष आनंद कोठारी ने कहा कि इस सम्मान और आथित्य से निश्चित ही राज्य की 40% वैश्य महापरिवार का झुकाव जेएमएम और इंडीगठबंधन के प्रति बढ़ेगा और उन्हें राजनीति लाभ मिलेगा। आनंद कोठारी ने कहा कि राज्य की त्वरित गति से समग्र विकास के लिए वैश्य समुदाय का पूर्ण सहयोग हेमंत सरकार को मिलेगा। वैश्य महापरिवार को पूर्ण विश्वास है कि हेमंत सोरेन सरकार झारखंड में व्यापार और उद्योग के विकास के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगी और सरकार राज्य के व्यापारी, उद्योगपतियों एवं उद्यमियों

को यथा संभव सहयोग एवं पूर्ण सुरक्षा प्रदान करेगी। हम सब मिलकर झारखंड राज्य को तेजी से विकसित राज्य बनाने में अपना पूर्ण योगदान देंगे। इस मौके पर सुबोध प्रसाद, किशोर मंत्री, राकेश गुप्ता, आनंद किशोर गुप्ता, अशोक गुप्ता, सुरेश चंद्र बोथरा, अशोक चौरसिया, राकेश चौधरी, रमन साहू, ममता चंद्रवंशी, सुरेश मालाकार, संभु राणा, शैलेंद्र कमलापुरी, आदित्य मल्होत्रा, हबूलाल गोराई, मुकेश प्रजापति, रोहित साह सीएम हेमंत सोरेन का आभार जताया है।

झारखंड के मुख्य वन संरक्षक बने सत्यजीत सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य सरकार ने भारतीय वन सेवा अधिकारी सत्यजीत सिंह को झारखंड का प्रधान मुख्य वन संरक्षक बनाया है। इससे पूर्व सत्यजीत झारखंड में प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी और मुख्य वन्य प्राणी प्रतिपालक पद पर कार्यरत थे। उन्होंने वन विभाग के कई पदों पर अपनी सेवा दी है। जानकारी हो कि सत्यजीत सिंह जमशेदपुर के डीएफओ के तौर पर भी काम कर चुके हैं। बता दें कि 30 नवंबर को संजय श्रीवास्तव की सेवानिवृत्ति के बाद से यह पद खाली था। अब वन विभाग ने इस पद पर सत्यजीत सिंह के पदस्थापन को लेकर आदेश जारी कर दिया है।

शपथ ग्रहण समारोह की झलकियां

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में हेमंत सरकार के 11 मंत्रियों ने गुरुवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ले ली। शपथ ग्रहण समारोह में सत्तारूढ़ गठबंधन के सभी दलों के नेता शामिल हुए। झामुमो के कोटे से 6, कांग्रेस से 4 और राष्ट्रीय जनता दल से 1 विधायक को मंत्री बनाया गया है।

राजभवन के अशोक उद्यान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ राजभवन के 2 नंबर गेट से समारोह स्थल तक पहुंचे।

हेमंत सोरेन ने सभी विधायकों और समारोह स्थल पर मौजूद लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने भी सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य प्रोफेसर स्टीफन मरांडी को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। सबसे पहले प्रोटेम स्पीकर को शपथ दिलायी गयी।

प्रोटेम स्पीकर के शपथ लेने के बाद बारी-बारी से सभी 11 मंत्रियों को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पद एवं गोपनीयता की शपथ

दिलायी। शपथ के बाद सभी मंत्रियों को फूलों का गुलदस्ता राज्यपाल ने भेंट किया। उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शपथ लेने के बाद मंत्री मंच से उतरकर सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने पहुंचे। हेमंत सोरेन ने भी सभी मंत्रियों को गुलदस्ता भेंट किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय जनता दल कोटे से मंत्री बने गोड्डा के विधायक संजय प्रसाद यादव पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन के पास गये। हेमंत सोरेन ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। बाद में दोनों गले भी मिले।

जामताड़ा के विधायक डॉ इरफान अंसारी शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन के पास पहुंचे। हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन दोनों ने उनका हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

मधुपुर के झामुमो विधायक हफीजुल हसन अंसारी ने अल्लाह के नाम पर उर्दू में शपथ ली। बाकी 9 मंत्रियों ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली।

छतरपुर के विधायक राधाकृष्ण किशोर ने सबसे पहले मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। सबसे अंत में मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने शपथ ली।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

हेमंत सोरेन की टीम 11 का दिलचस्प है राजनीतिक सफर

झामुमो के सिपाही

झामुमो में सुदिव्य सोनू का बढ़ता गया कद

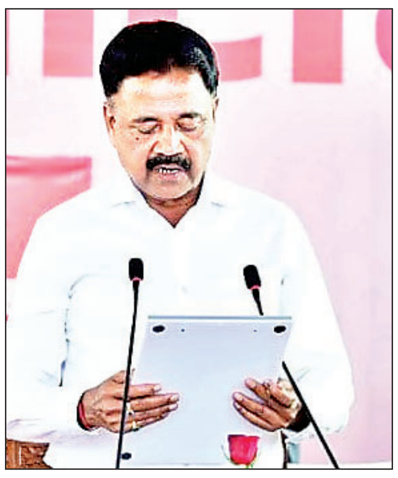

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा में सक्रिय कार्यकर्ता से राजनीति की शुरुआत करने वाले गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार चुनाव जीते विधायक सुदिव्य कुमार सोनू गुरुवार को हेमंत सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। मंत्री बनने के बाद उनका कद बड़ा हो गया। उनके मंत्री बनते ही कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। जिला अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमकर गुलाल लगाये और आतिशबाजी की। इस दौरान पार्टी कार्यालय के बाहर जमकर संथाल संस्कृति के अनुसार डांस भी किया। सोनू ने जेएमएम की राजनीति ढाई दशक पहले से शुरू की थी। जेएमएम के कई बड़े आंदोलन में भी शामिल रहे। साल 2003 में पार्टी में गुरूजी शिबू सोरेन के आशीर्वाद से पहली बार जिला अध्यक्ष भी बनाये गये। लेकिन हेमंत सोरेन और शिबू सोरेन के करीब तब आये जब पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा के कार्यकाल में पीरटांड़ के सालों पुराना केस कुड़को हत्याकांड की फाइल खुली और पेशी के लिए शिबू सोरेन को गिरिडीह कोर्ट आना पड़ा। सोनू ने उस वक्त शिबू सोरेन के पेश होने से लेकर कदम कदम पर साथ दिया। महाजानी प्रथा के खिलाफ हुई इस हत्याकांड से जुड़े मामले में उस वक्त शिबू सोरेन को मुख्य आरोपी बनाया गया था। इसके बाद झामुमो में सोनू का कद बढ़ता गया। पार्टी के हर छोटे बड़े फैसले में सोनू को शामिल किया गया। वहीं 2019 में सीएम हेमंत सोरेन ने सोनू को पहली बार विधानसभा का टिकट दिया और सोनू चुनाव जीत गये। 2024 की शुरूआत में हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद गांडेय विधायक में कल्पना सोरेन की जीत दिलाने और मुश्किल समय में पार्टी और सरकार के साथ मजबूती से खड़ा रहने का भी फायदा सोनू को मिला। हेमंत सोरेन के भरोसेमंद होने के कारण उन्हें मंत्री बनाया गया है।

आंदोलन की उपज हैं दीपक बिरुआ

रांची (आजाद सिपाही)। चाइबासा विधानसभा सीट पर पिछले 15 साल से झामुमो का कब्जा है। दीपक बिरुवा 2009 में बागुन सुंब्रई (कांग्रेस) को हरा कर पहली बार झामुमो के विधायक बने थे। श्री बिरुवा ने 2014 और 2019 में भाजपा प्रत्याशी ज्योति भ्रमर तुबिद को हरा कर इस सीट पर कब्जा बनाये रखा और जीत की हैट्रिक भी लगायी। मौजूदा समय में दीपक बिरुवा झारखंड के कल्याण मंत्री हैं। हर बार विधानसभा चुनाव में ग्रामीण क्षेत्र में सिंचाई, पानी, बिजली, नियोजन, पलायन और शहरी क्षेत्र में लीज, पेयजल, सड़क व सफाई का मुद्दा बनता रहा है। यहां प्रमुख मुकाबला झामुमो, भाजपा और कांग्रेस के बीच होता रहा है। दीपक बिरुवा झारखंड आंदोलन की उपज है। आंदोलन के दौरान 1998 में इनका संपर्क चाईबासा के टाटा कॉलेज छात्र यूनियन के सचिव घनश्याम दरबारा हो गया। इसके बाद वह आंदोलन से जुड़ गये। चाइबासा के विधायक दीपक बिरुवा के तीसरी बार झारखंड सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने के पश्चात उनके समर्थकों व पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा स्थानीय पोस्ट ऑफिस चौक में जमकर आतिशबाजी की गयी। मौके पर दीपक बिरुवा के समर्थक अधिवक्ता सह सामाजिक कार्यकर्ता राजाराम गुप्ता ने कहा कि श्री बिरुवा के तीसरी बार मंत्री बनने से चाइबासा, प. सिंहभूम नहीं अपितु पूरे झारखंड का सर्वांगीण विकास होगा। उनके जीत से समर्थक कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम शहरवासियों में हर्ष व्याप्त है।

संथाल आदिवासी समाज से आते हैं रामदास सोरेन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कद्दावर नेता और घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन ने झारखंड के मंत्री के रूप में शुक्रवार को शपथ ली। रामदास सोरेन को चंपाई सोरेन की जगह झारखंड सरकार का मंत्री नियुक्त किया गया है। हेमंत सोरेन कैबिनेट के सबसे नये मंत्री रामदास सोरेन कोल्हान प्रमंडल से आते हैं। वह घाटशिला विधानसभा सीट से विधायक हैं। रामदास सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ 1980 में राजनीति की शुरुआत की। चंपाई सोरेन और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ मिलकर झारखंड अलग राज्य के लिए आंदोलन किया। 2009 में पहली बार घाटशिला से झामुमो के विधायक चुने गये। 2014 में हारे और 2019 में फिर से घाटशिला के विधायक बने। अब हेमंत सोरेन की कैबिनेट में मंत्री बने हैं। रामदास सोरेन का सियासी सफर भी काफी संघर्षपूर्ण रहा है। रामदास सोरेन संथाल आदिवासी समाज से आते हैं, जिस समाज से चंपाई सोरेन भी आते हैं। रामदास सोरेन पूर्वी सिंहभूम जिले के जिला अध्यक्ष भी हैं।

रामदास सोरेन भी कई बार आंदोलन के दौरान जेल में जा चुके हैं और उन्होंने अपनी राजनीति निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर शुरू की थी। साल 2005 में रामदास सोरेन ने पहली बार निर्दलीय चुनाव लड़ा था और हार गये थे। इसके बाद 2009 में वह जेएमएम के टिकट पर घाटशिला विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और जीत हासिल की। 2014 के चुनाव में रामदास सोरेन को भाजपा प्रत्याशी ने हरा दिया। फिर 2019 के विधानसभा चुनाव में रामदास सोरेन ने भाजपा प्रत्याशी लखन मार्डी को हराकर जोरदार वापसी की। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ने पर रामदास सोरेन की किस्मत खुली थी। पार्टी ने कोल्हान एरिया में उनको अपना चेहरा बनाया और पिछली बार भी मंत्री बनाया था। विधायक के बाद मंत्री के रूप में शुक्रवार को उन्होंने शपथ ग्रहण कर लिया।

सरकारी नौकरी छोड़ राजनीति में आये हफीजुल हसन अंसारी

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन की कैबिनेट में अल्पसंख्यक समुदाय से 2 मंत्री बनाये गये हैं। डॉ इरफान अंसारी कांग्रेस कोटे से मंत्री बने हैं, तो हफीजुल हुसैन झामुमो कोटे से मंत्री बने हैं। हफीजुल हुसैन इसके पहले भी हेमंत सोरेन की कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं। गुरुवार को उन्होंने फिर से मंत्री पद की शपथ ली। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कद्दावर दिवंगत नेता हाजी हुसैन अंसारी के सुपुत्र हफीजुल हसन अंसारी मधुपुर विधानसभा क्षेत्र से लगातार दूसरी बार झामुमो के टिकट पर विधायक चुने गये हैं। पिता हाजी हुसैन अंसारी की कोरोना से मौत के बाद सरकारी नौकरी छोड़कर सक्रिय राजनीति में आ गये। मधुपुर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी उच्च विद्यालय से हफीजुल हसन अंसारी ने मैट्रिक तक की पढ़ाई की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वह पटना चले गये। बीआइटी सिंदरी से बीटेक की डिग्री प्राप्त करने के बाद कुछ महने तक झारखंड राज्य खनिज निगम में सर्वेयर के रूप में नौकरी की। हालांकि, जेएमएम के कद्दावर नेता हाजी हुसैन अंसारी के पुत्र हफीजुल हसन अंसारी वर्ष 1995 से साये की तरह अपने पिता के साथ रहे। राजनीति में भी उनकी भागीदारी रही। उनके पिता 1995 से 2020 के बीच 4 बार विधायक निर्वाचित हुए थे। मधुपुर विधानसभा चुनाव में अपने पिता और झामुमो के प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी संभालते थे। हाजी हुसैन अंसारी झारखंड सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री थे। वर्ष 2020 में कोरोना के संक्रमण से उनकी मौत हो गयी थी। उस समय हाजी हुसैन अंसारी मधुपुर से विधायक थे। हेमंत सोरेन की कैबिनेट में मंत्री भी थे। उनके निधन के बाद हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में एक पद खाली हो गया। मुख्यमंत्री ने हाजी हुसैन अंसारी के बेटे हफीजुल अंसारी को उनकी जगह मंत्री बनाया। कुछ महीने बाद वर्ष 2021 में मधुपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुए और हफीजुल हसन अंसारी विधायक बने। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी शिकस्त दी।

छात्र राजनीति से मंत्री तक का सफर रहा चमरा लिंडा का

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन सरकार का कैबिनेट विस्तार हो गया है। झामुमो की ओर से बिशुनपुर विधायक चमरा लिंडा को भी मंत्री बनाया गया है। चमरा लिंडा बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र से 2009 से विधायक हैं। 2024 के विधानसभा चुनाव में चमरा लिंडा ने बीजेपी प्रत्याशी समीर उरांव को 32,756 वोटों से मात दी। चमरा लिंडा को कुल 1,00,336 वोट मिले तो वहीं समीर उरांव को 67,580 वोट से संतोष करना पड़ा। 2024 विधानसभा चुनाव में जीत के साथ चमरा ने बिशुनपुर विधानसभा सीट पर चौका लगा दिया। चमरा लिंडा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में झामुमो से बगावत कर दी थी। उन्होंने लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय पर्चा भर दिया। जिसके बाद झामुमो ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया। दरअसल गठबंधन के तहत यह सीट कांग्रेस के खाते में गयी थी जिससे वे नाराज हो गये थे। जब लोकसभा चुनाव का परिणाम आया तो वे तीसरे स्थान पर रहे। लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले झामुमो ने उन्हें फिर से बिशुनपुर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा। जिसमें उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समीर उरांव को बड़े अंतर से हरा दिया। चमरा लिंडा ने साल 2005 में पहली बार निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा जिसमें वे मात्र 569 वोटों से हार गये। यह चमरा का पहला चुनाव था लेकिन इसके बाद चमरा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2009 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय कल्याण पक्ष के टिकट पर चुनाव लड़ा और पहली बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद जेएमएम के टिकट पर 2014, 2019 और अब 2024 में लगातार तीसरी बार चुनाव जीता।

योगेंद्र प्रसाद ने किया पंचायत अध्यक्ष से मंत्री तक का सफर

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है। लगभग 21 साल के बाद गोमिया के किसी विधायक को एक बार फिर मंत्री बनने का मौका मिला। लगभग 95 हजार वोटों के साथ गोमिया से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले योगेंद्र प्रसाद को हेमंत सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। इससे पहले माधवलाल सिंह वर्ष 2000 में नवंबर महीने तक अविभाजित बिहार में राबड़ी देवी की सरकार में और पुन: 18 मार्च 2003 से 2005 तक अर्जुन मुंडा के कार्यकाल में झारखंड सरकार में परिवहन मंत्री बनाये गये थे। हालांकि, योगेंद्र प्रसाद के रूप में गोमिया में तीसरी बार किसी विधायक को मंत्री बनने का मौका मिला है। अविभाजित बिहार सरकार में छत्रुराम महतो भी वित्त राज्य मंत्री बनाये गये थे। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में योगेंद्र प्रसाद ने गोमिया विधानसभा से इस बार ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। 95 हजार से अधिक वोट लाकर दोबारा विधायक बनने वाले वे गोमिया के एकमात्र विधायक हैं। इससे पहले 2014 में लगभग 97 हजार वोटों से जीत दर्ज की थी और उस समय बीजेपी प्रत्याशी माधवलाल सिंह को शिकस्त दी थी। इस बार के चुनाव में 95 हजार 170 वोट प्राप्त कर अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी जेएलकेएम प्रत्याशी पूजा कुमारी को 36 हजार 93 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। पूजा कुमारी को 59 हजार 77 वोट को मिले। इस सीट से चुनाव लड़ रहे गोमिया विधायक और एनडीए प्रत्याशी डॉ लंबोदर महतो 54 हजार 508 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे। योगेंद्र प्रसाद मूल रूप से रामगढ़ जिले के मुरूबंदा निवासी के निवासी हैं। कांग्रेस पार्टी में एक पंचायत अध्यक्ष के रूप में अपनी राजनीति शुरू की थी। फिर जिला अध्यक्ष से लेकर विधायक बनने का इनका सफरनामा काफी दिलचस्प संघर्ष से भरा है। मुरबंदा निवासी साधारण कुड़मी किसान घर के बेटे योगेंद्र तीन भाइयों में सबसे बड़े हैं।

कांग्रेस के सिपाही

सबसे युवा मंत्री बनीं शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (आजाद सिपाही)। सीएम हेमंत सोरेन की कैबिनेट में कांग्रेस के चार विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें मांडर विधानसभा क्षेत्र से दो बार की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की भी कांग्रेस कोटे से मंत्री बनीं। शिल्पी नेहा तिर्की ने 2024 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के सन्नी टोप्पो को हरा कर लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में शिल्पी नेहा तिर्की पर विश्वास जताया और उन्हें चुनाव में उतारा। शिल्पी ने बीजेपी के सन्नी टोप्पो को 22,803 से वोटों से हराया। शिल्पी नेहा तिर्की के पिता बंधु तिर्की 2019 के विधानसभा चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा के टिकट से विधायक बने थे। लेकिन आय से अधिक संपत्ति मामले में उन्हें कोर्ट से 3 साल की सजा मिली और फिर तिर्की को यह सीट छोड़नी पड़ी। 2022 में इस सीट पर उपचुनाव हुए और कांग्रेस की टिकट से शिल्पी नेहा तिर्की ने चुनाव जीता।

हेमंत कैबिनेट में दीपिका पांडेय सिंह दूसरी बार

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार हो गया है। महागामा विधानसभा से विधायक दीपिका पांडेय सिंह एक बार फिर से मंत्री बन गयी हैं। उन्हें राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। दीपिका पांडेय सिंह इससे पहले भी हेमंत सोरेन की सरकार में मंत्री कृषि, पशुपालन सहकारिता विभाग और आपदा विभाग का जिम्मा संभाला था। इस चुनाव में एक बार फिर से जीत दर्ज कर दीपिका विधानसभा पहुंची हैं। दीपिका पांडेय सिंह ने विधानसभा चुनाव में बीजेपी के अशोक भगत को हराकर यह सीट कांग्रेस की झोली में डाली थी। दीपिका ने लगातार दो बार महागामा विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। दीपिका के साथ राजनीति की बड़ी विरासत भी है। उनकी मां लंबे समय तक कांग्रेस से जुड़ी रहीं तो उनके ससुर अवध बिहारी सिंह तीन बार महागामा के विधायक रहे और तीन बार बिहार सरकार में मंत्री भी बने। दीपिका ने इस चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी अशोक भगत को 18,645 वोटों से मात दी. दीपिका को कुल 1,14,069 वोट मिले तो वहीं अशोक भगत मात्र 95,424 वोट मिले।

राधाकृष्ण किशोर को कांग्रेस ने बनाया मंत्री

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन की कैबिनेट में पलामू प्रमंडल के छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक राधाकृष्ण किशोर को मंत्री बनाया गया है। उन्हें कांग्रेस कोटे से मंत्री बनाया गया है। कांग्रेस के राधाकृष्ण किशोर को 2024 के विधानसभा में बीजेपी प्रत्याशी पुष्पा देवी देवी से कड़ी टक्कर मिली थी। वह एक मुश्किल मुकाबले में फंस गये थे। राधाकृष्ण किशोर मात्र 736 वोट से जीत पाये। राधाकृष्ण किशोर को कुल 71,857 वोट मिले तो वहीं बीजेपी प्रत्याशी पुष्पा देवी को 71,121 वोट मिले। राधाकृष्ण किशोर के लिए आरजेडी के विजय कुमार ने मुकाबला कठिन बना दिया था। राधाकृष्ण किशोर ने ऐसे तो कई पार्टियों का दामन थामा। 2014 में उन्होंने बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ा और चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे। लेकिन 2019 में बीजेपी से टिकट नहीं मिलने पर आजसू के टिकट से चुनाव लड़ा पर उन्हें नाकामी हाथ लगी। इसके बाद वह फिर से आजसू छोड़ आरजेडी में शामिल हो गये। लेकिन एक बार फिर विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गये और चुनाव लड़ा।

डॉ इरफान अंसारी, जिन्हें फिर बनाया गया है मंत्री

रांची (आजाद सिपाही)। जामताड़ा के विधायक डॉ इरफान अंसारी कांग्रेस कोटे से एक बार फिर हेमंत सोरेन की कैबिनेट में मंत्री बने हैं। जुलाई 2024 में हेमंत सोरेन ने दोबारा झारखंड की कमान संभाली, तो डॉ इरफान को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल की महागठबंधन सरकार में डॉ इरफान को ग्रामीण विकास मंत्री बनाया गया था। वह जुलाई 2024 से नवंबर 2024 तक इस पद पर रहे। अगस्त 2019 से अगस्त 2021 तक झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रहे डॉ इरफान अंसारी सूबे के कद्दावर कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद फुरकान अंसारी के पुत्र हैं। डॉ इरफान अंसारी ने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर जामताड़ा विधानसभा सीट से लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा की उम्मीदवार सीता सोरेन को पराजित किया था। वर्तमान में वह हज कमेटी के चेयरमैन भी हैं। अक्टूबर 2009 से अप्रैल 2023 तक जामताड़ा कांग्रेस जिला कमेटी के सचिव रह चुके हैं। डॉ इरफान अंसारी ने एमबीबीएस, एमडी की डिग्री हासिल की है।

गोड्डा के आरजेडी विधायक संजय प्रसाद यादव हेमंत सोरेन की कैबिनेट में बने मंत्री

गोड्डा (आजाद सिपाही)। गोड्डा विधानसभा सीट से दमदार जीत हासिल करने वाले राष्ट्रीय जनता दल विधायक संजय प्रसाद यादव को हेमंत सोरेन की कैबनेट में मंत्री बनाया गया है। झारखंड-बिहार के कद्दावर नेता के रूप में उन्होंने अपनी पहचान कायम रखी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश प्रधान महासचिव के रूप में संजय प्रसाद यादव ने संगठन को मजबूत बनाया। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्र तेजस्वी यादव के साथ उनके घनिष्ठ संबंध हैं। वर्ष 2000 के विधानसभा चुनाव में संजय प्रसाद यादव गोड्डा विधानसभा सीट से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए थे। उन्होंने कांग्रेस विधायक रजनीश आनंद को हराया था। वर्ष 2005 में झारखंड राज्य में पहली बार विधानसभा के चुनाव हुए, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मनोहर प्रसाद टेकरीवाल ने उन्हें

पराजित कर दिया। वर्ष 2009 में संजय यादव एक बार फिर विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। संजय प्रसाद यादव ने रघुनंदन मंडल को पराजित किया। वर्ष 2014 के झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा के रघुनंदन मंडल ने उन्हें हरा दिया। वर्ष 2016 में गोड्डा विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुए, तो रघुनंदन मंडल के पुत्र अमित मंडल ने संजय प्रसाद यादव को पराजित कर दिया। वर्ष 2019 में भी संजय प्रसाद यादव को हार का सामना करना पड़ा। संजय प्रसाद यादव वर्ष 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरे और किला फतह कर लिया। संजय प्रसाद यादव बिहार के बांका जिले के रहने वाले हैं। गोड्डा के महगामा प्रखंड के धरमुडीह गांव में उनकी शादी कल्पना देवी से हुई है। संजय प्रसाद यादव को गोड्डा विधानसभा की जनता ने तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुना है।

रजिस्ट्री सं.डी.एल.–33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–डी.एल.अ–29112024–259042
असाधारण
भाग II–खण्ड 3 – उप–खण्ड (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 4750] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 29, 2024/अग्रहायण 8, 1946

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 2024

का.आ. 5140 (अ). – केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. **1388 तारीख 15.03.2024,** जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा झारखंड राज्य के राँची जिले में NH23 के कि.मी. 2.9 से कि.मी. 26 तक के राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण (चौड़ा करने/चार लेन का बनाने, आदि), अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख **''17.04.2024''** को **''टाईम्स ऑफ इंन्डिया''** और **''अजाद सिपाही''** दोनों में प्रकाशित किया गया था;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3–ग के तहत दायर आपत्ति प्राप्त हुई है, जिस पर विचार किया गया है और उसका उचित रूप से निपटान किया गया;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

झारखंड राज्य के राँची जिले में NH23 के कि.मी. 2.9 से कि.मी. 26 के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

[फा.स. NHAI/PIU/RNC/ROB/NH23/LA/3D]
अभय जैन, निदेशक

जिला: राँची
प्रकाशन तिथि: **29 November, 2024**
https://egazette.gov.in/(S(ygydz034r4khxklx0ddwmtxx))/ViewPDF.aspx
https://bhoomirashi.gov.in/auth/revamp/showfile.cshtml?TAB=bGFfVGhyZWVEX2ZpbGVz&fk=bm90aWZpY2F0aW9uX2lk&fkid=NTcwMzI=&EncHid=1848133669&type_id=1
नोटः– इस अधिसूचना की वास्तविक प्रति सीएएलए/पीआईयू/पीएमयू/आरओ/ईडी के कार्यालय में भी उपलब्ध है और भूमि मालिक वहां भी अधिसूचना देख सकते हैं।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

संथाल समाज की अस्मिता के लिए मांझी थान और जाहर थान का संरक्षण आवश्यक : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संथाल समाज की अस्मिता और संस्कृति उनके पवित्र पूजा स्थल जाहर थान और मांझी थान से जुड़े हैं। श्री मरांडी गुरुवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में इन पूजा स्थलों पर शिलान्यास करते हुए बोल रहे थे।

श्री मरांडी ने कहा कि गुरुवार को अपने गांव कोदईबांक के मुहाने पर मांझी थान (संताल आदिवासी समाज के पूजा स्थल) के शिलान्यास का सौभाग्य प्राप्त हुआ। संथालों का दो ही पूजा स्थल होता है, एक जाहेर थान और दूसरा मांझी थान... ये हमारे संताल समाज की पवित्र पहचान है। अगर गांव से मांझी थान और जाहेर थान समाप्त हो जायेगा, तो संथाल जाति भी समाप्त हो जायेगी। हम तभी तक संथाल हैं, जब तक हम जाहेर थान-मरांग बुरू को पूजते हैं। जाहेर थान में मरांग बुरू की पूजा संथालों की पहचान है। ठीक वैसे ही, हम पिलचु हाड़म और पिलचु बूढ़ी के वंशज हैं और उनकी आराधना करते हैं। यही हमारी जड़ें, हमारी परंपरा और हमारे संथाल होने की सबसे बड़ी पहचान है।

गिरिडीह में 25 महिलाओं को नहीं मिल रहा मंईयां सम्मान योजना का लाभ

बाबूलाल ने सीएम हेमंत से की शिकायत

रांची (आजाद सिपाही)। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि गिरिडीह जिले के तीसरी प्रखंड अंतर्गत एक गांव में तकरीबन 40 महिलाओं ने मंईयां योजना का फॉर्म भरा है। लेकिन उनमें से सिर्फ 15 लोगों को ही योजना का लाभ मिल रहा है। बाकी 25 महिलाएं अब भी भुगतान का इंतजार कर रहीं हैं। महिलाओं का कहना है कि उन्होंने पूरी प्रक्रिया के तहत आवेदन किया, फिर भी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सभी को उम्मीद थी कि हेमंत सरकार की इस योजना से उन्हें वित्तीय सहायता मिलेगी, लेकिन चयन में पारदर्शिता की कमी और भ्रष्टाचार के कारण अनेक महिलाएं मंईयां योजना के लाभ से वंचित हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अनुरोध किया कि सभी पात्र महिलाओं को मंईयां योजना की लंबित चारों किस्तों के साथ नियमित रूप से राशि का भुगतान सुनिश्चित करें।

आजसू के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति को ज्ञापन सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुवार को अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) का एक प्रतिनिधिमंडल डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गयी है कि बीपीएड कोर्स सत्र 2025/ 26 से शुरू किया जाये। पिछले वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक की जाये। विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्रों का सामूहिक बीमा कराया जाये। हर वर्ष छात्र संघ चुनाव करवाने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति बनायी जाये। विश्विद्यालय में झारखंड होम गार्ड की सेवा पुनः रूप से बहाल की जाये। कुलपति ने सभी विषयों को गंभीरता पूर्वक लिया और जल्द ही सभी मांगों को पूरा करने की बात कही। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, अजित कुमार आशुतोष सिन्हा, आनंद यादव, राजेश सिंह, बबलू मंडल, निशांत, शिवम, दीपक, तारीख एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण खबरें

नेहरू युवा केंद्र रांची ने अंतरराष्ट्रीय स्वंसेवक दिवस मनाया

रांची (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय स्वंसेवक दिवस के अवसर पर शहर के किशोरगंज में नेहरू युवा केंद्र, रांची, विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के स्वयंसेवकों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वयंसेवा के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम विवेकानंद युथक्वेक फाउंडेशन के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने जिला युवा अधिकारी रोशन कुमार के निर्देश में कराया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृषिका ने, द्वितीय मेघा और तृतीय रागिनी ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक के रूप में उत्कृष्ट कार्य हेतु लोगों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्य रूप से गौरव बनर्जी, रोहित कुमार एवं अन्य लोग रहे।

जिला और प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव 14 से ऑड्रे हाउस में

रांची (आजाद सिपाही)। गुरुवार को विकास भवन स्थित जिला खेल पदाधिकारी के कार्यालय में रांची जिला और प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव के लिए बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह ने की, जिसमें नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी रौशन कुमार, वीवाइएफ चेयरमैन गौरव अग्रवाल, एनएसएसपीओ मारवाड़ी कॉलेज अनुभव चक्रवर्ती, रांची जिला एनएसएस कोर्डिनेटर कौशल किशोर, जिला खेल समन्वयक आशीष कुमार बनर्जी और जिला पर्यटन विशेषज्ञ रोशन कुमार भी उपस्थित थे। बैठक में झारखंड खेल एवं युवा कार्य विभाग द्वारा 14 दिसंबर से आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की गयी। बताया गया कि 14 दिसंबर को रांची में जिला स्तरीय और 16 दिसंबर को प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन ऑड्रे हाउस में किया जायेगा। इस महोत्सव में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा, जिनमें सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, एकल लोकनृत्य, एकल लोकगीत, चित्रकला, भाषण, विज्ञान मेला (एकल), कहानी लेखन, कविता लेखन, विज्ञान मेला (सामूहिक), फोटोग्राफी शामिल हैं। प्रतिभागियों को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 12 दिसंबर तक विकास भवन स्थित जिला खेल कार्यालय में पंजीकरण कराना होगा। प्रतियोगिता के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जायेगा और सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किये जायेंगे।

अश्विनी वैष्णव ने आइटीएमएस और रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन का निरीक्षण किया

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली और रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआइवी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीइओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा तथा रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे व आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि व्यापक ट्रैक निगरानी के लिए सभी रेलवे जोनों में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आइटीएमएस) उपलब्ध करायी जायेगी। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव में सुधार के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री ने ट्रैक रखरखाव के लिए ट्रैकमैन एवं अन्य रेलकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आइटीएमएस और आरसीआरआइवी के उपयोग से अब ट्रैकमैन के पास रियल टाइम डेटा तक पहुंच होगी, इससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल हो जायेगा।

झंकृत हुआ साहित्य संगम का काव्य मंच

रांची (आजाद सिपाही)। रांची-पटना, बिहार इकाई साहित्य संगम मंच का द्वितीय वार्षिकोत्सव के शुभ-अवसर पर कवियों एवं गीतकारों नें अपनी मोहक गीतों को प्रस्तुत कर पूरे साहित्य संगम संस्थान को झंकृत कर दिया। दिनेश मिश्र का स्वस्तिवाचन, विभा वर्मा का सरस्वती वंदना, खूशबू वर्णवाल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्रमोद पांडेय ने पटना शहर की विशेषता के बारे में बहुत ही उत्कृष्ट छंद प्रस्तुत किया। मनीषा सहाय सुमन, ऋतुराज वर्षा, पंकज पुष्कर, सुमीता सिन्हा, सुनीता श्रीवास्तव जागृति आदि के गीतों और कविताओं की झंकार से पटना बिहार साहित्य संगम संस्थान गुंजित हो उठा। साहित्य संगम प्रणेता राजवीर सिंह 'मंत्र', नंदीता मांजी, प्रशांत करण, राजेश शर्मा, सरोज शुक्ला, इंदू शर्मा, छगन लाल गर्ग ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा-इतने भव्य कार्यक्रम की मैंने कल्पना भी नहीं की थी। विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य अतिथि मधु वत्स ने भी कार्यक्रम की सराहना की।

एसबीयू में जलवायु परिवर्तन पर कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में गुरुवार को यूनिसेफ के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता पर युवाओं की भागीदारी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यूनिसेफ की ओर से डब्ल्यूएसएच ऑफिसर लक्ष्मी ने मेंटीमीटर प्लेटफॉर्म पर क्विज कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर आधुनिक जीवनशैली में लगातार दूषित हो रहे पर्यावरण को वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए यूनिसेफ की स्टेट चीफ डॉ कनीनिका मित्रा ने जलवायु परिवर्तन पर यूनिसेफ की पहल और वचनबद्धता पर अपने विचार रखे। डब्ल्यूएसएच विशेषज्ञ प्रेमचंद ने जलवायु में हो रहे परिवर्तन पर युवाओं की भागीदारी को आवश्यक करार दिया। कार्यक्रम में एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने जलवायु परिवर्तन पर उपस्थित श्रोताओं के समक्ष अपने विचार रखा। इस अवसर पर विवि के प्रभारी कुलपति श्रीधर डांडीन, कुलसचिव डॉ बीके सिंह, डॉ अरबिंद भंडारी, डॉ अशोक अस्थाना, डॉ संदीप, डॉ पंकज गोस्वामी, डॉ आरोही समेत विवि के अन्यान्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए सीसीएल ने किया समझौता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। कांके में 200 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशलिटी (कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी) अस्पताल की स्थापना के लिए सीसीएल, बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान (बीएवीपी) और धन्वंतरी आरोग्य सेवा संस्थान (डीएएसएस) के बीच त्रिपक्षीय समझौता किया। यह समझौता सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में आयोजित एक समारोह में संपन्न हुआ। मौके पर सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह मौजूद थे।

सीसीएल की प्रेरणादायक नेतृत्व क्षमता : यह पहल सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) निलेंदु कुमार सिंह के दूरदर्शी और प्रेरक नेतृत्व का परिणाम है। इस अवसर पर सीएमडी ने कहा, सीसीएल का उद्देश्य सिर्फ कोयला उत्पादन नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना भी हमारी प्राथमिकता है। यह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना झारखंड के हर वर्ग को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगी। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, बीएवीपी और डीएएसएस के वरिष्ठ प्रतिनिधि और सेवांकुर भारत की टीम के डॉक्टर उपस्थित थे। साथ ही एसी मोहंता, डॉ रत्नेश जैन, आरआर सिंह, पीके साहू और अमित प्रकाश एवं अन्य उपस्थित थे।

बीएवीपी और डीएएसएस का सहयोग

बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान (बीएवीपी) और धन्वंतरी आरोग्य सेवा संस्थान (डीएएसएस) के सहयोग से यह अस्पताल स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक नयी मिसाल कायम करेगा। बीएवीपी, महाराष्ट्र के संभाजीनगर में स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो अपनी सामाजिक और चिकित्सा सेवा पहलों के लिए प्रसिद्ध है। यह अस्पताल स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति लाने के साथ-साथ आम लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं सुनिश्चित करेगा। यह पहल सीसीएल की समाज के प्रति प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। लोगों के लिए यह अस्पताल न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक नयी शुरुआत है, बल्कि समाज के कल्याण और क्षेत्रीय विकास की ओर एक मजबूत कदम भी है।

अस्पताल की प्रमुख विशेषताएं

- 200 बिस्तरों की क्षमता वाला अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल
- कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी में विशेषज्ञ सेवाएं
- किफायती दरों पर जनता के लिए सुलभ चिकित्सा सुविधाएं
- नवीनतम तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित स्वास्थ्य सेवा केंद्र

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय डे नाइट कैंप का हुआ समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल नामकुम के में तीन दिवसीय कक्षा केजी से आठ तक के विद्यार्थियों की तीन दिवसीय डे-नाइट कैंप की पृष्ठभूमि है। पहले दिन केजी से लेकर कक्षा चार तक के विद्यार्थियों ने कई तरह के मजेदार और निगरानी वाली साहसिक गतिविधियों जैसे पैरेलल रोप्स, फ्लाइंग फॉक्स, नेट क्लाइंबिंग, जिपलाइन, रैपलिंग, टूलाइन ब्रिज में हिस्सा लिया। दूसरे दिन कक्षा 5 से लेकर 8 तक के विद्यार्थियों ने उन्हीं मजेदार गतिविधियों में पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ भाग लिया। ये सारी गतिविधियां विद्यालय के शिक्षकों, प्रधानाचार्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की देखरेख में छात्रों ने किया। अनित और उनके 12 शिक्षकों की टीम जो की एल्टीट्यूड एक्सपेंडेशन नामक कंपनी से संबंधित हैं, इन्होंने विद्यालय की इन सभी गतिविधियों को अपनी पूर्ण निगरानी में संपन्न कराया। यह कंपनी रियल लाइफ एक्सपीरियंस के आधार पर बच्चों की पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का काम करती है। किताबी ज्ञान से अलग हटकर एक्सपीरियंशियल लर्निंग के साथ बच्चे आगे बढ़ते हैं। 16 साल के अंदर 50000 से भी अधिक छात्र इस कंपनी के साथ जुड़ गये हैं। स्कूल के गलियारों में हंसी-ठहाके गूंज रहे थे क्योंकि छात्र अपने शिक्षकों के साथ चुटकुले और नृत्य का आनंद ले रहे थे। विद्यालय के अध्यक्ष अमन सिंह ने कार्यक्रम में चार चांद लगाने के लिए बोन फायर की व्यवस्था करके ठंडक में गर्मी भर दी। बच्चों ने बोन फायर के चारों ओर बैठकर संगीत सत्र का आनंद लिया। देर शाम तक जीवंत धुनों पर वह खान सर के साथ नाचते और झूमते रहे। नियमित अंतराल पर परोसे गए स्वादिष्ट और लजीज भोजन का भी सभी ने भरपूर आनंद उठाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सुनील कुमार ने कहा इस तरह की गतिविधियां द्वारा बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। साथ ही आत्मनिर्भर भी बनते हैं। एक आत्मनिर्भर विद्यार्थी ही अपने जीवन में जिम्मेदारी और समझदारी से काम करने तथा निर्णय लेने के लिए सक्षम हो पाते हैं।

अर्चा साहित्य कला अकादमी संगीत का समागम आठ को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अर्चा साहित्य कला अकादमी के बैनर तले आठ दिसंबर सुबह 11 बजे रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट ऑडिटॉरियम मोरहाबादी रांची में आयोजित होना है। इसमें झारखंड राज्य से 108 कलाकार हिस्सा लेंगे। 15 रविंद्र संगीत एक मंच पर प्रस्तुत की जायेगी। इसमें महिला और पुरुष दोनों कलाकार मौजूद रहेंगे। 15 गानों को 7 मेंटरों ने मिलकर बनायी है। यह जानकारी अर्चा साहित्य कला अकादमी के चेयरमैन डॉ पंपा सेन विश्वास, सरोज प्रसाद, दीप्ती शिखा गुहा और अखिलेश कुमार ने लालपुर के सीटी पैलेस में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम झारखंड में पहली बार हो रहा है। वहीं कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, प्रोफेसर डॉ अमिताभ मुखर्जी, पूर्व सीएमडी एचइसी अभिजीत घोष, पूर्व अध्यक्ष एफ जेसीसीआइ कुणाल आजमानी व बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सिद्धार्थ घोष और प्रदीर लाहिड़ी मुख्य अतिथि रहेंगे।

बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अखिल भारत हिंदू महासभा झारखंड प्रदेश के नेतृत्व में गुरुवार को बापू वाटिका, मोराबादी में हिंदू महासभा के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं सनातन धर्मावलंबी एकत्रित होकर एक स्वर में बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार, उत्पीड़न के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। हिंदू महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जयंत झा ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह चिन्मय कृष्ण दास प्रभु एवं उनके सहयोगी पर अत्याचार कर जेल में बंद किया गया है, मंदिर, गुरुद्वारा, मठ आदि को जो तोड़ा जा रहा है इसके लिए बांग्लादेश सरकार की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू महासभा पीएम नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रपति से मांग की गयी है संयुक्त राष्ट्र महासंघ से शांति सेना बांग्लादेश भेजने का काम करें, ताकि शांति बहाल हो पाये और हिंदुओं का अस्तित्व सुरक्षित रहे। साथ ही साथ एक आवेदन रांची के उपायुक्त के द्वारा भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, झारखंड राज्यपाल को ज्ञापन देकर बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार पर रोक लगाने के लिए अविलंब पहल करने की अपील की गयी है। इस मौके पर मुख्य रूप से जयंत झा, पवन सोनी, बिमलेश झा, जयशंकर दुबे, पीकू झा, दिलेंद्र शर्मा, सुधीर कुमार साहू, राजीव रंजन, तेजस्वी पांडेय, विनीत शर्मा, सुरेंद्र सिंह, विजय कुमार, तामोजित सरकार आदि मौजूद रहे।

राजू राम ने कांग्रेस के मंत्रियों को बधाई दी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची महानगर अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजू राम ने कांग्रेस के चारों मंत्रियों को बधाई दी साथ ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी झारखंड प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का आभार व्यक्त किया। धन्यवाद देने वालों में सूरज कुमार पासवान, प्रकाश राम, संजय राम, अजय कुमार, विजय कुमार राम, संदिप राम, मनोज यादव, नेहल कुमार, सौरभ कुमार, सागर पासवान, अमित कुमार चौरसिया, शिव कुमार पासवान, छोटू कूमार, मुन्ना राम आदि भी शामिल थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

हाइकोर्ट ने राज्य सरकार, जेपीएससी और संबंधित विश्वविद्यालयों को दिया आदेश

राज्य के विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया चार माह में पूरा करें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में अनुबंध पर नियुक्त कर्मियों को हटाये जाने जाने से संबंधित प्रार्थी प्रसिला सोरेन सहित एवं अन्य की याचिका पर बड़ा फैसला सुनाया है। हाइकोर्ट ने राज्य के विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया 4 माह के भीतर पूरी करने का निर्देश राज्य सरकार, जेपीएससी एवं झारखंड के संबंधित विश्वविद्यालयों को दिया है। हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति डॉक्टर एसएन पाठक की कोर्ट ने मामले में आदेश सुनाते हुए सचिव उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशक एवं जेपीएससी को नियुक्ति के नियमों की बाधाओं को दो माह में दूर करने का निर्देश दिया है। उसके बाद के दो माह में जेपीएससी एवं राज्य सरकार को विश्वविद्यालयों से प्राप्त अधियाचना के आधार पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकलने और नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इससे संबंधित याचिका निष्पादित कर दी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की ओर से अधिवक्ता अर्पण मिश्रा ने पैरवी की। वहीं कोल्हन विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय की ओर से अधिवक्ता एके सिंह ने पैरवी की। जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल, प्रिंस कुमार एवं जयप्रकाश ने पक्ष रखा।

कोर्ट ने कहा था, विश्वविद्यालयों में संविदा पर नियुक्ति कब तक होती रहेगी?

पूर्व में मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पूछा था कि राज्य के विश्वविद्यालय में कब तक असिस्टेंट प्रोफेसर सहित रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति की जायेगी। कोर्ट ने मौखिक कहा था कि कांटेक्ट आधारित नियुक्ति से बैक डोर से नियुक्ति को बढ़ावा मिलता है, कांटेक्ट आधारित शिक्षक सिर्फ अपनी सेवा समाप्त होने के बारे में ही सोचते हैं जिससे वे क्वालिटी एजुकेशन नहीं दे पाते हैं। हाइकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि राज्य के विश्वविद्यालयों में संविदा पर नियुक्ति कब तक होती रहेगी और घंटी आधारित शिक्षकों से कब तक काम चलाया जाता रहेगा। बैक डोर से बहाली की प्रक्रिया कब रुकेगी। कब तक विश्वविद्यालयों में नियमित बहाली की जायेगी। विश्वविद्यालय सेवा आयोग का गठन कब तक होगा ताकि विश्वविद्यालयों में नियुक्ति में बाधा ना आये।

चांसलर सहित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को बनाया गया था प्रतिवादी

दरअसल, कोर्ट ने मामले में चांसलर सहित राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को मामले में प्रतिवादी बनाया है। कोर्ट ने मामले में जेपीएससी से पूछा था कि क्या असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए सरकार की ओर से अधियाचना भेजी गयी है?

क्या था याचिका में

दरअसल, प्रार्थी प्रसिला सोरेन सहित एवं अन्य की ओर से हाइकोर्ट में याचिका दाखिल की गयी है। प्रार्थी की ओर से कहा गया है कि वे सिदो-कान्हू मुर्मू यूनिवर्सिटी में अनुबंध पर शिक्षक पद पर कार्य कर रहे थे, लेकिन उन्हें यह कहते भी हटा दिया गया कि अब स्थायी नियुक्ति होगी। लेकिन इसके बाद अनुबंध पर कार्यरत अन्य शिक्षकों को नहीं हटाया गया। प्रार्थी का कहना था कि अगर स्थायी नियुक्ति के लिए अनुबंध पर कार्यरत शिक्षकों को हटाया जाना है तो सभी अनुबंध पर काम करने वाले शिक्षकों को हटाया जाना था, तो केवल उन्हें ही क्यों हटाया गया। इसलिए उन्हें नियुक्ति से हटाना अनुचित है।

अमित कुमार अग्रवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर हाइकोर्ट में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

रांची (आजाद सिपाही)। सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद बिक्री मामले में आरोपी अमित कुमार अग्रवाल की ओर से अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद हाइकोर्ट की खंडपीठ ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। प्रार्थी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा एवं हाइकोर्ट के अधिवक्ता रोहित रंजन सिन्हा, अभिषेक अग्रवाल और अमृता सिन्हा ने पैरवी की। प्रार्थी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि उनकी गिरफ्तारी 7 जून 2023 किस कारण हुई थी इसकी जानकारी लिखित रूप में इडी ने उन्हें नहीं दी थी, इसलिए उनका डिटेंशन अवैध है इसलिए उन्हें मामले से रिहा किया जाये।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 के मंडल रेल प्रबंधक, अभियंता निम्नलिखित निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा सूचना संख्या डीआरएमआरएनजीआरएनसी-63-2024; कार्य का नाम:** रांची मंडल के चाण्डिल-मुरी, रांची-मुरी, हटिया-ओरगा और लोहरदगा-टोरी सेक्शन में विभिन्न स्टील गर्डर पुलों (22 नंबर) पर साइड पाथवे और निरीक्षण सीढ़ी का प्रावधान; **निविदा मूल्य:** 5,20,80,449.73; **बयाना राशि मूल्य:** 4,10,400.00; **निविदा बंद होने की तिथि:** 27.12.2024; **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** ऊपर उल्लिखित 15.00 बजे। ऑनलाइन निविदा के लिए निविदाकर्ता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जा सकते हैं। **(PR-869)**

कांग्रेस ने मंत्रियों के विभागों पर दावा ठोका, पत्र हुआ वायरल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार मंत्रिमंडल विस्तार के बाद अब मंत्रियों को मिलने वाले विभागों को लेकर चर्चा शुरू हो गयी है। इस बीच कांग्रेस ने अपने कोटे के मंत्रियों के लिए विभागों की मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की है। इससे संबंधित पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पत्र के अनुसार कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। जिसमें कांग्रेस कोटे के चार मंत्रियों को विभाग देने की बात कही गयी है। इसमें मंत्री राधा कृष्ण किशोर के लिए वित्त, योजना एवं विकास, और खाद्यपूर्ति विभाग मांगा गया है। वहीं, दीपिका पांडेय सिंह को स्वास्थ्य और संसदीय कार्य, इरफान अंसारी को ग्रामीण विकास एवं कार्य, शिल्पी नेहा तिर्की को कृषि और आपदा प्रबंधन विभाग देने की मांग की गयी है।

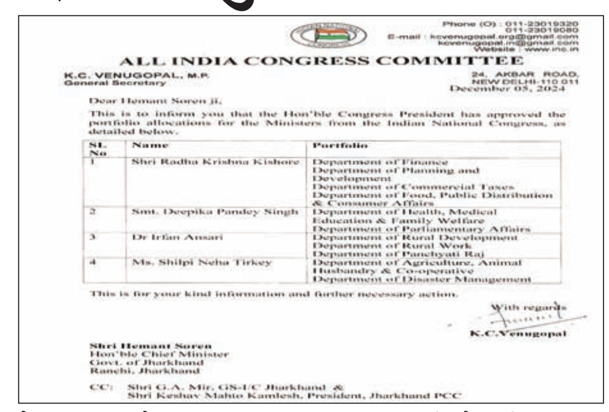

Phone (O) : 011-23019320, 011-23019080
E-mail : kcvenugopal.org@gmail.com, kcvenugopal.in@gmail.com
Website : www.inc.in

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

K.C. VENUGOPAL, M.P.
General Secretary

24, AKBAR ROAD, NEW DELHI-110 011
December 05, 2024

Dear Hemant Soren ji,

This is to inform you that the Hon'ble Congress President has approved the portfolio allocations for the Ministers from the Indian National Congress, as detailed below.

Sl. No.	Name	Portfolio
1	Shri Radha Krishna Kishore	Department of Finance; Department of Planning and Development; Department of Commercial Taxes; Department of Food, Public Distribution & Consumer Affairs
2	Smt. Deepika Pandey Singh	Department of Health, Medical Education & Family Welfare; Department of Parliamentary Affairs
3	Dr Irfan Ansari	Department of Rural Development; Department of Rural Work; Department of Panchyati Raj
4	Ms. Shilpi Neha Tirkey	Department of Agriculture, Animal Husbandry & Co-operative; Department of Disaster Management

This is for your kind information and further necessary action.

With regards
K.C.Venugopal

Shri Hemant Soren
Hon'ble Chief Minister
Govt. of Jharkhand
Ranchi, Jharkhand

CC: Shri G.A. Mir, GS-I/C Jharkhand & Shri Keshav Mahto Kamlesh, President, Jharkhand PCC

एसएससी-सीजीएल परीक्षा परिणाम पर भाजपा का हमला, कहा-

छात्रों के भविष्य के साथ हो रहा मजाक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार द्वारा हाल ही में जारी एसएससी-सीजीएल परीक्षा परिणाम को लेकर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इसे छात्रों के भविष्य के साथ क्रूर मजाक करार दिया है और कहा कि यह हेमंत सोरेन सरकार की उदासीनता और अहंकार को दर्शाता है।

श्री साह ने कहा, हमें उम्मीद की थी कि भारी जनादेश के साथ यह सरकार छात्रों और युवाओं के प्रति अधिक संवेदनशीलता दिखायेगी। लेकिन इसके बजाय, सरकार का रवैया अहंकारी और गैर-जिम्मेदाराना होता जा रहा है।

> बिना निष्पक्ष जांच के एसएससी-सीजीएल परिणाम जारी करना छात्रों के साथ क्रूर मजाकः अजय साह
>
> छात्र आंदोलन को भाजपा का समर्थन, सदन में उठायेगी मुद्दा

सरकार ने निष्पक्ष जांच का वादा किया था, लेकिन बिना किसी उचित प्रक्रिया और जांच के परिणाम जारी करना इस सरकार की लापरवाही का परिचायक है।

श्री साह ने सोशल मीडिया पर वायरल एक संदेश का जिक्र करते हुए कहा, परिणाम से पहले एक वायरल संदेश में दो विशेष रोल नंबर का उल्लेख था, और परिणामों में वही रोल नंबर दिखायी दिये हैं। भाजपा इस संदेश की सत्यता की पुष्टि नहीं करती, लेकिन जब लाखों छात्रों के भविष्य का सवाल है, तो इस संदेश समेत सभी संबंधित तथ्यों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

श्री साह ने सरकार की संवैधानिक प्रक्रिया के उल्लंघन की ओर इशारा करते हुए कहा, जब कई छात्रों द्वारा यह मामला न्यायालय में ले जाया गया है, तो न्यायालय के निर्णय का इंतजार किये बिना परिणाम जारी करना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि छात्रों के अधिकारों का हनन भी है। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट है कि परिणाम ऐसे समय में जारी किया गया जब चुने हुए प्रतिनिधि मंत्रिमंडल विस्तार में व्यस्त थे। यह दर्शाता है कि वर्तमान सरकार पर अफसरशाही का दबदबा है, जो मंत्रिमंडल के विस्तार का भी इंतजार नहीं कर सकी।

भाजपा ने छात्रों के आक्रोश के प्रति अपना समर्थन जताते हुए कहा कि पार्टी इस मुद्दे को सदन में उठायेगी। श्री साह ने कहा, भाजपा पूरी तरह से छात्रों के साथ खड़ी है। जब तक छात्रों के साथ न्याय नहीं होता, हम उनके आंदोलन का समर्थन करते रहेंगे। इतिहास गवाह है कि जब भी छात्र किसी सरकार के खिलाफ खड़े हुए हैं, उस सरकार को सत्ता से हटने पर मजबूर होना पड़ा है।

कैमरून में फंसे झारखंड के 47 मजदूर

सरकार से सोशल मीडिया पर लगायी झारखंड वापसी की गुहार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिलों के 47 प्रवासी मजदूर अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे हुए हैं। मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर सरकार से वतन वापसी की गुहार लगायी है। चार महीने से इन मजदूरों को कंपनी द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनके सामने खाने-पीने और अन्य जरूरतों का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

मजदूरों की दुर्दशा

मजदूरों का कहना है कि उन्होंने बेहतर कमाई के लिए कैमरून का रुख किया था, लेकिन अब वे बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। उनके पास न तो खाने के लिए पर्याप्त भोजन है और न ही लौटने के लिए संसाधन। प्रवासी मजदूरों के मुद्दों पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए ठोस कूटनीतिक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब प्रवासी मजदूर विदेशों में फंसे हैं। इससे पहले भी झारखंड के कई मजदूर अधिक पैसे कमाने की उम्मीद में विदेश जाकर मुश्किलों में फंस चुके हैं।

सरकार से मांग

सिकंदर अली ने कहा कि सरकार को प्रवासी मजदूरों की समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने के लिए झारखंड में रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए, ताकि लोग मजबूरी में पलायन न करें। उन्होंने मजदूरों की जल्द से जल्द वतन वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

महत्वपूर्ण खबरें

राजेश कुमार गुप्ता ने हंसराज गंगाराम अहीर को स्मरण पत्र सौंपा

रांची (आजाद सिपाही)। नयी दिल्ली में गुरुवार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने राज्य के 16 जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने हेतु एक स्मरण पत्र सौंपा है। ज्ञात हो कि झारखंड सरकार ने 12 अक्टूबर 2021 को राज्य के 16 जातियां कसौधन, वर्णवाल, कमलापुरी, जायसवाल,मोदी, पटवा, माहुरी, मैयरा, अग्रहरि आदि जो राज्य के पिछड़ा वर्ग के सूची में शामिल हैं को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की सिफारिश की थी। लेकिन वे सभी जातियां अभी तक केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल नहीं हुई हैं। इसी को लेकर राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने 29 अप्रैल 2023 को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष को एक ज्ञापन सौंप कर केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने का आग्रह किया था। पुनः गुरुवार को दिल्ली में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष को इस बाबत स्मरण पत्र सौंपा। अध्यक्ष श्री अहीर ने इसे संज्ञान में लेने का आश्वासन दिया।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में परीक्षा शुरू

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऑड सत्र 2024 की परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गयी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. डॉ विवि मिश्रा ने बताया कि कुलपति, प्रो. क्षिति भूषण दास के निर्देशन में पहली बार केंद्रीय परीक्षा व्यवस्था के साथ 2439 विद्यार्थी परीक्षा देंगे, जिसमें नियमित विद्यार्थी 2167 तथा बैक पेपर में 272 विद्यार्थी हैं। परीक्षा अधीक्षक प्रो. डॉ श्रेया भट्टाचार्या ने कहा कि परीक्षा पूर्व परीक्षा नियंत्रक के कक्ष में बैठक कर परीक्षा की पूरी तैयारी कर ली गयी थी। बैठक में सहायक कुलसचिव (परीक्षा) डॉ. शिवेंद्र प्रसाद, प्रो. रवींद्रनाथ शर्मा, डॉ ऋषिकेश महतो, डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ कोंचोक ताशी, अनुपम कुमार, संतोष कुमार रवि, रवींद्र कुमार, अशीष रंजन सहित परीक्षा से संबंधित सभी अधिकारी एवं कार्मचारी मौजूद थे।

आलू की आपूर्ति नहीं होती है, तो झारखंड सरकार बंगाल को धान की सप्लाई रोक दे: आनंद कोठारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में बंगाल से रोजाना 3 हजार टन से अधिक मात्रा में आलू की अपूर्ति होती है। बंगाल से आलू की खरीद अन्य राज्य से कम कीमत में होती है। परिवहन खर्च कम होता है। परिवहन समय 12 घंटे लगता है जबकि अन्य राज्यों से 72 घंटे से अधिक लगता है। अचानक बंगाल सरकार द्वारा आलू की अपूर्ति रोक देने के कारण, अब झारखंड आलू की आपूर्ति के लिए पूर्णतया उत्तर प्रदेश पर आश्रित हो गया है। जिससे आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश में भी आलू की कमी हो जायेगी। इस कारण वहां आलू की कीमत में निश्चित रूप से वृद्धि होगी साथ ही आलू की आपूर्ति भी प्रभावित होगी। उक्त बातें झारखंड एग्रो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद कोठारी ने कहीं। 28 नवंबर से आलू की आपूर्ति बंगाल से बंद होने के कारण संपूर्ण झारखंड में आलू के खुदरा विक्री दर में 5 से 10 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हो गयी है जिस कारण झारखंड के 3 करोड़ से अधिक आबादी को रोजाना 50 से 100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ सहन करना पड़ रहा है। राज्य के 33 हजार गांवों की जनता पर अतिरिक्त अर्थिक बोझ पड़ रहा है। मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन तथा राज्य के समस्त नव चयनित मंत्रियों से अनुरोध है कि वे बंगाल सरकार के इस असंवैधानिक कार्रवाई का पुरजोर विरोध करें एवं बंगाल सरकार पर दबाव डाल कर अविलंब बंगाल से आलू की सप्लाई पुनर्स्थापित करवायें। अन्यथा उन्हें चेतावनी दें कि झारखंड से बंगाल में धान की आपूर्ति रोक दी जायेगी।

> 28 नवंबर से बंगाल सरकार ने आलू की अपूर्ति पर रोक लगा दी है
>
> झारखंड की 3 करोड़ जनता के लिए घोर चिंता का विषय

नगर निकायों के राजस्व संग्रहण की समीक्षा

नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव का राजस्व बढ़ाने पर जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा राजस्व वृद्धि के निर्देश के बाद नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने गुरुवार को सभी नगर निकायों की बैठक में नगर निकायों के राजस्व संग्रहण की समीक्षा की और राजस्व संवर्द्धन को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिया। नगर विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रधान सचिव ने निर्देश दिया है कि नगर पालिका अधिनियम के तहत दिये गये प्रावधानों के मुताबिक हम अधिक से अधिक संसाधनों को चिन्हित कर उससे निकायों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सक्षम बनायें। इन स्त्रोत से आनेवाले राजस्व का इस्तेमाल वहां के नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधा और जीवन स्तर प्रदान करने में किया जाये। सभी नगर निकाय बकाया होल्डिंग टैक्स सहित विभिन्न प्रकार की कर वसूली को भी प्राथमिकता सूची में रखें ताकि नगर निकायों को और सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

कांके जज कॉलोनी से लेकर हरमू सहजानंद चौक तक बनेगा फ्लाइओवर, निकाला गया टेंडर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार की ओर से कांके रोड स्थित जज कॉलोनी से लेकर हरमू सहजानंद चौक तक बनने वाले फ्लाइओवर को लेकर कवायद शुरू कर दी गयी है। मिली जानकारी के मुताबिक, अगले 2 से 3 महीने के अंदर हरमू फ्लाइओवर निर्माण के टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि इसके निर्माण में करीब 300 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये जायेंगे। वहीं, इसकी लंबाई 3.5 किलोमीटर होगी। फिलहाल फ्लाइओवर के निर्माण के लिए हरमू से कडरू रेडिशन ब्लू तक परामर्श की तलाश जारी है। इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। अब तक इस प्रोजेक्ट के लिए एक कंपनी ने 34 प्रतिशत कम रेट पर टेंडर भरा है। इसकी समीक्षा पथ विभाग कर रहा है।

वैकल्पिक मार्ग किया जायेगा तैयार

बता दें कि हरमू फ्लाइओवर के निर्माण कार्य के लिए एक वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जायेगा। इसका कारण है कि इस सड़क से वीवीआइपी मूवमेंट काफी अधिक होता है। इस फ्लाइओवर का निर्माण कांके रोड स्थित जज कॉलोनी से हरमू सहजानंद चौक तक होगा। इसके निर्माण के बाद सूचना भवन चौराहा के पास से फ्लाइओवर पर चढ़ने वाले रातू रोड चौक, शनि मंदिर, गाड़ीखाना चौक, किशोरगंज चौक, भारत माता चौक होते हुए सहजानंद चौक पर जाकर उतरेंगे। वहीं, सहजानंद चौक के पास एक रैंप बनाया जायेगा ताकि कडरू मार्ग से आने वाली गाड़ियां फ्लाइओवर पर चढ़ सकें। साथ ही दूसरा रैंप गौशाला चौक के निकट बनाया जायेगा ताकि रातू रोड और पहाड़ी मंदिर से आने वाले वाहन फ्लाइओवर में चढ़ सकें।

हेमंत सरकार में शामिल किये गये मंत्रिमंडल के सदस्यों को दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद एवं प्रवक्ता शहजाद अनवर ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 164 (1) में प्रदत्त शक्तियों के तहत हेमंत सरकार 2.0 में बनाये गये सभी 11 मंत्रिपरिषद के सदस्यों को मुबारकबाद पेश की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा दो महिलाओं को मंत्री बनाया जाना भी मंईयां सम्मान का एक बड़ा उदाहरण है। संघ के महासचिव अमीन अहमद ने कोल्हान से बनाये गये सुविख्यात झारखंड आंदोलनकारी दीपक बिरुआ को हेमंत सरकार में मंत्री बनाये जाने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। हफीजुल हसन द्वारा उर्दू में मंत्री पद की शपथ लिये जाने पर झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ ने उनका शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि निश्चित रूप से झारखंड में अब उर्दू के हक और हुकूक के लिए बेहतर साबित होगी।

> हफीजुल हसन की द्वितीय पारी निश्चित रूप से उर्दू के हक और हुकूक के लिए बेहतर साबित होगा : उर्दू शिक्षक संघ

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ की ओर से मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल में शामिल किये गये सभी सदस्यों को बधाई देने वालों में संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अब्दुल माजिद खान, महासचिव अमीन अहमद, प्रवक्ता शहजाद अनवर, डॉ वकील अहमद रिजवी सहित नाज़िम अशरफ, साबिर अहमद, मकसूद जफर हादी, एनामुल हक, मो फखरूद्दीन, गुलाम अहमद, शाहिद अनवर, अब्दुल गफ़्फार, सरवर आलम, तौहीद आलम, असरार अहमद, मो एकबाल आदि मुख्य रूप से शामिल हैं।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 6963 date 30.11.2024, I, **Rajmaniya Devi** W/O Basudev Nauniya, age about 61 years, am residing at Kurhma, P.O- Kurhma, Dist.- Aurangabad (Bihar) Present address - At Pipradih, P.O- Swang Colliery, P.S- Gomia, Dist.- Bokaro (Jharkhand) do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows:-
That 1. That, my Nationality is Indian. 2. That, in my Aadhaar card vide Aadhar No.-6070 0388 3888 in my name has been mentioned as Rajmaniya Devi, but in my bank account of Bank of India Branch Swang Colliery vide A/C No-489810100004679 my name has been mentioned as Rajmaniya Kamin. 3. That, Rajmaniya Devi and Rajmaniya Kamin both name have one and same person i.e. myself. 4. That, I want to correct or rectify my name in my above said bank account as Rajmaniya Kamin in place of Rajmaniya Devi. 5. That, I am swearing this affidavit to produce it before authority concern for needful purpose. 6. That, the contents of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge, information and belief, if found incorrect or false I shall be liable for the prosecution under the relevant section of law also.

बुरे फंसे बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बेटे हंटर बाइडन को आपराधिक मामलों में माफी देकर अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों को विवादास्पद बना दिया है। विशेष परिस्थितियों में किसी दोषी को माफी देना राष्ट्राध्यक्ष का विशेषाधिकार होता है, लेकिन यहां जिस तरह से उसका इस्तेमाल किया गया, उसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह मामला सीधे-सीधे परिवारवाद का है और अगर राष्ट्रपति जैसे पद पर बैठी शख्सियत इस तरह के फैसले लेगी, तो उससे जनता के विश्वास को चोट ही पहुंचेगी। बाइडन के पूरे कार्यकाल में उनके बेटे हंटर भी चर्चा में रहे। उन पर दो गंभीर संघीय अपराध साबित हुए थे। एक, बंदूक खरीदने के दौरान ड्रग्स इस्तेमाल करने से जुड़ी गलत जानकारी देना और दूसरा केस टैक्स चोरी का था। हंटर को इसी महीने के आखिर में दोनों केस में सजाएं होनी थीं, लेकिन अपने पिता की 'दया' से अब उन पर कोई आरोप नहीं है। इसने डॉनल्ड ट्रंप को पूछने का मौका दे दिया है कि जनवरी 2021 में हुए दंगे में शामिल लोगों को भी क्या माफी दी जायेगी? कोई हैरत नहीं, अगर अगले महीने पद संभालने जा रहे ट्रंप अपने समर्थकों को नये साल के तोहफे में माफी दे दें। बाइडन इसलिए भी इस मामले में घिर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने गंभीर आपराधिक मामलों में अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया। आमतौर पर इस तरह के निर्णय मानवीयता के आधार पर लिए जाते हैं या फिर उन जगहों पर, जहां मामले राजनीतिक प्रकृति के हों। वैसे, अपनों को राहत देने वाले बाइडन अकेले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में दामाद को और बिल क्लिंटन ने चचेरे भाई को माफी दी थी। हालांकि दोनों केस में सजा हो चुकी थी, जबकि यहां राष्ट्रपति ने पहले ही क्षमा दे दी, जिसे न्याय व्यवस्था में दखल कहा जायेगा। भारत में भी राष्ट्रपति और राज्यपाल के पास सजा को कम करने या माफ करने का अधिकार है। मंशा जो भी रही हो, लेकिन इस तरह के कदम कई बार विवाद भी पैदा कर देते हैं। 2013 में यूपी सरकार ने सीरियल ब्लास्ट के संदिग्धों पर से इस आधार पर केस वापस लेने का फैसला लिया था कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे। हालांकि तब हाइकोर्ट को दखल देना पड़ा। स्टेट हेड को क्षमा का अधिकार इसलिए दिया गया है, ताकि न्याय प्रणाली में मानवीयता बनी रहे। यह आखिरी हथियार की तरह है, जिसका इस्तेमाल तभी किया जाता है, जब यह लग रहा हो कि किसी को न्याय नहीं मिल सका और उसे सजा देने में गलती हुई है। क्षमा करना सबसे बड़ा धर्म है, लेकिन यह भी मायने रखता है कि इसका पात्र कौन है और जिसे दूसरा मौका दिया जा रहा है, क्या वह उसके लायक है।

भारत में भी राष्ट्रपति और राज्यपाल के पास सजा को कम करने या माफ करने का अधिकार है। मंशा जो भी रही हो, लेकिन इस तरह के कदम कई बार विवाद भी पैदा कर देते हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

सोमवार को कांग्रेस पर अडानी पर अटकने का आरोप लगाते हुए 'इंडिया' नेताओं की बैठक में भाग नहीं लिया। उन्होंने आगे कहा, हम एकमात्र ऐसी पार्टी हैं जो कांग्रेस की चुनावी सांझेदार नहीं है। इसलिए जब हमारे मुद्दे एजेंडे में नहीं हैं, तो हम ब्लॉक की बैठक में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं हैं। उनकी ताकत समझ में आती है, क्योंकि उन्होंने राज्य में सभी 6 उपचुनाव जीते हैं। साथ ही, अन्य दलों के सांसदों ने भी मस्जिद सर्वेक्षण को लेकर यूपी के संभल में हिंसा, पंजाब में धान खरीद में देरी, चक्रवात फेंगल के प्रभाव और बंगलादेश में इस्कॉन भिक्षुओं पर हमले जैसे जरूरी मामलों पर बहस का आह्वान किया है।

'इंडिया' में पहली दरार : ममता ने लिखी पटकथा

पूनम आई कौशिश

यूपी में समाजवादी पार्टी ने कड़ी सौदेबाजी की और सुनिश्चित किया कि सीटों के बंटवारे में उसके हित प्रबल रहें। इसके अलावा, यह समूह विरोधाभासों से ग्रस्त है। क्षेत्रीय दलों के लिए कांग्रेस एक उपयोगी सहयोगी है, लेकिन वे सावधान हैं कि इसे पुनर्जीवित न होने दें और यह फिर से विशालकाय न बने।

फूट में एकता या एकता में फूट, निश्चित रूप से ऐसा लगता है कि इंडिया गुट ने टीएमसी की ममता के साथ अपनी पहली दरार विकसित कर ली है, जो अमेरिका के अडानी अभियोग मुद्दे पर संसद को बाधित करने के ऊपर एक स्वतंत्र पाठ्यक्रम की पटकथा लिख रही हैं, जिससे यह स्पष्ट संदेश जा रहा है कि वह कांग्रेस की रबड़ स्टैंप बनने से इंकार करती हैं, चाहती हैं कि राज्य और रोजी-रोटी के मुद्दे पर संसद चले।

इस दिशा में उन्होंने सोमवार को कांग्रेस पर अडानी पर अटकने का आरोप लगाते हुए 'इंडिया' नेताओं की बैठक में भाग नहीं लिया। उन्होंने आगे कहा, हम एकमात्र ऐसी पार्टी हैं जो कांग्रेस की चुनावी सांझेदार नहीं है। इसलिए जब हमारे मुद्दे एजेंडे में नहीं हैं, तो हम ब्लॉक की बैठक में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं हैं। उनकी ताकत समझ में आती है क्योंकि उन्होंने राज्य में सभी 6 उपचुनाव जीते हैं। साथ ही, अन्य दलों के सांसदों ने भी मस्जिद सर्वेक्षण को लेकर यूपी के संभल में हिंसा, पंजाब में धान खरीद में देरी, चक्रवात फेंगल के प्रभाव और बंगलादेश में इस्कॉन भिक्षुओं पर हमले जैसे जरूरी मामलों पर बहस का आह्वान किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का अप्रभावी होना भाजपा के प्रमुख फायदों में से एक है।

इसमें कोई शक नहीं कि कांग्रेस ने हाल के लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन महाराष्ट्र और हरियाणा में उसके निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पवार की पार्टी एनसीपी में यह सुगबुगाहट तेज हो गयी कि राहुल बेपरवाह और अति आत्मविश्वासी हैं क्योंकि उन्होंने राज्य में केवल 6 रैलियां कीं। इसके अलावा, झारखंड में उन्होंने झामुमो की जीत का समर्थन किया। वह इस भ्रामक धारणा में खुश हैं कि कांग्रेस की लगभग 250 लोकसभा सीटों पर सीधे तौर पर हिंदुत्व ब्रिगेड से लड़ाई है, इसलिए इसके बिना कोई भी भाजपा विरोधी लामबंदी संभव नहीं हो सकती। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का अप्रभावी होना भाजपा के प्रमुख फायदों में से एक है।

यह किसी भी क्षेत्रीय क्षत्रप की अखिल भारतीय भूमिका निभाने में असमर्थता से पूरित है, क्योंकि कई राज्यों में वे कांग्रेस से लड़ते हुए बड़े हुए हैं और इसके राज्य स्तरीय नेता क्षेत्रीय दलों को किसी भी भाजपा विरोधी गठबंधन में सहयोगी के रूप में नहीं, बल्कि पराजित होने वाले प्रतिद्वंद्वियों के रूप में देखते हैं। एक ऐसा ही मामला दिल्ली है, जहां आगामी विधानसभा चुनावों में आप और कांग्रेस एक-दूसरे से लड़ रही हैं।

महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हुआ, जहां राकांपा और शिवसेना (यू) दोनों विभाजन के कारण कमजोर हो गयीं, लेकिन उन्होंने कांग्रेस के नखरों के आगे झुकने से इंकार कर दिया। यूपी में समाजवादी पार्टी ने कड़ी सौदेबाजी की और सुनिश्चित किया कि सीटों के बंटवारे में उसके हित प्रबल रहें। इसके अलावा, यह समूह विरोधाभासों से ग्रस्त है। क्षेत्रीय दलों के लिए कांग्रेस एक उपयोगी सहयोगी है, लेकिन वे सावधान हैं कि इसे पुनर्जीवित न होने दें और यह फिर से विशालकाय न बने।

पहले से ही इसने, विशेष रूप से ममता में नयी महत्वाकांक्षाएं जगा दी हैं, जो खून का स्वाद चखने के बाद जानती हैं कि भाजपा को हराया जा सकता है। उन्हें राष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ने के लिए चैंपियन बीजेपी स्लेयर के रूप में पश्चिम बंगाल की जीत पर भरोसा है, क्योंकि उन्हें लगता है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार के बाद विपक्ष की जगह खाली हो गयी है। उनकी योजना दो युक्तियों पर आधारित है- एक, राज्य में सभी गैर-भाजपा खिलाड़ियों के बीच एक व्यापक समझ सुनिश्चित करना, जिससे वह भाजपा के लिए एकमात्र चुनौती हों। दूसरा, अपने कद के साथ-साथ अन्य क्षत्रपों के साथ संबंध बनायें, जिससे उन्हें स्पष्ट उम्मीदवार के रूप में देखा जाये, जिनके पास गठबंधन के चेहरे के रूप में उभरने के लिए ट्रैक रिकॉर्ड, नेटवर्क और विश्वसनीयता है।

हालांकि, यह कहना आसान है लेकिन इस स्पष्ट प्रश्न से नहीं निपटता, जो मोदी बनाम कौन का उत्तर देने के लिए केवल एक आम स्वीकार्य नेता के माध्यम से ही हो सकता है। इसके अलावा, ममता के प्रशंसक हो सकते हैं लेकिन भाजपा के तंत्र में उन्हें मुस्लिम समर्थक के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित रूप से, यह अन्य जगहों पर शहरी मध्यम वर्ग को अलग-थलग कर सकता है, जो उन्हें एक मनमौजी के रूप में देखते हैं, जिससे हिंदू एकजुटता हो सकती है।

इसके अलावा, भाजपा के गुजरात मॉडल के विपरीत, जिसने मोदी को केंद्र में पहुंचाया, ममता की अभी तक कोई गूंज नहीं है और न ही उनकी राजनीतिक बयानबाजी उनके राज्य के बाहर अच्छी तरह से फैलती है। सच है, अभी शुरुआती दिन हैं, लेकिन उनकी पार्टी के लोगों और प्रतिद्वंद्वियों ने उन्हें शी-मोदी उपनाम दिया है। माना जाता है कि उनमें मोदी जैसा कौशल है-लोकप्रिय, महान वक्ता, जो लोगों से जुड़ती हैं, लोगों को भड़काने वाली, दृढ़निश्चयी, जोखिम लेने की भूखी और टेफ्लॉन जैसी, जिससे कोई भी घोटाला या नकारात्मक विशेषता उन पर टिक नहीं पाती। कर अस्पताल, शारदा और नारद घोटालों में से वह बेदाग बन कर उभरी हैं।

नकारात्मक पक्ष यह है कि ममता को अड़ियन व्यक्ति के रूप में जाना जाता है, जो हर इच्छा पूरी करना चाहती हैं, उनका स्वभाव उग्र है और जो कोई भी अलग विचार रखता है, उसे पद से हटा दिया जाता है। फिर भी, वह विपक्ष का ताज पाने की चाहत में कोई संकोच नहीं करतीं। साथ ही, गठबंधन को सिर्फ मोदी-विरोधी थीम के इर्द-गिर्द नहीं बुना जा सकता। उसे ऐसी भाषा और प्रदर्शनों की सूची ढूंढनी होगी, जो भाजपा की निपुणता, बहु-मुखरता और संसाधनों से मेल खा सके।

देश-विदेश की खबरें

मास्को में वीटीबी रूस कॉलिंग इन्वेस्टमेंट फोरम

पुतिन ने पीएम मोदी की इंडिया-फर्स्ट नीति और मेक इन इंडिया पहल की प्रशंसा की

- **भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की रूस की इच्छा से अवगत कराया**
- **एसएमइ के विकास के लिए रूस-भारत सहयोग पर जोर दिया**
- **ब्रिक्स निवेश मंच को वैश्विक दक्षिण देशों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण माना**

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन ने 15वें वीटीबी रूस कॉलिंग इन्वेस्टमेंट फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडिया फर्स्ट नीति और मेक इन इंडिया पहल की प्रशंसा की। राष्ट्रपति पुतिन ने विकास के लिए स्थिर माहौल को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इन नीतियों ने भारत के विकास में किस तरह योगदान दिया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से शुरू की गयी मेक इन इंडिया पहल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति को चिन्हित किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमइ) के लिए स्थिर स्थिति बनाने को लेकर किये गये प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गयी आर्थिक पहलों पर प्रकाश डाला, जिसमें मेक इन इंडिया कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दिया गया। राष्ट्रपति पुतिन ने रूस के आयात घटाने के कार्यक्रम और भारत की मेक इन इंडिया पहल के बीच समानताएं बताते हुए भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के प्रति रूस की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत में निवेश लाभदायक है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के नेतृत्व ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने पर ध्यान केंद्रित किया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि नरेंद्र मोदी के पास मेक इन इंडिया नामक एक ऐसा ही कार्यक्रम है। हम भी भारत में अपना विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार इंडिया फर्स्ट की नीति से प्रेरित होकर स्थिर स्थितियां बना रही है। हमारा मानना है कि भारत में निवेश करना लाभदायक है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी कंपनी रोसनेफ्ट ने हाल ही में भारत में 20 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिक्स के उदय के संदर्भ में रूस के आयात घटाने के कार्यक्रम के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिसमें एसएमइ के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा ब्रिक्स एवं अन्य देशों में एसएमइ के लिए सुचारू व्यापारिक लेनदेन की सुविधा के लिए त्वरित विवाद समाधान प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने बाजार से बाहर हो चुके पश्चिमी ब्रांडों के स्थान पर नये रूसी ब्रांडों के उदय की ओर इशारा किया तथा उपभोक्ता वस्तुओं, आइटी, उच्च तकनीक और कृषि जैसे क्षेत्रों में स्थानीय रूसी निमार्ताओं की सफलता के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह हमारे आयात घटाने के कार्यक्रम के हिस्से के रूप में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नये रूसी ब्रांडों के उभरने से उन पश्चिमी कंपनियों की जगह लेने में मदद मिल रही है, जो स्वेच्छा से हमारे बाजार को छोड़ चुकी हैं। हमारे स्थानीय निमार्ताओं ने न केवल उपभोक्ता वस्तुओं में बल्कि आइटी और उच्च तकनीक वाले उद्योगों में भी महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

राष्ट्रपति पुतिन ने एसएमइ के विकास को समर्थन देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच और अधिक सहयोग का भी आग्रह किया। उन्होंने सदस्य देशों को अगले साल ब्राजील में होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान सहयोग कायम करने की दिशा में प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। रूस द्वारा ब्रिक्स के साथ मिलकर विकसित किये जा रहे निवेश मंच के बारे में चर्चा करते हुए राष्ट्रपति श्री पुतिन ने कहा कि इसमें सभी भागीदार देशों को लाभ पहुंचाने की क्षमता है और उम्मीद है कि यह हमारी अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन देने और वैश्विक दक्षिण और पूर्व के देशों को वित्तीय संसाधन प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बन जायेगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने ब्रिक्स के भागीदार देशों से सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने का आग्रह करता हूं, और हम निश्चित रूप से इसे अपने ब्राजीलियाई नेताओं के ध्यान में लायेंगे, जो अगले वर्ष ब्रिक्स का नेतृत्व करेंगे।

संभल हिंसा में एक करोड़ की संपत्ति का नुकसान

वसूली उपद्रवियों से की जायेगी, हिंसा में शामिल 400 आरोपियों के फुटेज

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ/ संभल। उत्तर प्रदेश की संभल हिंसा में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का नुकसान हुआ है। कई कारें, ट्रांसफॉर्मर जलाये गये और सीसीटीवी कैमरे भी तोड़े गये। इसकी वसूली उपद्रवियों से की जानी है। यह जानकारी गुरुवार को संभल जिले के रढ केके बिश्नोई ने दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस के पास हिंसा से जुड़े 400 लोगों के फुटेज हैं। इनकी पहचान की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे खुद पुलिस स्टेशन आकर अपराध कबूल करें। पुलिस हिंसा में शामिल लोगों के पोस्टर लगायेगी। संभल में कोर्ट के आदेश पर 24 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे किया जा रहा था। इस दौरान हिंसा भड़क गयी थी, जिसमें गोली लगने से चार युवकों की मौत हो गयी थी।

हिंसा के 12वें दिन गुरुवार को भी पुलिस ने हिंसा प्रभावित इलाकों में सर्चिंग की। इस दौरान फोरेंसिक टीम को 3 कारतूस, 1 खोखा और दो 12 बोर के मिस फायर कारतूस मिले। ये अमेरिकी कारतूस बताये जा रहे हैं।

पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ 14 नये केस दर्ज

इस्लामाबाद में हिंसक प्रदर्शन का आरोप, सेना मुख्यालय पर हमले के भी आरोप तय

एजेंसी

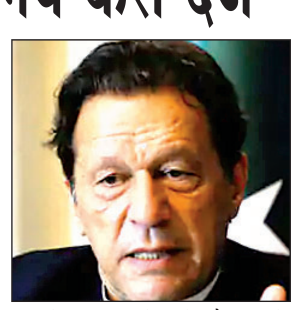

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। इमरान के खिलाफ इस्लामाबाद में हिंसक प्रदर्शन के आरोप में 14 नए मामले दर्ज किए हैं। इसके साथ ही इस्लामाबाद में इमरान के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर 76 हो गयी है। इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी पुलिस (आइसीटीपी) ने 5 दिसंबर को हाईकोर्ट में रिपोर्ट जमा कर इसकी जानकारी दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने 24 नवंबर को इस्लामाबाद के डी-चौक पर हुए प्रदर्शन के बाद इमरान के खिलाफ 14 नये मामले दर्ज किये गये हैं। इससे पहले उनके खिलाफ 62 मामले दर्ज थे, जो अब बढ़ कर 76 हो गए हैं। इमरान ने जेल से संदेश जारी कर अपने समर्थकों और पीटीआइ पार्टी के कार्यकर्ताओं से देशभर में विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा था। इमरान की मांग थी कि चुनावों में उनकी पार्टी को मिले जनादेश को मान्यता मिले, हिरासत में लिये गये पार्टी मेंबर्स को रिहा किया जाये और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति से जुड़े 26वें संशोधन को रद्द किया जाये।

महापंचायत का एलान, आज दिल्ली कूच करने के इरादे से जीरो प्वाइंट पर पहुंचेंगे

धरना दे रहे 43 किसानों को भेजा जेल, दो दिन में 77 हिरासत में लिये गये

आजाद सिपाही संवाददाता

नोएडा। जीरो प्वाइंट पर धरना दे रहे 34 किसान नेताओं को पुलिस ने बुधवार रात हिरासत लेकर लुक्सर जेल भेज दिया। वहीं गुरुवार को जिले के विभिन्न इलाकों से प्रदर्शनकारी 43 किसान नेताओं को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। किसान नेताओं को जेल भेजने के विरोध में एक बार फिर किसान संगठन और पुलिस प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन गयी है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने एलान किया है कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे फिर से सैंकड़ों की संख्या में किसान दिल्ली कूच करने के इरादे से जीरो प्वाइंट पर पहुंचेंगे। किसानों ने कहा कि प्रशासन और सरकार उनकी आवाज को दबाने का काम कर रही है। जेल से छूटने के बाद आंदोलन तेज होगा।

गौरतलब है जिले के किसान 10 प्रतिशत आबादी भूखंड, बढ़ा हुआ 64.7 प्रतिशत मुआवजे और नए भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने की मांग लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे हैं। 10 से अधिक किसान संगठनों ने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले आकर 25 नवंबर से महापंचायत शुरू कर पहले ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर धरना दिया था। इसके बाद किसानों ने यमुना विकास प्राधिकरण कार्यालय के बाहर डेरा डाला। तीन दिन पहले हजारों किसानों ने दिल्ली के लिए कूच था, लेकिन नोएडा पुलिस ने उन्हें दलित प्रेरणा स्थल में रोक लिया गया था।

वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता के बाद किसानों ने एक सप्ताह तक दलित प्रेरणा स्थल में धरना जारी रखने को कहा था। मगर मंगलवार को करीब 123 किसान नेताओं को हिरासत में लेकर जेल भेजा गया था। इससे नाराज किसान संगठनों ने साथी किसानों की रिहाई के साथ बुधवार को ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पर महापंचायत बुलायी थी। इस पंचायत में सैकड़ों किसान शामिल हुए थे। वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता के बाद जेल भेजे गये किसानों को बुधवार देर शाम रिहा कर दिया गया था। इसके बाद रिहा हुए किसानों ने महापंचायत में पहुंचकर आंदोलन को तेज करने की बात कही थी।

बुधवार रात करीब 11 बजे जब जीरो प्वाइंट पर किसान सो रहे थे तो पुलिस ने उन्हें जबरन उठाकर बस, पुलिस वैन आदि में भरकर जेल पहुंचा दिया। रात करीब डेढ़ बजे तक किसान सुखबीर खलीफा, सोरन प्रधान समेत 34 किसान नेताओं को हिरासत में लेकर जेल पहुंचाया गया। वहीं गुरुवार सुबह किसान नेताओं को जेल भेजे जाने के विरोध में किसान नेताओं ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की।

अल्लू अर्जुन के खिलाफ हत्या का केस

आजाद सिपाही संवाददाता

हैदराबाद। हैदराबाद में फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ के चलते एक महिला की मौत के मामले में पुलिस ने एक्टर अल्लू अर्जुन और थिएटर पर गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है।

दरअसल, अल्लू अर्जुन बुधवार रात बिना बताये संध्या थिएटर में फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए आये थे। थिएटर के बाहर इकट्ठा हुए फैंस अल्लू अर्जुन से मिलने के लिए उतावले हो गये।

बड़ी संख्या में फैंस ने उनके साथ थिएटर में दाखिल होने की कोशिश की। इसके चलते भगदड़ मच गयी। धक्का-मुक्की के कारण कई लोग एक-दूसरे पर गिर गये। कुछ लोग घायल भी हुए।

स्थिति को कंट्रोल में लाने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। भीड़ कम होने के बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती किया। डॉक्टर ने एक महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि 3 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अल्लू अर्जुन और उनकी सिक्योरिटी टीम के साथ थिएटर मैनेजमेंट पर भी आरोप है कि उन्होंने इवेंट को सही से मैनेज नहीं किया।

मंत्रिमंडल में अनंत प्रताप देव को शामिल नहीं किये जाने से समर्थकों में मायूसी

पावर प्लांट को लेकर स्थानीय लोग चिंतित।

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से झामुमो के नवनिर्वाचित विधायक अनंत प्रताप देव को हेमंत सरकार के मंत्री मंडल में शामिल नहीं होने से कार्यकर्ताओं में मायूसी छाइ हुई है। विधानसभा चुनाव परिणाम मे भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से अनंत प्रताप देव के चुनाव जितने के बाद से ही झामुमो समर्थको मे छोटे राजा को मंत्रीमंडल में शामिल किये जाने की उम्मीद जगी थी। इसका सबसे बड़ा कारण गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से झामुमो के मिथिलेश ठाकुर के चुनाव में हुई हार थी। क्योंकि पूर्व की हेमंत सोरेन सरकार में पलामू से मंत्रीमंडल में गढ़वा के मिथिलेश ठाकुर को जगह मिला था। जो कि हेमंत सोरेन के खासम खास माने जाते थे, लेकिन उनकी हार के बाद से झामुमो कोटे से विधायक अनंत प्रताप देव को मंत्री मंडल में शामिल होने की संभावना बढ़ गयी थी। अनंत प्रताप देव के चुनाव जितने के बाद से ही सोशल मिडिया, अखबारों में अनंत प्रताप देव को मंत्री मंडल में शामिल होने की संभावना की खबर खूब ट्रेंड कर रही थी। पांच दिसंबर को सुबह तक कार्यकर्ताओं में छोटे राजा के मंत्री बनने की उम्मीद थी, लेकिन जैसे ही हेमंत सोरेन सरकार ने मंत्रियों की सूची राजभवन को भेजी वैसे ही अनंत प्रताप देव के समर्थको मे मायूसी छा गयी।

उल्लेखनीय है कि भवनाथपुर विधानसभा चुनाव का मुख्य मुद्दा पावर प्लांट और सीमेंट फैक्ट्री के इर्द-गिर्द ही घूमता नजर आया था। यहां तक की चुनाव प्रचार के दौरान हेमंत सोरेन ने भी पावर प्लांट का वादा जनता से किया था। हेमंत सोरेन के इन्हीं वादों पर भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को भी उम्मीद जगी थी कि अनंत प्रताप देव मंत्री मंडल में शामिल हो कर भवनाथपुर का चहुंमुखी विकास करेंगे। इतना ही नहीं लोगों को मंत्री बनने की चर्चा से पावर प्लांट लगने की संभावना जगी थी। अब देखना दिलचस्प होगा की बतौर विधायक अनंत प्रताप देव जनता की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरते हैं।

ओरिएंटेशन सेशन ऑन सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन को लेकर गढ़वा में कार्यक्रम

विभिन्न सिविल सर्विसेज प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने को लेकर विद्यार्थियों को किया गया मोटिवेट।

गढ़वा जिले के विद्यार्थियों में है अपार क्षमता, मेधावी छात्रों की नहीं है कमीः उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आइसीएस और पीसीएस जैसे सिविल सर्विस सेवाओं की तैयारी के लिए स्थानीय नगर भवन गढ़वा में ओरिएंटेशन सेशन ऑन सिविल सर्विसेस एग्जामिनेशन का आयोजन किया गया। गढ़वा टाउन हॉल में आयोजित इस ओरिएंटेशन सेशन ऑन सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर उपस्थित हुए। उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर के निर्देशन में इंटीग्रेटेड एजुकेशन सिस्टम अंकुर टावर, मुखर्जी नगर, दिल्ली के द्वारा यह कार्यक्रम गढ़वा में रहकर विभिन्न सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से की गयी। सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में गढ़वा जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों और अन्य संस्थाओं से तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की उपस्थित रही। दिल्ली से चलकर आए मेंटोर के द्वारा उपस्थित लोगों के बीच सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करने को लेकर मोटिवेट करने का कार्य किया गया। साथ ही सिविल सेवा परीक्षाओं में व्याप्त स्कोप के बारे में भी बताया गया। मुख्य रूप से सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करने को लेकर विद्यार्थियों को आ रही समस्याओं पर विशेष चर्चा की गई तथा विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये उनके सवालों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट करने का कार्य किया गया। उपायुक्त जमुआर के निर्देशन में गढ़वा जिला में भी विभिन्न सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी कराने की बात कही गयी। उपायुक्त जमुआर द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि गढ़वा के विद्यार्थियों में आपार क्षमता है, जिसे निखारने की आवश्यकता है।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय द्वारा अपने संबोधन में अपने जीवन में घटित घटनाओं का जिक्र कर उपस्थित विद्यार्थियों को विभिन्न सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर उपस्थित शांति निवास विद्यालय के प्रधानाचार्य सिस्टर रोशना के द्वारा भी इस विषय पर लोगों को संबोधित करते हुए प्रेरित करने का कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि गढ़वा के कई विद्यालय, महाविद्यालय और अन्य संस्थानों से आइसीएस, पीसीएस जैसे सिविल सेवाओं में तथा मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में भी कई छात्रों ने सफलता प्राप्त कर गढ़वा का नाम रोशन किया है। दिल्ली से आए मेंटोर के द्वारा बताया गया कि सिविल सेवा जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अब गढ़वा जिले में भी कराई जायेगी जिसमें मेधावी छात्र छात्राओं को विशेष छूट के साथ तैयारी कराई जायेगी और तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप का भी प्रावधान किया जायेगा। मौके पर उक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश, अनुमंडल पदाधिकारी रंका रुद्र प्रताप, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा संजय कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद, एसडीपीओ गढ़वा चिरंजीवी, जिला नियोजन पदाधिकारी -सह- जिला जनसंपर्क पदाधिकारी नीरज कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थें।

जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी का चुनाव 14 दिसंबर को

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के निदेर्शानुसार गढ़वा जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी का चुनाव 14 दिसंबर को होटल रॉयल पद्मावती के सभागार में 12:30 बजे दिन से निर्धारित किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए गढ़वा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के जिला सचिव राघवेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि चुनाव निम्नलिखित पदों के लिए किया जायेगा। जिसमें अध्यक्ष पद के अलावा तीन उपाध्यक्ष पद, एक सचिव तथा एक कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव किये जायेंगे। इसके लिए नामांकन पत्र 9 दिसंबर को 12:30 बजे दिन से संध्या 4:00 बजे तक जिला क्रिकेट संघ के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि नामांकन 10 दिसंबर को अपराह्न 12:30 बजे से संध्या 4:00 बजे तक गढ़वा जिला क्रिकेट संघ के कार्यालय में किया जा सकेगा। इसके अलावा नामांकन पत्रों की जांच 11 दिसंबर को झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के निदेर्शानुसार जिला क्रिकेट संघ द्वारा नियुक्त चुनाव पदाधिकारी के द्वारा कराई जायेगी। उम्मीदवारों की सूची 12 दिसंबर को जारी कर दी जायेगी। चुनाव 14 दिसंबर को होटल रॉयल पद्मावती गढ़वा के सभागार में 12:30 बजे दिन से झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक के देखरेख में झारखंड राज्य के क्रिकेट संघ के निदेर्शानुसार जिला क्रिकेट संघ द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी के द्वारा कराया जायेगा।

बसपा के पूर्व प्रत्याशी को एससी एक्ट मामले में किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से बसपा के पूर्व प्रत्याशी सिंघीताली निवासी पंकज कुमार चौबे को हरिजन एक्ट मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पंकज कुमार चौबे पर भवनाथपुर थाना में हरिजन एक्ट के तहत सिंघीताली गांव के ही मैकु बैठा ने प्राथमिक दर्ज कराई थी।भवनाथपुर कांड संख्या 150/24 के आलोक में न्यायालय से निर्गत वारंट के पश्चात गिरफ्तारी हुई है।थाना प्रभारी रंजनी रंजन ने बताया कि न्यायालय से वारंट जारी था। उक्त वारंट के आलोक गिरफ्तारी हुई है। गुरुवार को थाना आया था जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। बताते चलें कि बीते 6 सितंबर 2024 की शाम को सिंघीताली निवासी मैकू बैठा का नाती राहुल कुमार प्रवीण चंद्रवंशी एवम बसपा नेता सुशील चौबे व उनके पुत्र पंकज चौबे के बीच मारपीट की घटना हुई थी, इसके बाद मैकु बैठा ने हरिजन एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करवाई थी।

जायंट्स आस्था के नये सत्र के पदाधिकारियों का मनोनय

विराट राजा विश्वास को अध्यक्ष मनोनित किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा आस्था के अध्यक्ष उत्तम जायसवाल की अध्यक्षता में सत्र 2025 के नये पदाधिकारियों का चुनाव प्रक्रिया (पदमावती होटल) चिनिया रोड गढ़वा) में संपन हुआ । जिसमें जायंट्स आस्था के अध्यक्ष पद के लिए विराट राजा विश्वास को सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया। सत्र 2025 के लिए जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वाॾआस्था के सभी नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा सर्वसम्मति से की गर्य। जिसमे

नव निर्वाचित अध्यक्ष

विराट राजा विश्वास, उपाध्यक्ष इंटर्नल डॉ आलोक कश्यप, एक्सटर्नल अमित शर्मा, सचिव वेद प्रकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष हर्ष कमलापुरी, मेडिकल ऑफिसर डॉ आशीष कुमार और डॉ अशोक सोनी को बनाया गया। जब की निदेशक के रूप में दीपक कश्यप, राजेश सोनी, संजय कुमार सिंह, चंदन केशरी, अनूप कुमार शर्मा, और दीपक रौनीयार को बनाया गया। जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा आस्था के सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को जायंट्स आस्था टीम के ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी गयी। **इस अवसर पे संस्था के सद्स्य** आशीष मित्रा, रवि कुमार जय प्रकाश कुमार सभी जायंट्स आस्था टीम इत्यादि लोग मौके पे उपस्थित थे।

झामुमो सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था बदलः रितेश चौबे

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे ने हेमंत सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि झामुमो सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था पुरी तरह से चरमरा गयी है। सदर अस्पताल रेफर अस्पताल बन चुका है। गढ़वा सदर अस्पताल गढ़वा से लेकर जिले भर में चल रहे स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत काफी गंभीर है। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल मौत का कुंआ बन चुका है। डॉक्टर से लेकर जांच दवा सहित अन्य व्यवस्था की भारी कमी है। झामुमो सरकार में बैठे लोग सिर्फ अपनी झोली भरने में लगे हुए हैं। वहीं डाक्टर दवा सहित जांच भी नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल गढ़वा खुद एक मरीज बन चुका है। बाहर से जो भी मरीज आते हैं उनको सिर्फ रेफर कर दिया जाता है। कुछ अगर ईलाज के लिए पहुंचते हैं तो दवा से लेकर जांच तक के लिए उन्हें बाहरी व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जो वेंटिलेटर सदर अस्पताल को कोरोना काल में मिला उसके लिए झामुमो सरकार अब तक तकनीशियन बहाल नहीं कर पायी है। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष उदय कुशवाहा ने कहा कि झामुमो सरकार में गरीबों का सरकारी व्यवस्था में ठीक से इलाज नहीं हो रहा है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। सदर अस्पताल गढ़वा में किसी चीज का व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को काफी कठीनाई का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर मुख्य रूप से युवा मोर्चा महामंत्री विकास तिवारी गोवावल मंडल अध्यक्ष विकास तिवारी सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार,
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची
जिला–चतरा (पार्ट–2)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी प्रभु दयाल पासवान द्वारा आयोग के मा0 सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
63.	1. आवेदन क्र0–630/24 2. आवेदक–नन्दा टाना भगत, पिता–लक्ष्मण टाना भगत 3. ग्राम–कारो (चौकीटांड), पोस्ट–बहेरा, थाना–पिपरवार, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
64.	1. आवेदन क्र0–631/24 2. आवेदक–कृष्णा उराँव, पिता–स्व0 बान्दे उराँव 3. ग्राम–कल्याणपुर, पोस्ट–बहेरा, थाना–पिपरवार, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
65.	1. आवेदन क्र0–632/24 2. आवेदक–बालदेव उराँव, पिता–महतो उराँव 3. ग्राम–कल्याणपुर, पोस्ट–बहेरा, थाना–पिपरवार, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
66.	1. आवेदन क्र0–633/24 2. आवेदक–शारदा देवी, पति–जवाहर यादव 3. ग्राम–चट्टी गाडीलौंग, पोस्ट–टण्डवा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–महिला, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
67.	1. आवेदन क्र0–634/24 2. आवेदक–गीता देवी, पति–माधो राणा 3. ग्राम–चौथा, पोस्ट–नावाडीह डमौल, थाना–पत्थलगड़ा, प्रखण्ड–पत्थलगड़ा 4. लिंग–महिला, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
68.	1. आवेदन क्र0–635/24 2. आवेदक–सरोज देवी, पति–जयपाल उराँव 3. ग्राम–कल्याणपुर, पोस्ट–बहेरा, थाना–पिपरवार, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–महिला, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
69.	1. आवेदन क्र0–636/24 2. आवेदक–बीजो गोइंदी, पति–नन्दा टाना भगत 3. ग्राम–कारो (चौकीटांड), पोस्ट–बहेरा, थाना–पिपरवार, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–महिला, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
70.	1. आवेदन क्र0–4016/24 2. आवेदक–नवीण ठाकुर, पिता–प्रकाश ठाकुर 3. ग्राम–ठाकुर मुहल्ला, बड़कागाँव, पोस्ट–बड़कागाँव, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड–बड़कागाँव 4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
71.	1. आवेदन क्र0–4017/24 2. आवेदक–मुन्नी देवी, पति–रामलखन प्रसाद 3. ग्राम–रविन्द्र पथ, पोस्ट–सदर हजारीबाग, थाना–सदर, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–महिला, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
विवरण :–सिमरिया थाना काण्ड संख्या–112/93 में चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी श्री कैलाष सिंह द्वारा आयोग के सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
72.	1. आवेदन क्र0–637/24 2. आवेदक–कौशल्या देवी, पति–धनेश्वर साहु 3. ग्राम–सेरगदाग, पोस्ट–कसिमाड़ी, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–महिला, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
73.	1. आवेदन क्र0–638/24 2. आवेदक–फागुनी देवी, पति–करमचन्द्र महतो 3. ग्राम–डाड़ी, पोस्ट–सिमरिया, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–महिला, आयु–68 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
74.	1. आवेदन क्र0–639/24 2. आवेदक–प्रमिला देवी, पति–राजकुमार राम 3. ग्राम–बानसाड़ी, पोस्ट–सिमरिया, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–महिला, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
75.	1. आवेदन क्र0–640/24 2. आवेदक–मालती देवी, पति–स्व0 बिजू साव 3. ग्राम–बानसाड़ी, पोस्ट–सिमरिया, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–महिला, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
76.	1. आवेदन क्र0–641/24 2. आवेदक–बरियो देवी, पति–बुधु उराँव 3. ग्राम–केन्दुवा, पोस्ट–पुण्डरा, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–महिला, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
77.	1. आवेदन क्र0–642/24 2. आवेदक–कुंती देवी, पति–बासुदेव गंझु 3. ग्राम–बारादोहर, पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–महिला, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
78.	1. आवेदन क्र0–643/24 2. आवेदक–संजू कुमारी, पति–रविन्द्र कुमार भुईयाँ 3. ग्राम–पुण्डरा, पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–महिला, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
79.	1. आवेदन क्र0–644/24 2. आवेदक–प्रीती कुमारी (आश्रित पुत्री), पिता–तेजो गंझू (मूल आन्दोलनकारी) 3. ग्राम–एदला, पोस्ट–चौथा, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–महिला, आयु–15 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
80.	1. आवेदन क्र0–645/24 2. आवेदक–बुटन यादव, पिता–रोहन यादव 3. ग्राम–बानसाड़ी, पोस्ट–सिमरिया, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
81.	1. आवेदन क्र0–646/24 2. आवेदक–दशरथ साव, पिता–स्व0 माखो साव 3. ग्राम–बानसाड़ी, पोस्ट–सिमरिया, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
82.	1. आवेदन क्र0–647/24 2. आवेदक–गिरधारी यादव, पिता–स्व0 भुनेश्वर यादव 3. ग्राम–कदली, , पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
83.	1. आवेदन क्र0–648/24 2. आवेदक–नरेन्द्र कुमार, पिता–शोभा राम 3. ग्राम–पुण्डरा, , पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
84.	1. आवेदन क्र0–649/24 2. आवेदक–धुपेन्दर भुईयाँ, पिता–नागो भुईयाँ 3. ग्राम–पुण्डरा, , पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
85.	1. आवेदन क्र0–650/24 2. आवेदक–छकन महतो, पिता–कानन महतो 3. ग्राम–डाडी, , पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–79 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
86.	1. आवेदन क्र0–651/24 2. आवेदक–किसुन उरांव, पिता–बुधराम उरांव 3. ग्राम–मंझलीटांड, पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
87.	1. आवेदन क्र0–652/24 2. आवेदक–चेतलाल विष्वकर्मा, पिता–स्व0 बुधन विश्वकर्मा 3. ग्राम–बेलगड़ा, पोस्ट–दुन्दवा, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
88.	1. आवेदन क्र0–2234/24 2. आवेदक–विश्वेश्वर खलखो, पिता–भजन खलखो 3. ग्राम–करमटोली, , पोस्ट–मोराबादी, थाना–लालपुर, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
89.	1. आवेदन क्र0–2235/24 2. आवेदक–भजन खलखो, पिता–भिखारी खलखो 3. ग्राम–करमटोली, , पोस्ट–मोराबादी, थाना–लालपुर, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
90.	1. आवेदन क्र0–4018/24 2. आवेदक–लखन साव, पिता–हरिदयाल साव 3. ग्राम–चुरचु, पोस्ट–कन्डाबेर (चुरचु), थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड–बड़कागाँव 4. लिंग–पुरूष, आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–अकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
91.	1. आवेदन क्र0–4019/24 2. आवेदक–शांती मसोमात पति–रामेश्वर साव 3. ग्राम–बेलतु, पोस्ट–कन्डाबेर, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–महिला, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
92.	1. आवेदन क्र0–653/24 2. आवेदक–रामपदारथ साहु पिता–गेंदो साहु 3. ग्राम–गोविन्दपुर, पोस्ट–धनगड्डा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
93.	1. आवेदन क्र0–654/24 2. आवेदक–बिनय सिंह पिता–मोसाहेब सिंह 3. ग्राम–रोल, पोस्ट–धनगड्डा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
94.	1. आवेदन क्र0–655/24 2. आवेदक–लालु साव पिता–बुधन साव 3. ग्राम–मिश्रोल, पोस्ट–खदैया, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
95.	1. आवेदन क्र0–656/24 2. आवेदक–हेमन्ती देवी पति–जयप्रकाश साव 3. ग्राम–रक्सी, पोस्ट–धनगड्डा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–महिला, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
96.	1. आवेदन क्र0–657/24 2. आवेदक–जीवन राम पिता–खीरू राम 3. ग्राम–रक्सी, पोस्ट–धनगड्डा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
97.	1. आवेदन क्र0–658/24 2. आवेदक–जगदेव राय पिता–मिठू राम 3. ग्राम–रक्सी, पोस्ट–धनगड्डा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
98.	1. आवेदन क्र0–659/24 2. आवेदक–शंकर साव पिता–बेचू साव 3. ग्राम–रमटुण्डा, पोस्ट–जाँघी, थाना–चतरा, प्रखण्ड–चतरा 4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
99.	1. आवेदन क्र0–660/24 2. आवेदक–जगदीश साहु पिता–गिरिधारी साहु 3. ग्राम–गोविन्दपुर, पोस्ट–धनगड्डा, थाना–चतरा, प्रखण्ड–चतरा 4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
100.	1. आवेदन क्र0–661/24 2. आवेदक–छोटेलाल साव पिता–गणेश साव 3. ग्राम–धनगड्डा, पोस्ट–धनगड्डा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
101.	1. आवेदन क्र0–662/24 2. आवेदक–अर्जुन साहु पिता–स्व0 भवानी साहु 3. ग्राम–आराआतु, पोस्ट–लावालौंग, थाना–लावालौंग, प्रखण्ड–लावालौंग 4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
102.	1. आवेदन क्र0–663/24 2. आवेदक–प्रितम साव, पिता–रामजीत साव 3. ग्राम–जिरवाखुर्द जबरा, पोस्ट–जबरा, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
103.	1. आवेदन क्र0–664/24 2. आवेदक–हिरा साव, पिता–कुढ़न साव 3. ग्राम–रक्सी, पोस्ट–धन गड़ा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
104.	1. आवेदन क्र0–665/24 2. आवेदक–लखन साव, पिता–तेजन साव 3. ग्राम–धनगड़ा, पोस्ट–धनगड़ा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
105.	1. आवेदन क्र0–666/24 2. आवेदक–मुखलाल साव, पिता–करम साव 3. ग्राम–कोयद, पोस्ट–सराधू, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
106.	1. आवेदन क्र0–667/24 2. आवेदक–हिरामन साव, पिता–बालदेव साव 3. ग्राम–तेसर चापा, पोस्ट–धनगड़ा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
107.	1. आवेदन क्र0–668/24 2. आवेदक–होरिल साहु, पिता–गोवर्धन साव 3. ग्राम–गंगापुर, पोस्ट–गंगापुर, थाना–गिद्दोर, प्रखण्ड–गिद्दोर 4. लिंग–पुरूष, आयु–71 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
108.	1. आवेदन क्र0–669/24 2. आवेदक–महेन्द्र साव, पिता–गुरूदयाल साव 3. ग्राम–रक्सी, पोस्ट–धनगड़ा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
109.	1. आवेदन क्र0–670/24 2. आवेदक–अखिलेष कुमार सिंह, पिता–मैनेजर सिंह 3. ग्राम–बुकरू, पोस्ट–धनगड़ा, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
110.	1. आवेदन क्र0–671/24 2. आवेदक–प्रिया देवी, पति–झमन प्रसाद साहु 3. ग्राम–सेरन दाग, पोस्ट–खधैया, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–महिला, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
111.	1. आवेदन क्र0–672/24 2. आवेदक–किषोर कुमार शाहा, पिता–स्व0 होरिल साहु 3. ग्राम–सडमा, पोस्ट–सिमरिया, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
112.	1. आवेदन क्र0–4020/24 2. आवेदक–चन्द्रिका साव, पिता–केवल साव 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
113.	1. आवेदन क्र0–673/24 2. आवेदक–सबिता देवी, पति–षंकर साव 3. ग्राम–बरेनी, पोस्ट–चतरा, थाना–चतरा, प्रखण्ड–चतरा 4. लिंग–महिला, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
114.	1. आवेदन क्र0–674/24 2. आवेदक–राजेन्द्र साहु, पिता–राम अवतार साहु 3. ग्राम–सतौर, पोस्ट–कमता, थाना–चतरा, प्रखण्ड–चतरा 4. लिंग–पुरूष, आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
115.	1. आवेदन क्र0–675/24 2. आवेदक–गुटू गंझू, पिता–लेदवा गंझू 3. ग्राम–कसारी, पोस्ट–जबड़ा, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
116.	1. आवेदन क्र0–676/24 2. आवेदक–सरिता देवी, पति–अर्जुन साव 3. ग्राम–आराआतु, पोस्ट–आराआतु, थाना–लाबालौंग, प्रखण्ड–लाबालौंग 4. लिंग–महिला, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
117.	1. आवेदन क्र0–677/24 2. आवेदक–सरिता देवी, पति–लालु साव 3. ग्राम–मिश्रोल, पोस्ट–खधैया, थाना–टण्डवा, प्रखण्ड–टण्डवा 4. लिंग–महिला, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
118.	1. आवेदन क्र0–678/24 2. आवेदक–रमेश कुमार, पिता–हिरा साव 3. ग्राम–सत्तु गल्ली, पोस्ट–चतरा, थाना–चतरा, प्रखण्ड–चतरा 4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
119.	1. आवेदन क्र0–679/24 2. आवेदक–राज तिलक साहू, पिता–हिरामन साव 3. ग्राम–बानासाड़ी, पोस्ट–सिमरिया, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
120.	1. आवेदन क्र0–4021/24 2. आवेदक–किनू साव, पिता–जगरनाथ साव 3. ग्राम–चुरचु, पोस्ट–कण्डाबेर, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–किरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
121.	1. आवेदन क्र0–680/24 2. आवेदक–बेनी महतो, पिता–स्व0 शोभी महतो 3. ग्राम–पुण्डरा, पोस्ट–एदला, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–सिमरिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–73 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
122.	1. आवेदन क्र0–4022/24 2. आवेदक–वितल साव, पिता–चुलहन साव 3. ग्राम–यलगा, पोस्ट–सलगा, थाना–सिमरिया, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)

नोट :–1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

PR 341288 Home(24-25).D

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य
(नरसिंह मुर्मू) सदस्य
(दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

बड़कीटांड़ में 10 जनवरी को नीलांबर-पीतांबर जयंती समारोह पूर्वक मनायी जायेगी

खलारी (आजाद सिपाही)। नीलांबर पीतांबर जन कल्याण समिति की बैठक गुरुवार को बड़कीटांड में हुई। जिसकी अध्यक्षता बिगन सिंह भोगता ने किया। बैठक में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दस जनवरी को विश्रामपुर बड़कीटांड में वीर शहीद नीलांबर पीतांबर की जयंती समारोहपूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया। जयंती समारोह की तैयारी को लेकर रूपरेखा तैयार किया गया। जयंती समारोह को लेकर गांव-गांव में प्रचार प्रसार करने सहित कार्यक्रम को सफल बनाने में सबकी सहभागिता सुनिश्चित करने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही बीच बीच में कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की जायेगी। बैठक में विश्वनाथ गंझू, रामलखन गंझू, अमृत भोगता, बुल्ला गंझू, शिवदयाल गंझू, भोला गंझू, प्रभाकर गंझू, सोहराय गंझू, मनोज गंझू, रामधारी गंझू सहित कई लोग मौजूद थे।

सशिविम डकरा की छात्राओं ने प्रांतस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

खलारी (आजाद सिपाही)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा की शिशु वर्ग की छात्राओं का देवघर जिले के मधुपुर में आयोजित हुए 35वां प्रांत स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। विद्यालय की टीम ने प्रतियोगिता में पूरे प्रांत में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। गुरूवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा के द्वारा टीम में शामिल सभी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही प्रधानाचार्य ने टीम के सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना भी किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं में करुणा कुमारी, रिम्शा कुमारी, कनक कुमारी, सुनीता कुमारी, अंकिता कुमारी, एंजेल कुमारी, नीलम कुमारी, परमिना कुमारी, पूर्वी कुमारी शामिल है।

एसीसी उच्च विद्यालय खलारी में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2024-25 प्रतियोगियों के पारितोषिक का वितरण

खलारी (आजाद सिपाही)। एसीसी उच्च विद्यालय खलारी में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2024-25 के सफल प्रतियोगियों के मध्य पारितोषिक वितरण किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम मुख्य अतिथि भरत रजक और मिथिलेश प्रजापति सहित विद्यालय के प्रशासक जामवंत सिंह, और प्रधानाध्यापक एसएन तिवारी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत की गयी। मुख्य अतिथि भरत रजक और मिथिलेश प्रजापति के द्वारां सफल विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पारितोषिक प्राप्त करने में पांच वर्ग के सुप्रिया कुमारी प्रथम, प्रियांशु गुप्ता द्वितीय, प्रिंस कुमार तृतीय, छह वर्ग के सोनू गुप्ता प्रथम, श्रेया कुमारी द्वितीय, अंकिता कुमारी तृतीय, 7 वर्ग के अर्चना कुमारी और रिया कुमारी प्रथम, मुस्कान कुमारी द्वितीय, रोहित कुमार तृतीय, आठ वर्ग के शुभम यादव प्रथम, आदित्य चैहान द्वितीय, यशु लोहरा तृतीय, वर्ग नौ के आदित्य पासवान और नैतिक केसरी प्रथम, शुभम वर्मा द्वितीय, तानिया कशिश तृतीय, वर्ग 10 के सतीश चैहान प्रथम, नैंसी कुमारी द्वितीय, अनम एल्बिया तृतीय, वर्ग 11वीं की चंदा कुमारी प्रथम, वर्ग 12वीं की नेहा कुमारी प्रथम, शाजिया परवीन द्वितीय एवं किरण कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही एक्टिव शिक्षकों के अंतर्गत समर सेन, ममता झा, राजेश सिंह, अजय सिंह, प्रकाश चैधरी, शर्मिला पात्रा को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में प्रशासक महोदय एवं प्रधानाध्यापक महोदय द्वारा बच्चों को शुभकामनाएं दी गयी।

ग्रामीणों की बैठक में अड़की पूर्वी भाग में जनसुविधाओं को दुरुस्त करने की मांग

खूंटी (आजाद सिपाही)। मुरहू प्रखंड की केवड़ा पंचायत के मुरूद गांव में गुरुवार को वुद्धिजीवियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की हुई बैठक में सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के संबंध में विचार विमर्श किया गया। बैठक में केवड़ा, इंदिपीड़ि, हेठगोवा और कुदा पंचायत के वुद्धिजीवियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में खूंटी विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के राम सूर्या मुंडा की अप्रत्याशित जीत पर हर्ष व्यक्त किया गया। प्रतिनिधियों ने कहा कि मुरहू का पूर्वी क्षेत्र जनसुविधाओं से वंचित है। यहां की संड़कें काफी खराब है। मुरहू-सरवादा, गोड़ाटोली-डोंडाडीह-बुरजू बाजार, हेठगोवा-बुरजू, नील फैक्ट्री-हेठगोवा-गुटीगड़ा-मुरूद, नील फैक्ट्री-बुड़जू-सायोको, इटी-बुरुहातु-कारुडीह आदि सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गये हैं। जिसे यथाशीघ्र बनाने की मांग की गयी। क्षेत्र में बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी सेवाओं की स्थिति भी ठीक नहीं है। इन्हें दुरुस रने की जरूररत है। बैठक में बाजीनाथ पाहन, अंथोनी ओड़ेया, जोहन हस्सा पूर्ति, बिरसा मुंडा, मंगा ओड़ेया, तोपल हस्सापूर्ति, टुटी ओड़ेया, लुसिया जोजो, चमनी हस्सापूर्ति, सरानी टुटी, सनिका बोदरा, सिनु मुंडू, मदिराय मुंडू, सिलास हस्सापूर्ति, सोमा मुंडा, गंदुरा हस्सापूर्ति, रड़ंसी कंडीर, अचु मुंडू, पंडा मुंडा आदि मौजूद थे।

खूंटी में फंदे से झूल कर युवक ने की खुदकुशी

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी थानांतर्गत एरेंडा गांव निवासी एतवा लोहरा के 35 वर्षीय पुत्र किशोर लोहरा ने बुधवार देर शाम अपने घर में ही गमछा से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार राजमिस्त्री का काम करने वाले किशोर लोहरा ने जिस समय इस घटना को अंजाम दिया, उस समय घर में कोई सदस्य मौजूद नहीं था। बाद में स्वजन जब घर आए, तो फंदे से झूलते किशोर को देखकर सन्न रह गये। आनन-फानन में तुरंत उसे फंदे से उतारा गया और इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम करा कर उसे स्वजनों को सौंप दिया गया।

पीएलएफआइ नक्सली गोविंद मांझी 8वीं बार पुलिस के हत्थे चढ़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआइ का कुख्यात नक्सली गोविंद मांझी आठवीं बार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गांविंद मांझी उर्फ राजन दा रांची, खूंटी, चाईबासा, सिमडेगा सहित कई जिलों में व्यापारियों और ठेकेदारों से पीएलएफआइ के नाम पर लेवी वसूलने वाले गिरोह का सरगना है। पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। उसकी गिरफ़्तारी कर्रा थाना क्षेत्र के करमडीह जंगल से की गयी। वह तपकारा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। तोरपा कें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्तोफर केरकेट्टा ने गुरुवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गोविंद मांझी की गिरफ़्तारी से रांची, खूंटी, चाईबासा, सिमडेगा आदि जिलों में घटित कई मामलों का खुलासा हुआ है।

उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआइ संगठन के कुछ उग्रवादी कर्रा थाना क्षेत्र के करमडीह जंगल में जुटे हैं तथा किसी बढ़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के अलोक में एसपी ने एसडीपीओ क्रिस्तोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने करमडीह जंगल में छपामारी कर गोविंद मांझी ऊर्फ राजन दा को गिरफ़्तार कर लिया। उसके पास से एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन तथा पीएलएफआइ का पर्चा बरामद किया गया.

पूर्व में कई नक्सली घटनाओं में रहा है शामिल : गोविंद मांझी ऊर्फ राजन दा हत्या, लूट सहित उग्रवादी गतिविधि से संबंधित कई मामले में पूर्व से शामिल रहा है।. वह इसके पूर्व सात अलग-अलग कांड में जेल की हवा खा चुा है। तोरपा बांसटोली टोंगरी में हुए दोहरे हत्याकांड, डोड़मा तथा तपकारा बाजार में व्यापारियों से हुई लूट सहित आर्म्स एक्ट और उग्रवादी गतिविधि से संबंधित मामले में वह जेल जा चुका है। गोविंद मांझी को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा के अलावा पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार, रनिया थाना प्रभारी विकास जयसवाल, जरियागढ़ थाना प्रभारी राजू कुमार, सब इंस्पेक्टर दीपक कांत, निशा कुमारी, जुगेश सिंह, भारत भूषण पटेल शामिल थे।

भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि आज

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा चार नम्बर स्थित आम्बेडकर चौक मे शुक्रवार छह दिसम्बर को चार बजे से कोल इंडिया एससी/एसटी इम्पलाईज एसोसिएशन सिस्टा पिपरवार क्षेत्र के द्वारा संविधान निमार्ता एंव भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथी मनायी जायेगी। इसकी जानकारी देते हुए सिस्टा के पिपरवार क्षेत्रीय सचिव कामेश्वर राम ने बताया कि चार बजे से अंबेडकर चौक में कार्यक्रम की शुरुआत की जायेगी।

बालू लदा चार वाहन जब्त, केस दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातु। बुंडू एसडीओ किष्टो कुमार बेसरा ने बुधवार रात चार बालू लदा टर्बो को जब्त कर राहे पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार राहे अंचल से चार टर्बो जेएच 01एफ एन 1854, जेएच 02 एन 6472, जेएच 01सि वि 4882 ओर बिना नंबर के बालू लदा वाहन को जब्त किया गया है। इस संबध में एसडीएम बुंडू किष्टो कुमार बेसरा ने मीडिया को बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान राहे अंचल अंतर्गत राहे टाटीसिलवे सड़क पर अवैध बालू लदे चार वाहन को जब्त कर राहे थाना पुलिस को सौंपा गया है। सीओ राहे को करवाई करने के लिए निर्देश दिया गया है। हालांकि वाहन जब्त स्थल अनगड़ा क्षेत्र के अधीन था, इसलिए अनगड़ा थाना में मामला दर्ज किया गया है।

बुकबुका पंचायत मुखिया पारसनाथ उरांव ने मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को दी बधाई

खलारी (आजाद सिपाही)। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को हेमंत सरकार में मंत्री बनाये जाने एवं गुरूवार को मंत्री पद की शपथ लेने पर बुकबुका पंचायत मुखिया पारसनाथ उरांव ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है। उरांव ने कहा कि शिल्पी नेहा तिर्की ने हमेशा गरीबों, पिछड़ों, दलितों और वंचितों को हक दिलाने की लड़ाई लड़ी है और इस बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिल्पी नेहा को मंत्रिमंडल में शामिल कर उनके संघर्ष को पहचान दिया है। लगातार दो बार मांडर विधानसभा से विधायक रही शिल्पी नेहा तिर्की मंत्री पद पर रह कर अपने विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ झारखंड के विकास में अपनी अहम भुमिका निभायेंगी। मालुम हो कि मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने साल 2022 में मांडर सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस की टिकट पर जीत हासिल की थी। जिसके बाद एक बार फिर कांग्रेस पार्टी की टीकट पर उन्होने 2024 विधानसभा चुनाव में भी जीत हासिल की।

कोयला लोड हाइवा की चपेट में आने से मोटरसाइकल सवार दो युवक हुए घायल

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र के चिनाटांड़ गांव के पास कोयला लोड हाइवा की चपेट में आने से बाल बाल बचे दो युवक। मोटरसाइकल सहित खुद को गढ्ढे में गिराकर घायल तो हो गये, लेकिन कोयला लोड तेज रफ्तार हाइवा की सीधी चपेट में आने से बच गये। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार दोनों मोटर साइकिल सवार शुभम तुरी और बादल तुरी लाला धौडा साईं नगर खलारी से मैकलुस्कीगंज आ रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार कोयला लदे हाइवा के अचानक गलत दिशा में सामने आ जाने के कारण मोटर साइकिल समेत सड़क किनारे खेत में जा गिरा, जिसमें बादल तूरी गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं सुभम तुरी को हल्की चोटें आई है। घटना स्थल पर उपस्थित ग्रामीणों ने घटना की सूचना घायल युवकों के परिजनों को दी। परिजन आनन फानन में घटना स्थल पर पहुंचे और ईलाज के लिए डकरा हास्पीटल ले गये। प्राथमिक उपचार के बाद दुर्घटना में घायल युवकों को रांची रेफर कर दिया गया है। उधर घटना की सूचना मिलते ही मैकलुस्कीगंज थाना के एसआई दीपक कुमार साव घटना स्थल पर पहुंचे व दुर्घटना ग्रस्त मोटर साइकिल को थाना ले आये। इधर घटना के पश्चात हाइवा वहां से भाग खड़ा हुआ।

एमबी स्कूल बुंडू में दो दिवसीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता संपन्न

बुंडू (आजाद सिपाही)। पांचवी झारखंड ओपन दो दिवसीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता एमबी स्कूल बुंडू में गुरुवार को संपन्न हो गया। यह प्रतियोगिता एमबी ताइक्वांडो अकादमी और झारखंड यूनाइटेड ताइक्वांडो मार्शल आर्ट एसोसिएशन के बैनर तले दो दिवसिया ताइक्वांडो प्रतियोगिता में झारखंड राज्य के रांची, गिरिडीह, जमशेदपुर, लोहरदगा,रामगढ़,खूंटी जिला के अलावा पश्चिम बंगाल के झालदा से 400 ताइक्वांडो खिलाड़ी भाग लिए। प्रतियोगिता झारखंड यूनाइटेड ताइक्वांडो मार्शल आर्ट एसोसिएशन के सचिव सकील अंसारी और अध्यक्ष एमडी जमील अंसारी के देख-रेख में प्रतियोगिता पर 20 गोल्ड मेडल के साथ रांची जिला प्रथम स्थान में रहा। वहीं 10 गोल्ड मेडल के जमशेदपुर द्वितीय स्थान में रहा और 8 गोल्ड मेडल के साथ गिरिडीह तृतीय स्थान हासिल किया। और पांच गोल्ड मेडल के साथ झालदा चतुर्थ स्थान में रहा है। एमबी तायक्वोंडो अकादमी के निदेशक ने बताया कि स्कूल के बच्चों का प्रतियोगिता से खेल में भी रूझान बढ़ेगा। तायक्वोंडो एक ओलंपिक खेल है इस प्रतियोगिता सफल बनाने में मुख्य रूप जायदा कौशर एमडी इबरार कुरैशी, सुनील प्रसाद, रोहित दास, अनूप रजक, शिल्पी दास, एम डी सनाउल्लाह, शाहनवाज अंसारी, आदि ने सक्रिय योगदान दिया।

बुंडू के कॉलेज मोड़ से हुमटा पंचायत को जोड़नेवाली सड़क की हालत अत्यंत दयनीय

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू के कॉलेज मोड़ से हुमटा पंचायत को जोड़ने वाली सड़क की हालत बहुत ही दयनीय है। सड़क की मरम्मत नहीं होने से एक दर्जन गांव की दस हजार आबादी प्रभावित है। इस सड़क पर अक्सर दो पहिया वाहनों से सैकड़ो लोग प्रतिदिन आना-जाना करते हैं हुमटा पंचायत के कई गांवों के बच्चे प्रतिदिन इसी सड़क से बुंडू स्कूल कॉलेज आते जाते हैं। इस सड़क की लंबाई लगभग 3.5 किलोमीटर है, लेकिन दोपहिया वाहनों से इस दूरी को तय करने में लगभग 45 मिनट से अधिक समय लगता है। इसके बावजूद हर पल दुर्घटना की आशंका बनी रहती है हुमटा बारुहातू मधुकामा जड़ेया गितिलडीह आदि गांव से दर्जनों अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने और फिर छुट्टी होने पर उन्हें लेने बुंडू आते जाते हैं। कई बच्चे साइकिल से स्कूल कॉलेज प्रतिदिन आना-जाना करते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ खूंटी में निकाली गयी विशाल आक्रोश रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में खूंटी के विभिन्न हिंदू संगठनों और धार्मिक संगठनों ने गुरुवार को विशाल आक्रोश रैली निकाली और बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं और वहां के हिंदू धार्मिक स्थलों की रक्षा करने की मांग की। सनातन समाज के नेतृत्व में निकाली गयी रैली पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे गायत्री नगर से शुरू होकर मिश्रा टोली, नेताजी चौक, भगत सिंह चौक, बाजार टांड़ कचहरी होते हुए समाहरणालय पहुंची, जहां कुछ देर तक प्रदर्शन करने के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा गया। रैली में खूंटी के पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा सहित लगभग 10000 लोग शामिल थे। समाहरणालय के पास पहुंच कर रैली सभा में तब्दील हो गयी। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश के कट्टरपंथियों का समर्थन कर वहां की सरकार मानवता का हनन कर रही है। कार्यक्रम को निखिल कंडुलना सहित कई वक्ताऔ ने संबोधित किया। रैली में विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष विनोद जयसवाल, क्रेद्रीय रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष ज्योतिष भगत, महामंत्री जितेंद्र कश्यप, काशीनाथ महतो, मुकेश जयसवाल, संतोष जयसवाल, धर्मेंद्र कुमार, एमपी सिंह, अनूप साहू, संजय साहू, जय भला, शशि कुमार पांडेय, मदन मोहन गुप्ता, बालमुकुंद कश्यप, जगंनाथ मुंडा, मनोज कुमार, मदन मोहन मिश्रा, लव चौधरीए कृष्णानंद तिवारी, संजीव चौरसिया, निखिल कंडुलना सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे। बांगलादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध मे आहूत रैली में शाामिल होने के लिए व्यवसायी अपने प्रतिष्ठानों को बंद कर रैली में शामिल हुए।

दुकानदारों ने बंद रखी दुकानें : बांग्लदेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में तपकारा सैकड़ों व्यवसायियों ने अपनी दुकनों को बंद रहा और बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोगो ने रैली में भाग लिया। रैली में तोरपा, कर्रा, गोविंदपुर, तपकारा, रनिया सहित अन्य जगहों के लोग बड़ी संख्या में शालि हुए।

उपायुक्त ने की बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा

खूंटी (आजाद सिपाही)। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ) 2024 के क्रियान्वयन और निगरानी के लिए जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय खूंटी के कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक का उद्देश्य किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ प्रदान करना और इसके कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाना था। बैठक में उपायुक्त ने फसल बीमा के लिए प्राप्त आवेदनों के दस्तावेजों की जांच के लिए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर टीम का गठन कर दस्तावेजों की जांच का निर्देश दिया, ताकि योग्य किसानों को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाया जा सके। बैठक में अपर समाहर्ता, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, लैम्प्स के प्रतिनिधि, बीमा कंपनी के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

किसानों की आय में वृद्धि और कृषि व्यवसाय को सशक्त बनाना महत्वपूर्ण : उपायुक्त

खूंटी (आजाद सिपाही)। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने गुरुवार को किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से संबंधित जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक में एफपीओ के कार्यों की समीक्षा की। उपायक्त ने कहा कि एफपीओ के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि और कृषि व्यवसाय को सशक्त बनाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने एफपीओ के लिए ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। साथ हीं सभी अहर्ता पूर्ण करने वाले समूहों का चयन करते हुए अग्रतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने एफपीओ को मजबूती और प्रोत्साहन प्रदान करने, गुणवत्तायुक्त उत्पादन, बेहतर विपणन और औद्योगिकी तक पहुंच बनाने के विषय पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी समेत अन्य विभाग के अधिकारियों के अलावा एफपीओ और समूहों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

परिवहन पदाधिकारी और अन्य अधिकारियों ने किया खूंटी-अड़की रोड का निरीक्षण

खूंटी (आजाद सिपाही)। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी, सहायक अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग, रांची और जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने गुरुवार को खूंटी-अड़की सड़क का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। इस क्रम में सपारोम मोड़, सायको थाना, सायको बाजार, जरांगा, हेमरोम चौक, हेमरोम बाजार, सेरेंगहातू मोड़, अड़की थाना के समीप और अन्य कई स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जहां सड़क घुमावदार हैं, वहां साइनेज लगाने का निर्देश दिया गया। इस मार्ग में कई स्थानों पर क्रॉस बैरियर, रंबल स्ट्रिप, साइनेज, कैट्स आई डेलीनेटर लगाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा सभी संवेदनशील स्थानों पर रोड मार्किंग कराने का निर्देश दिया गया। कई स्थानों को नो ओवरटेक जोन के तौर पर चिह्नित कर बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता प्रकाश डुंगडुंग, कनीय अभियंता राम कृष्ण, रोड इंजीनियरिंग एनालिस्ट संदीप हेमरोम और अन्य तकनीकी सदस्य मौजूद थे।

सिधाबगान टोला में सोलर पेयजल टंकी में बोरिंग नहीं, ग्रामीण पानी के लिए परेशान

मुरी (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड के गोडाडीह पंचायत के सिधाबगान टोला में नेहरू महतो के घर के सामने पेय जल टंकी में बोरिंग नहीं होने से पेय जल की समस्या काफी दिनों से बनी है। उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सिधा बगान का चापाकल के पानी को ही पुरा टोला के लोग पीते हैं। अगर चापाकल किसी कारण से खराब हुआ तो ग्रामीण को गडडा में जमे पानी (डाड़ी)के पानी को मजबुर हों जाते हैं। सरकार के तरफ से सोलर आधारित पेय जल टंकी सिधाबगान टोला के दो जगहों के लिए आया था। जिसमें सिधाबगान कुम्हार टोला में सोलर आधारित पेय जल टंकी में बोरिंग के साथ पुरा किया गया। वहीं सिधाबगान नेहरू महतो के घर के साथ में बोरिंग ही नहीं किया गया जो अधुरा ही साल भर से पड़ा हुआ है। ग्रामीण का कहना है कि केवल लोहे के चैनल पर सोलर प्लेट फीट कर दिया और टंकी रख कर चला गया। बोरिंग भी नहीं किया। केवल एक बार बीच में अधुरी टंकी के सामने फोटो कर चला गया। इस तरह गांव के लोगों को बेवकुफ बना कर फरार हो गया। इसकी शिकायत गांव केनेहरू महतो, लोबिन महतो, मंजु देवी, जयंती देवी, गुरूचरण महतो, गीता देवी को भी है। चुनाव के समय आये प्रत्याशी देवेंद्र महतो को इस समस्या से अवगत कराया गया भी था। आज सिधाबगान में मुख्य समस्या पेय जल ही बनता जा रहा है।

पिपरवार के बहेरा गांव में विस्थापित प्रभावित ग्रामीणों की बैठक कल

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बहेरा पंचायत सचिवालय मे शनिवार सात दिसंबर को सुबह 11 बजे से क्षेत्र के रैयत विस्थापित प्रभावित ग्रामीणो की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गयी है। इस बैठक मे रोजगार सहित क्षेत्र के कई ज्वलंत समस्या पर चर्चा की जायेगी। इसकी जानकारी देते हुए कांग्रेस पार्टी के चतरा जिला उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के पिपरवार क्षेत्रीय अध्यक्ष कासिम उर्फ मुन्ना ने बताया कि बैठक मे बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्या पर विचार विमर्श किया जायेगा। क्षेत्र में संचालित निजी कंपनियों में स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार देने को लेकर चर्चा की जायेगी। उन्होंने इस बैठक में क्षेत्र के सभी पंचायत प्रतिनिधि, राजनैतिक दल सहित सभी समाजिक संगठनो के प्रतिनिधि व प्रबद्ध लोगो से उपस्थित होने की अपील की है।

ट्रेलर ने खड़ी ट्रक को मारी टक्कर चालक और खलासी की मौत

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड थाना क्षेत्र के रांची टाटा पथ पर टिकर मोड़ के पास एक ट्रेलर ने खड़ी ट्रक को मारी जोरदार टक्कर। जिससे ट्रेलर के चालक और खलासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। दोनों राजस्थान के बताये जाते हैं पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा है।

कांके में आपत्ति करने के बावजूद 44 डिसमिल जमीन का कर दिया गया दाखिल खारिज

भूमि सुधार उप समाहर्ता ने कांके सीओ से स्पष्ट जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। अंचल कार्यालय की ओर से गढ़ हुसिर, होचर निवासी गुलजार अंसारी द्वारा बार-बार आपत्ति किए जाने के बावजूद उनकी पुश्तैनी 44 डिसमिल जमीन का दाखिल खारिज कर दिया गया। जिसे लेकर पीड़ित गुलजार अंसारी ने रांची सदर के भूमि सुधार उप समाहर्त्ता में इस दाखिल खारिज के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इसे लेकर उप समाहर्ता भूमि सुधार सदर ने 29 नवंबर को पत्राचार के जरि कांके सीओ को दाखिल खारिज वाद संख्या 2798 आर 27/2024-25 (25 सितंबर) को पारित आदेश के विरुद्ध भूमि का भौतिक निरीक्षण कर दखल कब्जा भूमि की प्रकृति से संबंधित स्पष्ट जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा है। इस संबंध में पीड़ित गुलजार अंसारी ने बताया कि उनकी 44 डिसमिल पुश्तैनी जमीन है। खतियान में शेख कारी के नाम से कायमी दर्ज है। शेख कारी की मौत के बाद उनके चार पुत्र शेख अब्दुल, शेख रहीम, शेख हनीफ और शेख करीम ने इस जमीन के दखलकर हुए। इन चारों लोगों ने आपसी समझौता के तहत 12 अप्रैल 1954 को अपने-अपने हिस्से की जमीन लिखित रूप से आपस में बांट ली। जिसमें चारों भाइयों के हिस्से इस खाते और प्लाट की जमीन 11 डिसमल आई। इसके बाद शेख करीम के

पुत्र जो असम में रहते हैं। कमालुद्दीन अंसारी ने अकेले ही 44 डिसमिल भूमि गैरकानूनी तरीके से कांके के होचर निवासी शिवराज साहू पिता स्वर्गीय छुन्नू साहू को बेच दी। जिसे लेकर मैं हर जगह आपत्ति दर्ज कराई। शिवराज साहू का इस जमीन पर कभी भी दखल कब्जा नहीं रहा। शिवराज साहू ने कांके अंचल में दाखिल खारिज के लिए केस संख्या- 6500 आर 27/ 2023 -24 के लिए आवेदन दिया था। जिस उनके आपत्ति किए जाने के बाद 15 दिसंबर 2023 को अस्वीकृत कर दिया गया। इसी बीच शिवराज साहू ने 15 जून 2024 को रजिस्ट्री पट्टा संख्या- 5140/ 4924 द्वारा मो आफताब आलम को जमीन बेच दी। आफताब आलम ने कांके अंचल में दाखिल खारिज संख्या- 2798 आर27/ 2024-25 के तहत दाखिल खारिज के लिए आवेदन दिया। जिसे लेकर उन्होंने दो जुलाई और 25 अगस्त 2024 को अपनी जमीन व दखल कब्जा बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई। इसके बावजूद अंचल कार्यालय ने 25 सितंबर 2024 को दाखिल खारिज कर दी और नामांतरण शुद्धि पत्र भी जारी कर दिया। गुलजार अंसारी ने बताया कि शिवराज साहू की जमीन पर कभी भी दखल कब्जा नहीं था। ना ही हाल खरीददार मो आफताब आलम की जमीन पर दखल कब्जा है। शिवराज साहू का जमीन का दाखिल खारिज भी नहीं हुआ था। लगान रसीद भी निर्गत नहीं है। फिर अंचल कार्यालय द्वारा मो आफताब आलम का दाखिल खारिज किया जाना अपने आप में संदेह उत्पन्न करता है। यह जांच का विषय है। जिसे लेकर उप समाहर्ता भूमि सुधार कार्यालय में जाकर आपत्ति दर्ज कराते हुए आवेदन दिया है। इसी मामले पर उपसमाहर्ता भूमि सुधार सदर रांची द्वारा कांके सीओ से जांच प्रतिवेदन मांगा गया है। इस संबंध में झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता रविंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति द्वारा दाखिल खारिज में आपत्ति के लिए बार-बार आवेदन दिए जाने के बावजूद दाखिल खारिज का निष्पादन अंचल कार्यालय को नहीं किया जाना चाहिए था। अगर दाखिल खारिज को लेकर एक पक्ष आपत्ति कर रहा था तो अंचल कार्यालय दोनों पक्षों को नोटिस देकर अंचल कार्यालय में बुलाकर केस की सुनवाई करते। इसके बाद ही दाखिल खारिज करते, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

एग्जिट प्लान मिटिंग सह फॉलोअप प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के अनु जनजातियों के सतत आजिविका के अवसर सृजित करने के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार परियोजना अंतर्गत केंद्रीय वित्त पोषित विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के आयोजक रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षणिक एवं शोध संस्थान, कृषि ग्रामीण एवं जनजातीय विकास संकाय, रामकृष्ण मिशन आश्रम मोराबादी रांची की ओर से कृषि प्रत्येक्षण फार्म गेतलसुद में नवागढ़ पंचायत के 100 किसानों का एक दिवसीय एग्जिट प्लान मिटिंग सह फॉलो अप प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें रांची आइसीएआर-आरसीइआर रिसर्च सेंटर के प्रिंसिपल वैज्ञानिक डॉ बालकृष्ण एवं रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी भवेशानन्द महराज विशेष रूप से उपस्थित थे। बतातें चलें कि नवागढ़ पंचायत के 100 आदिवासी परिवारों के सतत आजिविका सृजित करने के लिए क्षमता निर्माण, जैविक खेती, मशरूम खेती और मधुमक्खी पालन को लेकर तीन वर्षों तक लगातार कार्य किया गया है। जिसका अनुभव किसानों ने साझा किया। इसमें संतोष बेदिया ने जैविक खेती, दिपेन्द्र बेदिया ने मधुमक्खी पालन तथा लगनू बेदिया ने मशरूम खेती पर अपने विचार रखे। इनकी प्रगति की बातों को सुनकर डॉ बालकृष्ण ने कहा कि नवागढ़ पंचायत के ये पांच गांव देश के लिए जैविक खेती के क्षेत्र में रोल मॉडल की भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए उन्होंने एसटीआई हब से सहायता प्राप्त कर जैविक कृषि पर एक आदर्श स्थापित करने वाले किसानों को चेंज मेकर के रूप में कार्य करने की सलाह दी। साथ ही पूरे पंचायत के लोगों को प्रेरित करने को कहा। वहीं स्वामी भवेशानन्द जी महाराज ने कहा कि नवागढ़ पंचायत को आदिवासी आदर्श पंचायत के रूप में विकसित करने की दिशा में एसटीआई हब परियोजना का अहम योगदान रहा है। आने वाले समय में इस पंचायत को आदर्श पंचायत के साथ जैविक, योगिक एवं नैतिक पंचायत के रुप में भी जाना जायेगा। इसको लेकर धरातल पर कार्य शुरू कर दिया गया है। मौके पर जिप सदस्य राजेंद्र शाही मुण्डा, नवागढ़ मुखिया भुनेश्वर बेदिया, प्रिंसिपल आरकेएम भेरी, अभिजीत दत्ता, अजित उपाध्याय, संतोष कुमार, शुभांकर साहा, गम्भीर महतो, जगदीश भोगता, पहलू बेदिया, कैमरा बेदिया, रोहित शाही मुण्डा, सोनी कुमारी और नरेन्द्र नाथ बेदिया आदि मौजूद थे।

रो पावर लिफ्टिंग के विजेता पूनम मिश्रा को किया गया सम्मानित

पूनम ने अपने प्रदर्शन से राज्य व देश का नाम रोशन किया: मुंडा

नामकुम (आजाद सिपाही)। गोवा में आयोजित एशिया रो पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में झारखंड की पूनम मिश्रा ने 84 किलोग्राम वेट कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें पूनम ने अपनी अद्वितीय क्षमता, शक्ति और तकनीक का परिचय देते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस दौरान पूनम मिश्रा ने 84 किलोग्राम वेट कैटेगरी में तीन प्रमुख इवेंट्स बेंच प्रेस, डेडलिफ्ट और पावर लिफ्टिंग में हिस्सा लिया। हर इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अधिकतम अंक अर्जित किए और विजेता बनी। गोवा से विजयी होकर रांची लौटने पर पूनम मिश्रा के सम्मान में गुरुवार को फिटनेस फर्स्ट जिम नामकुम में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिम के संचालक सह कोच सुनील मुंडा ने पूनम को बुके देकर सम्मानित किया। उन्होंने पूनम की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सफलता न केवल शारीरिक शक्ति का परिणाम है, बल्कि यह मानसिक दृढ़ता और अनुशासन का भी प्रतीक है। पूनम ने अपने प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन किया है। इधर, इस सफलता से उत्साहित पूनम मिश्रा ने आजाद सिपाही से बातचीत में अपने अनुभव साझा किया। बताया कि वह मूल रूप से बिहार के गया जिले के शेरघाटी की रहने वाली है। शादी के बाद रांची के नामकुम में रहकर वेट लिफ्टिंग की तैयारी की। कहा कि यह मेरे लिए गर्व का पल है। मैंने इस प्रतियोगिता के लिए बहुत मेहनत की थी और आज उसका फल मिला। मैं अपने कोच, परिवार और दोस्तों का धन्यवाद करती हूं। जिन्होंने मुझे हमेशा प्रेरित किया और मेरा साथ दिया।

पूनम का सफर और भविष्य की योजनाएं

पूनम ने अपने सफर को चुनौतीपूर्ण लेकिन प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता उनके दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने वेट लिफ्टिंग को अपना जुनून बताया और कहा कि वह भविष्य में और भी बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर देश के लिए पदक जीतना चाहती है।

इटकी में चोरों ने 40 मीटर ऊंचा मोबाइल टावर ही किया चोरी

कंपनी का दावा- टावर में लगे थे 19 लाख रुपये से अधिक के उपकरण

- टावर दो साल से था बंद, जिसका चोरों ने उठाया लाभ

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। थाना क्षेत्र के मल्टी गांव स्थित गुलाम मुस्ताफा की भूमि पर जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी के लगे 40 मीटर उंचे मोबाईल टावर सहित लाखों रुपये के उपरकरण को चोरों ने चोरी कर लिया है। उक्त उपकरण की कीमत 19 लाख रुपये से अधिक की आंकी गई है। कंपनी के कार्यपालक अभियंता प्रकाश कुमार ने थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। जिसमें बताया गया है कि मल्टी गांव निवासी गुलाम मुस्ताफा की भूमि पर मकान परिसर के निकट

ऐग्रीमेंट के तहत वर्षों पहले जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कम्पनी की ओर से मोबाईल टावर लगाया गया था, जिसमें लाखों रुपये के उपकरण लगे थे। पिछले दो वर्षों से टावर बंद था। मौका देख चोरों ने 40 मीटर उची मोबाइल टावर में लगे लोहे के एंगल, शेल्टर (3 एमएक्स 2,5 एमएक्स 2, 7एम), बैटरी बैंक, डीजल जनरेटर (10 केबीए), एयर कंडीशनर, एसएमपीएस सहित 19 लाख 30 हजार 590 रुपये मूल्य के उपकरणों को चोरी कर लिया है। विगत 15 नवंबर को कंपनी की एक टीम जब टावर का निरीक्षण करने पहुंची तो उक्त स्थल से 40 फीट उची टावर पर लगे उपकरण गायब मिले। इसके बाद तीन दिसंबर को कंपनी की ओर से इटकी थाना में लिखित शिकायत की गयी, जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पहुंची और जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने कार्यपालक अभियंता प्रकाश कुमार ने बताया कि मोबाईल टावर करीब दो वर्षों से बंद था। कंपनी का जमीन मालिक से किए एग्रीमेंट का निर्धारित समय खत्म हो चुका था। जमीन मालिक गुलाम मुस्ताफा से टावर हटाने के लिए कंम्पनी कुछ समय मांगा था, लेकिन चोरों ने 40 मीटर ऊंची टावर सहित लाखों के उपरकरण को ही गायब कर दिया।

स्किपिंग रेस में दीया, वर्षा, रोशनी ने जीता स्वर्ण पदक

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। सिकिदिरी फुटबॉल मैदान में चल रहे जनकल्याण समर्पण संस्थान खेल महोत्सव 2024 के 12वें दिन 100 मीटर स्कीपिंग रेस सिनियर वर्ग में दीया थापा क्षेत्री स्वर्ण, आंचल कुमारी रजत और दीपिका ने कांस्य पदक जीता। वहीं, जूनियर में वर्षा कुमारी स्वर्ण, रिंकी कुमारी रजत, साक्षी कुमारी कांस्य, सब जूनियर रोशनी कुमारी स्वर्ण, रीना कुमारी रजत रिया कुमारी कांस्य पदक जीता। दूसरी ओर, वाटर पोलो बालक वर्ग में सूरज कुमार जायसवाल की टीम ने 4-1 से अंतर से जेकेएसएस की टीम को हराया। सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक, ट्रॉफी सर्टिफिकेट एवं नगद पुरस्कार देकर समाजसेवी चंद्र शेखर और रांची आजाद दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सह भाजपा नेता रमेश सिंह ने सम्मानित किया। उधर, गुरुवार को फूटबॉल में गंझू ब्रदर्ष न्यातू की टीम ने बिरसा ब्रदर्स को 2-0 से पराजित किया। मैच के 32वें मिनट में रवि नायक ने शानदार गोल किया और 45वें मिनट में प्रेम बेदिया ने गोल कर 2-0 की बढ़त दिला दी। मैन ऑफ द मैच का पुरुस्कार गंझू ब्रदर्श न्यातु की टीम के रवि नायक को दिया गया। विशिष्ठ अतिथि के रुप में एचडीएफसी बैंक के महाप्रबंधक महावीर सिंह, भाजपा रांची महानगर के उपाध्यक्ष विनय सिंह एवं विनय राज शामिल हुए। अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार एवं संचालन कोषाध्यक्ष रमण कुमार ने किया। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष कुंती देवी, खेल प्रभारी राष्ट्रीय तैराक अमन कुमार जायसवाल, राष्ट्रीय तैराक पिंकी कुमारी, महासचिव सत्यपाल राउत, गोविंदा कुमार, ब्रज किशोर प्रसाद, कमलेश पाहन, सरायकेला जिलाध्यक्ष कमलकांत साव, संदीप कुमार वर्मा, कृष्ण गोपाल भद्र पोप, ब्रजकिशोर प्रसाद, माघु करमाली, प्रदीप कुमार, निर्णायक मंडली के संजय राणा, टिकेश्वरी पांडेय, विजय रजवार, विवेक बेदिया, राजेश मुंडा, बबलू मुंडा, प्रदीप कुमार, अक्षय रजवार, उमाकांत शुक्ला रोहित कपटदार, राहुल कपटदार, संजय कुमार गुड्डू आदि मौजूद रहे।

शिल्पी नेहा तिर्की को मंत्री बनाये जाने पर लापुंग में हर्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। मांडर की कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को झारखंड सरकार में मंत्री बनाए जाने पर लापुंग प्रखंड के लोगों में हर्ष का माहौल है। लापुंग प्रखंड के महुगांव बाजार में ग्रामीणों ने गुरुवार को खुशी मनाया। वहीं, विधायक प्रतिनिधि सह समाजसेवी देवेंद्र वर्मा, कांग्रेस के युवा अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक, ककरिया पंचायत के पूर्व मुखिया सह घघारी बाबा धाम के संरक्षक गंगाधर साहू, समाजसेवी सह कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुमित कुमार ने नवनियुक्त मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को ढेरों शुभकामनाएं और बधाई दी है। समाजसेवी देवेंद्र वर्मा ने कहा कि विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के मंत्री बनने का लाभ लापुंग को भी मिलेगा और प्रदेश के साथ ही यहां का भी सर्वांगीण विकास होगा। वहीं दर्जनों विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शिल्पी नेहा तिर्की को बधाई दी और झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिल्पी नेहा तिर्की के मंत्री बनने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह, दी बधाई

बेड़ो (आजाद सिपाही)। लगातार दूसरी बार जीत दर्ज करने वाली मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को गुरुवार को हेमंत सोरेन मंत्रीमंडल में पहली बार मंत्री बनाया गया है। इस पर बेड़ो प्रखंड कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता परवेज आलम ने विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को मंत्री बनाए जाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उम्मीद बढ़ी है कि मांडर विस क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी। अब मांडर विकास के क्षेत्र में एक नया आयाम लिखेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विधायक रहते हुए शिल्पी तिर्की ने काफी कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाया है। अब मंत्री बनने से दोगुनी शक्ति के साथ क्षेत्र के विकास को गति प्रदान करेंगी। वहीं, बधाई देने वालों में नवल किशोर सिंह, करमा उरांव, मोददसिर हक, मो शमशाद, मो फहीम, मजकूर सिद्दीकी और शंभु बैठा आदि शामिल है।

भारथी कॉलेज के छात्र-छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मांडर (आजाद सिपाही)। झारखंड अधिविद्य परिषद् की ओर से आयोजित वार्षिक परीक्षा में डीएलएड सत्र 2022-24 के नतीजे घोषित हुए हैं, जिसमें भारथी प्रशिक्षण महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं का प्रदर्शन शानदार रहा। यह देख शैक्षणिक सचिव दीपाली पराशर ने कहा कि सफलता का प्रतिशत शत-प्रतिशत रहा। डीएलएड के विभागाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने सभी छात्र/छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सीआइपी के ओपीडी इमरजेंसी के मरीजों को मिलने लगी नि:शुल्क दवाएं

कांके (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (सीआइपी) के नए निदेशक डॉ विजय कुमार चौधरी के योगदान के बाद से संस्थान में नई व्यवस्थाएं प्रारंभ होने लगीं हैं। उनका विशेष जोर इलाजरत मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं और उनकी गुणवत्ता को बढ़ाने पर है। डॉक्टर विजय चौधरी ने बताया कि संस्थान के ओपीडी के इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के लिए पहली बार नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था आरंभ कर दी गई है। पहले मरीजों के परिजनों को खुद दवा खरीद कर लानी पड़ती थीं। डॉक्टर चौधरी ने कहा कि पर्याप्त मात्रा में दवाएं ओपीडी के इमरजेंसी के लिए उपलब्ध करा दी गई हैं। संस्थान में आने वाले गरीब मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास चल रहा है। इसके साथ ही खाने की गुणवत्ता की भी लगातार जांच की जा रही है। उन्होंने सप्ताह के सातों दिन दोनों समय अलग-अलग सब्जियां मरीजों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

नशा के खिलाफ डालसा ने सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान

रांची में ही नशे पर नियंत्रण कर लिया जाये, तो अपराध दर में 70 फीसदी तक आ सकती है कमी : अतुल गेरा

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झालसा के निर्देश और न्यायायुक्त सह अध्यक्ष के मार्गदर्शन में गुरुवार को सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसीएस अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा, लाईफ सेवर्स एनजीओ प्रमुख अतुल गेरा, एनसीबी राकेश कुमार गोस्वामी, सीआईडी नवीन राय, शैलेंद्र सिंह, एलरोमेन टेटे, एसआई रिजवान अंसारी, शैल अंबष्ठा एसिस्टेंट डायरेक्टर, ड्रग्स डिपार्टमेंट एवं सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल के प्रधानाध्यापिका, शिक्षक-शिक्षिकाएं, राजा वर्मा आदि उपस्थित थे। एलएडीसीएस अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 पर फोकस करते हुए कहा कि यह राज्य को निर्देशित करता है कि वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मादक पेय और नशीली दवाओं के सेवन को औषधीय उद्देश्यों को छोड़कर, समाप्त करने का प्रयास करेगा। अफीम या पोस्ता के उत्पादन या कब्जे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक के कठोर कारावास की सजा हो सकती है। बार-बार अपराध करने पर मृत्युदंड तक दिया जा सकता है। कांके के पुनर्वास केंद्रों के साथ ही एनजीओ भी नशा करने वालों को ठीक करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि सीआइपी और रिनपास में डालसा का लिगल एड क्लिनिक है, जहां डालसा से सहायता प्राप्त नशा करनेवाले व्यक्तियों का ईलाज किया जाता है। वहीं, लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा ने भी नशा उन्मूलन पर प्रकाश डाला। कहा कि जिनको ड्रग्स या दूसरे नशा का लत लग जाता है उसका शरीर धीरे-धीरे खोखला हो जाता है। बच्चे भारत के भविष्य हैं। इसलिए हर हाल में ड्रग्स से दूर रहना है और दूसरों को भी नशामुक्त करना है। एनसीबी के राकेश कुमार गोस्वामी ने बताया कि कैसे साधारण खांसी की सिरप जैसी दवाओं का नशे के लिए उपयोग किया जाता है। झारखंड न केवल नशीली दवाओं का उपभोग करता है, बल्कि भारी कार्रवाई के बावजूद इनका उत्पादन भी करता है। नशा करने से व्यक्ति और परिवार, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ लोगों के लिए नशे की यात्रा 16 वर्ष या इससे कम उम्र से ही शुरू हो जाती है। यदि रांची में नशे की समस्या पर नियंत्रण पाया जाए तो अपराध दर में लगभग 70 प्रतिशत की कमी आ सकती है। सीआइडी के नवीन राय ने कहा कि झारखंड में इस नशे की समस्या को रोकने के लिए एनसीबी की भूमिका महत्वपूर्ण है। अधिकांश तस्कर गिरोह संसाधनों की कमी के कारण पकड़े नहीं जाते। गृह मंत्रालय ने पिछले महीने मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित किसी भी संदेह की जानकारी देने के लिए जनता के लिए मानक हेल्पलाइन (टोल फ्री नंबर 1933) स्थापित की है। इस मौके पर सीआइडी के शैलेंद्र सिंह, एलरोमेन टेटे, एसआई रिजवान आदि ने भी बच्चों को नशा के खिलाफ जागरूक करते हुए नशीली पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

खेतों में रासायनिक खाद का कम से कम उपोय करें : बीडीओ

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड सभागार में कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग) के अंतर्गत विश्व मृदा दिवस पर किसानों को जागरूक करने के लिए मृदा स्वास्थ्य, मृदा मापन, मृदा संगहण, मृदा जांच एवं मृदा प्रबंधन विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रजेश की ओर से मृदा प्रबंधन और ड्रिप इरिगेशन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। बीडीओ दीपाली भगत ने उपस्थित सभी किसानों को मृदा जांच, ड्रिप इरिगेशन, जैविक खेती की महत्ता को बताते हुए किसानों को मृदा जांच कराने, रसायनिक खाद का कम प्रयोग करने और सरकारी योजना का लाभ लेकर ड्रिप इरिगेशन से खेती कर अधिक पैदावार करने की सलाह दी। वहीं, प्रखंड प्रमुख मदुवा कच्छप ने किसानों को धीरे-धीरे जैविक खेती की ओर बढ़ कर मृदा स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने की सलाह दी। जिप सदस्य पूनम देवी एवं उपप्रमुख अफसाना प्रवीण ने सभी किसानों को मिट्टी की जांच के बाद खेती करने की सलाह दी। वहीं, प्रखण्ड सलाहकार समिति के अध्यक्ष बजरंग महतो ने किसानों को ड्रिप इरिगेशन योजना का लाभ लेने की सलाह दी। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक की ओर से मिट्टी जांच और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के विषय में जानकारी देने के बाद उपस्थित किसानों के बीच एक प्रतियोगता का आयोजन रखा, जिसमें मृदा एवं खेती से संबधित सवाल पूछे गये। इसके बाद विजयी किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में पूर्व में मिट्टी नमूना जमा करने वाले सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन बजरंग महतो ने किया।

हुसैनाबाद मध्य विद्यालय की दो छात्राओं ने कबड्डी में जीता गोल्ड मेडल, सम्मानित

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। गढ़वा में शिक्षा विभाग की ओर से जिलास्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें हुसैनाबाद मध्य विद्यालय की वर्ग 8 की दो छात्राओं जुली कुमारी व एकता कुमारी ने पलामू जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीता है। विजेता छात्राओं ने कहा कि कड़ी मेहनत के दम पर ही वह जीत हासिल कर पाई हैं। अब स्टेट के लिए तैयारियां शुरू की जाएंगी, क्योंकि अगला लक्ष्य स्टेट लेवल पर गोल्ड जीतने का है। इसके लिए वे प्रतिदिन अभ्यास करेंगी और अपना बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहेंगी। वहीं, छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रिंसिपल कन्हैया प्रसाद, वरीय शिक्षक राजेश कुमार गुप्ता, जुबैर अंसारी, राजेश श्रीवास्तव, प्रमोद मेहता, आशा कुमारी, पुष्पा कुमारी आदि ने बधाई दी है। कहा कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा बढ़चढ़ कर खेलों में हिस्सा लेना चाहिए। उधर, विद्यालय परिवार की ओर से दोनों छात्राओं को सम्मानित किया गया।

अबुआ आवास में लाभुक से रिश्वत लेने वाले बीएफटी को बचाने में जुटे अधिकारी

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सेमरा पंचायत के बलहिया निवासी रुक्मणि देवी ने चैनपुर ब्लॉक के बीएफटी संजय रवि पर अबुआ आवास में पहली किस्त की राशि में 10 हजार रुपए रिश्वत लेने का आरोप लगाया हैं। साथ ही दूसरी किस्त की राशि आने पर उच्च अधिकारियों को देने के नाम पर लाभुक रुक्मणि देवी से दबाव बनाकर 10 हजार रुपये और मांगने का आरोप लगा हैं। उक्त मामला दैनिक अखबार में प्रकाशित होने पर डीडीसी ने संज्ञान लेते हुए जांच का निर्देश दिया। इसके बाद बीडीओ ने टीम गठित कर मामले की जांच की गई तो आरोप सत्य पाया गया। जिसकी जांच प्रतिवेदन प्रखंड के अधिकारियों को मिलने के बावजूद डीडीसी के निर्देशों को नजरअंदाज करते हुए सत्यापित मामले को अधिकारी ठंडे वस्ते में डाल कर बैठ गये हैं। जबकि मामले का उद्भेदन तीन दिन बीच जाने के बावजूद बीएफटी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। इस संदर्भ में चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि प्रखंड समन्वयक बीरबल कुमार आए थे। लेकिन उनकी ओर से किसी प्रकार का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

स्वनिधि योजना में तेजी लाना मुख्य उद्देश्य: तरनिस हंस

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत कार्यालय परिसर में विभागीय निर्देश पर पथ विक्रेताओं के कल्याण के लिए 'स्वनिधि भी स्वाभिमान भी' पखवाड़ा का आयोजन किया गया। नपं के कार्यपालक पदाधिकारी तरनिस हंस ने बताया कि 15 नवंबर से नौ दिसंबर तक चलने वाले पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति में तेजी लाना है। उन्होंने बताया कि पखवाड़े में पथ विक्रेताओं को आठ अन्य कल्याणकारी योजनाओं से आक्षणित किया जाएगा। जिसमें जनधन योजना, कंस्ट्रक्शन संबंधित योजना, बीमा संबंधित योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और स्वास्थ्य योजना आदि शामिल है। साथ ही उक्त पखवाड़े में सभी पथ विक्रेताओं की प्रोफाइलिंग करते हुए उनके एवं उनके परिवार के उन सदस्यों को उक्त योजनाओं से निःशुल्क लाभावित किया जाएगा। नगर मिशन प्रबंधक राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से पथ विक्रेताओं द्वारा सामना की जाने वाली वित्तीय असुरक्षाओं से निपटने के लिए एक कुशल साधन साबित हुआ है। इस मौके पर कंप्यूटर ऑपरेटर आदिल आलम, सामुदायिक संसाधन सेविका अनुराधा गुप्ता, सोनी कुमारी और रीता लता आदि शामिल थे।

शिक्षक की मनमानी से बच्चों को मेन्यू के आधार पर नहीं मिल रहा मिड-डे मील

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। अधिकारियों और शिक्षक की साठगांठ के चलते सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले मध्याह्न भोजन में जमकर धांधली हो रही है। बच्चों को मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है। शिक्षक मनमानी करते हुए गरीब बच्चों के पेट का निवाला छीन रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण चैनपुर प्रखंड के भड़गांवा पंचायत के टोला चमरदोहरी में देखने को मिला। यहां राजकीय प्राथमिक विद्यालय में मध्यान्ह भोजन में जमकर लापरवाही बरती जा रही है। यहां के प्रधानाध्यापक बच्चों को मेन्यू के अनुसार मध्याह्न भोजन नहीं दे रहे हैं। बतातें चलें कि चमरदोहरी राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 47 बच्चे अध्ययनरत हैं। प्रधानाध्यापक रामेश्वर पासवान मेन्यू चार्ट के हिसाब से यहां भोजन नहीं बनवा रहे हैं।

योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए टीम वर्क के साथ काम करना जरूरी : डीसी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू डीसी शशि रंजन ने गुरुवार को जिला समन्वय समिति की बैठक की। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में डीसी ने जिला समन्वय समिति की अध्यक्षता करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार पदाधिकारियों से विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत होते हुए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निर्देश दियो। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सिस्टम में एक-दूसरे के साथ बेहतर समन्वय के साथ ही कार्यों को संपादित करना चाहिये, ताकि तेज गति में कोई भी कार्य संपन्न हो जाये। उन्होंने योजनाओं को धरातल पर उतरने के लिए टीम वर्क को आवश्यक बताया। बैठक में डीसी ने सभी बीडीओ को पीएम आवास, अंबेडकर आवास व अबुआ आवास निर्माण के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी बीडीओ को बचे हुए आवासों को पूर्ण रूप से कराने की बात कही। इसी क्रम में उन्होंने तीनों एसडीओ को आवास निर्माण में लगनेवाले वाले मैटीरियल का आकलन कर सभी ब्लॉक से प्रतिवेदन समर्पित करने की बात कही। डीसी ने मनरेगा के तहत संचालित वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजन,बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना सहित अन्य योजनाओं के बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी कार्यों में तेजी लाने की बात कही। कहा कि चुनाव खत्म हो गये है।ऐसे में आप सभी लोग वर्क मोड में रहें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा स्वीकृत सभी योजनाओं को ससमय धरातल पर उतारना सभी पदाधिकारियों का कर्तव्य है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने छात्रवृत्ति, पोशाक, भू-अर्जन, आपूर्ति विभाग, केसीसी ऋण, पशुशेड निर्माण योजना आदि की भी समीक्षा की। बैठक में डीडीसी शब्बीर अहमद, नगर आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, छत्तरपुर व सदर मेदिनीनगर एसडीओ आदि थे।

विश्रामपुर में भाजपा की समीक्षात्मक बैठक में चुनाव में हार के कारणों पर चर्चा

भाजपा कार्यकर्ता कभी हारते नहीं जीतते या सीखते हैं: ईश्वर चंद्रवंशी

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित आरसीआइटी सभागार में गुरुवार को भाजपा की विधानसभा स्तरीय समीक्षात्मक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी और संचालन सुनील पासवान ने किया। इसमें विधानसभा चुनाव परिणाम और हार के कारणों को लेकर चर्चा की गयी। लगे हाथ हार की मायूसी से बाहर निकलकर संगठन को और मजबूत करने को लेकर मंथन भी हुआ। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता कभी हारते नहीं है। या तो जीतते हैं या सीखते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत तो लगी रहती है। चुनाव परिणाम हमारे अनुकूल क्यों नहीं रहा, कहां कमी रह गई इस पर मंथन करना है और अगली बार उन कमियों को दूर कर नए जोश के साथ लोगों के बीच जाना है। लोगों के बीच पार्टी के राष्ट्रवादी व विकासवादी सिद्धांत से जनता को अवगत कराते हुए मोदी सरकार की उपलब्धियों को बताना है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, एससी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता रवींद्र पासवान, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष सतीश पासवान, भाजयुमो जिलाध्यक्ष विपुल गुप्ता, गढ़वा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश केशरी, डॉ वीपी शुक्ला, सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, इदरीश हवारी, चंद्रप्रकाश धर दुबे, बबन राम, अमरेश तिवारी, सुशील ठाकुर, पवन गुप्ता, प्रेम सागर सिंह, शशि रंजन आदि मौजूद थे।

भाजपा की विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक में उपस्थित नेता-कार्यकर्तागण।

पलामू में खास महाल, दूसरा कोयल पुल व कोयल को बांधना हो प्राथमिकता : अरुणा

निवर्तमान महापौर अरुणा शंकर ने राधा कृष्ण किशोर को मंत्री बनने पर दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने झारखंड सरकार में पलामू प्रमंडल से राधा कृष्ण किशोर को मंत्री बनाये जाने पर बधाई दी है। कहा कि वे एक अनुभवी एवं पलामू के रहने वाले हैं। वे पलामू के दर्द को समझने वाले मंत्री हैं इसलिए जनता आपसे पलामू के विकास और प्रमंडल के मुख्यालय मेदिनीनगर के विकास की अपेक्षा करती है। प्रथम महापौर ने कहा कि हमारे यहां रघुवर दास मंत्रीमंडल द्वारा पारित एवं पलामू सांसद वीडी राम के प्रयास से मेरे कार्यकाल का निगम की बहुप्रतीक्षित शहरी जलापूर्ति योजना का कार्य शुरू हो गया है जिसे गति देने से एक वर्ष में निगम के अधिकांश जगह में स्वच्छ पानी मिल सकता है। वहीं, खास महल लीज नवीकरण, कोयल पर दूसरा पुल बनना एवं शहर के पानी के लेयर को बढ़ाने के लिए टाटा मांनगो के तर्ज पर कोयल को बांधना अति अनिवार्य है। मंत्री महोदय से मैं पलामू वासियों की ओर से पुनः बधाई देते हुए अनुरोध करूंगी कि उपरोक्त कार्य आपनी प्राथमिकता में रखी जाए।

सड़क हादसे में बसपा नेता के भतीजे की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। थाना क्षेत्र के ममरखा गांव स्थित एनएच 139 पर बुधवार की देर शाम सड़क हादसे में बसपा प्रखंड अध्यक्ष सूरजमल राम के भतीजे ओम कुमार की मौत हो गयी। जबकि बाइक पर सवार दो अन्य युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बाइक पर तीन युवक सवार होकर कौवाखोह से कटैया लौट रहे थें। तभी तेज गति से आ रही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के इंडिकेटर खंभा से जा टकरायी। इससे नंदकिशोर राम के 25 वर्षीय पुत्र ओम कुमार, बाइक पर बैठे रंजीत कुमार और अयोध्या राम बुरी तरह घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से सभी को सीएचसी लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद ओम कुमार और रंजीत कुमार की गंभीर हालत को देख चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। जबकि रंजीत कुमार का दाहिना पैर टूट गया है। मालूम हो की बाइक पर सवार तीसरा युवक अयोध्या राम का सिर फट गया है। जिसका गांव में ही इलाज चल रहा है। उधर, गंभीर हालत में ओम कुमार को बनासर बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। जबकि रंजीत कुमार का औरंगाबाद सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक का शव घर पर पहुंचते ही परिजनों में चीख पुकार मच गयी।

पीसी एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा

अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की लगातार जांच हो : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीसी शशि रंजन ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में पीसी एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिले में रजिस्टर्ड अल्ट्रासाउंड क्लिनिकों की जानकरी ली। उन्होंने पीसीपीएनडीटी टीमों को जिले में अवैध रूप से संचालित होने वाले अल्ट्रासाउंड केंद्रों की लगातार जांच करते रहने का निर्देश दिया। कहा कि अल्ट्रासाउंड क्लिनिक में जांच करवाने के लिए आनेवाली संबंधित महिला की पूरी जानकारी यथा उसका पता, फोन नंबर आदि रखने की बात कही। कहा कि अगर कोई भी अल्ट्रासाउंड क्लिनिक पीसीपीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लिंग परीक्षण करने वाले अल्ट्रा साउंड केंद्रों का सीधे तौर पर लाइसेंस रद्द करते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही। बैठक में डीसी के समक्ष रूद्र इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक सेंटर, दिव्या अल्ट्रासाउंड और बंशीधर अल्ट्रासाउंड केंद्र के पंजीयन के नवीनीकरण से संबंधित आवेदन को पेश किया गया, जिसपर डीसी ने सभी चेकलिस्ट के अनुसार जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने पर बल दिया। इसी तरह पूर्व से संचालित तृप्ति अल्ट्रासाउंड एवं प्रकाश चंद्र जैन सेवासदन अल्ट्रासाउंड की ओर से अल्ट्रासाउंड मशीन परिवर्तन करने से संबंधित आवेदन पर भी चर्चा हुई। निदान अल्ट्रासाउंड सेंटर लेस्लीगंज द्वारा दिए गये आवेदन में जिस डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति से संबंधित जानकारी दी गई थी, वो डॉक्टर पूर्व से ही दो क्लीनिक में कार्यरत थे। इसके आलोक में संबंधित आवेदन को निरस्त करने का निर्णय लिया गया।

कन्या भ्रूण हत्या रोकने को लेकर लोगों से अपील

कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए डीसी ने पलामू वासियों से अपील की है। कहा कि अगर किसी भी अल्ट्रासाउंड क्लीनिक में प्रसव से पहले लिंग परीक्षण किया जा रहा है या कन्या भ्रूण हत्या की जा रही है तो इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग या जिला प्रशासन को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। समीक्षा के दौरान डीसी ने पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत नये अल्ट्रासाउंड क्लिनिक के रजिस्ट्रेशन एवं रिन्यूअल के लिए चेक लिस्ट तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि निर्धारित समय अवधि में योग्य अहर्ता प्राप्त अल्ट्रासाउंड क्लीनिक का नया निबंधन एवं नवीनीकरण का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। बैठक में डीडीसी शब्बीर अहमद, नगर आयुक्त जावेद हुसैन, सदर व छत्तरपुर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार, डॉ नीलम, डॉ अभय कुमार, हेल्थ डीपीएम प्रदीप कुमार, सदस्य रंजीत कुमार मिश्र समेत अन्य उपस्थित रहे।

राधा कृष्ण किशोर को मंत्री बनाए जाने पर हर्ष

छतरपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। छतरपुर प्रखंड कांग्रेस ने विधायक राधा कृष्ण किशोर के मंत्री बनाए जाने पर खुशी व्यक्त की है। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। पार्टी अध्यक्ष गोपाल प्रसाद सिंह ने कहा कि विधायक राधा कृष्ण किशोर की काबिलियत और अनुभव को देखते हुए उन्हें मंत्री पद मिलना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि मंत्री बनने के बाद रादा कृष्ण किशोर जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। कार्यक्रम में मौजूद अन्य सदस्यों ने भी इस उपलब्धि के लिए मंत्री जी को बधाई दी। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। छतरपुर के लोगों में भी अपने विधायक के मंत्री बनने पर उत्साह का माहौल है। मौके पर विश्वनाथ चौधरी, अजय प्रजापति, नागेंद्र सिंह, रामाशीष प्रजापति आदि ने बधाई दी है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय , सिमडेगा

नीलामी–सूचना
(संशोधित आदेश)

अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय का ज्ञापांक–1136/हि0शा0, दिनांक–26.11.2024 द्वारा निर्गत नीलामी सूचना में आंशिक संशोधन किया जाता है, जो निम्न प्रकार है–

''पुराने वाहनों के नीलामी प्रकिया के दौरान सफल निविदाकारों को निविदा के उपरांत निर्धारित मूल्य का 25% राशि को उसी स्थान पर तुरंत ही जमा करना अनिवार्य होगा।''

PR 340384 (Simdega) 24–25

शेष आदेश पूर्ववत यथावत रहेगा।

पुलिस अधीक्षक–सह–अध्यक्ष,
निलामी समिति, सिमडेगा

PR 341270 Simdega(24-25)#D

पंचायत सचिव की लापरवाही से चार लाख का डीजी बर्बाद

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। पंचायत सचिव व मुखिया की लापरवाही से चार लाख रुपये का डीजी सेट बर्बाद हो गया। घोर लापरवाही का यह मामला विश्रामपुर प्रखंड के भंडार पंचायत में घटित हुई है। भंडार पंचायत सचिवालय को 2011-12 में राज्य सरकार की ओर से एक डीजी सेट दिया गया था। ताकि बिजली नहीं रहने पर भी आम लोगों का काम नहीं रुके। उस समय डीजी सेट की कीमत चार लाख रुपये थी। उस समय एनएच 75 सड़क किनारे स्थित पुराने पंचायत सचिवालय के भवन में उसे रखा गया था। इसके लिए एक अस्थाई सेड भी भवन के चहारदीवारी के अंदर बनवाया गया था। इसी बीच यहां टोना गांव रोड में नया पंचायत सचिवालय भवन का निर्माण हुआ। जिसके बाद पंचायत सचिवालय नए भवन में शिफ्ट हो गया। लेकिन उस डीजी सेट को पंचायत सचिव व मुखिया ने वहीं छोड़ दिया। वर्तमान में एनएच 75 फोर लेन सड़क बन रहा है, जिसका निर्माण कार्य चल भी रहा है। सड़क निर्माण कार्य के चलते पुराने पंचायत भवन का चहारदीवारी टूट गया। जिसके बाद वहां रखा डीजी सेट सड़क की भूमि में आ गया।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
CIN: U40108JH2013SGC001704
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, JH
Phone: 0651-2400804 Website: www.jusnl.in
Office of the General Manager Transmission Zone – IV, Medininagar (Daltonganj)
Address-Sudna, Daltonganj e-mail : gmtzdal@gmail.com

e-Tender Cancellation Notice

e-NIT No. 176/PR/JUSNL/2024-25 for the Repair & Maintenance, painting (inside and outside area), sanitary work & other misc. work of Staff Quarter (F – Type) at 132/33 kV, GSS, Daltonganj is hereby cancelled due to unavoidable reasons.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR No. 334859)

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV,
Medininagar

PR 341257 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।
कमरा नं० 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई–मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com
फोन नं० – 0651–3512781
पत्रांक................./ राँची, दिनांक ..../......../2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय के पत्रांक– 762 दिनांक 28.11.2024 द्वारा PR No– 340783 Minor Irrigation (24-25)#D से प्रकाशित निविदा कंजिया सोलर चलित उद्वव सिंचाई योजना का निर्माण कार्य, प्रखण्ड– माण्डर को अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक रदद् किया जाता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।

PR 341290 Minor Irrigation(24-25)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 05/JMT/2024-25

1. विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची
2. विज्ञापनदाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 18.12.2024 up to 4.00 अपराह्न
4. निविदा प्राप्त की अंतिम तिथि एवं समय : 19.12.2024 up to 1.00 अपराह्न
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 19.12.2024 up to 4.00 अपराह्न
6. परिमाण विपत्र प्राप्ति एवं खोलने का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया ।
7. कार्य की विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिणाम विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of 4 Nos. HYDT at (i) Block- Chandwara, Panchayat – Barkidhamari, Village – Majhgawan, (ii) Block- Jainagar, Panchayat – Beko, Village – Beko, (iii) Block- Satgawan, Panchayat – Kataiya Village – Kataiya, (iv) Block- Koderma, Panchayat – Jarga Village - Jarga	9,48,408.00	20,000.00	1250.00	45 Days

नियम एवं शर्ते सूचनापट एवं daa.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

जल ही जीवन है !स्वच्छता प्राण है !

(ई0 अनुज कुमार सिन्हा)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,झुमरीतिलैया

PR 341253 Drinking Water and Sanitation(24-25).D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. -02. RANCHI

NOTICE INVITING QUOTATION NO-12/2024-25

Sealed quotations are invited for the work

S. No.	Name of Work	Time of Completion
1	Installation, Testing & Commissi oning for CCTV Work at Section O ffice of Jharkhand High Court Ranchi.	Two Months
2	E/R to ACP Work at Outer Part of Project Building and Brass Letter work at CS office at First Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi.	One Month

by the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi sell of quotation paper will be on 19-12-2024 upto 1.00 pm, quotation paper received on dated-20-12-2024 at 3.00 p.m and will be opened on 20-12-2024 at 3.30 pm at B.C.D. Division No.-02, Ranchi by Executive Engineer or his authorized representative in the pr'esence of Quotationers or their authorized representative, whosoever desire may remain present at the time of opening. Cost of Bid for work of Sl. No. (1)- Rs. 10000.00 & Sl. No.-(2) Rs.-1250.00 in shape of Demand draft (non refundable) on any State Bank Payable at SBI Main Branch, Ranchi (Code-0167) /any Schedule Bank, Payable at Ranchi in favour of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi.

The quotation should be accompanied with (1) Initial security deposit which will be *2%* of the quoted amount in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit or N.S.C. (8th issue)/fixed deposits of a scheduled Bank duly pledged in favour of Executive Engineer, Building Division No.-02, Ranchi. (2) Updated Income Tax Return and GST Return (3) PAN Card (4) Similar nature of work experience.

In the case of Gazetted holiday the quotation will be received/opened on the next working day.

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No-02, Ranchi

PR 341262 Building(24-25).D

विधायक की शिकायत पर डीसी ने संज्ञान लेते हुए अधिकारियों के साथ की बैठक

जमीन माफिया हरकतों से बाज आयें, या परिणाम भुगतने को तैयार रहें: श्वेता सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह की पहल पर जमीन माफियाओं पर अंकुश लगाने के संदर्भ में बोकारो डीसी ने संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें चरमराई हुई व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। श्वेता सिंह ने कहा कि बोकारो विधानसभा क्षेत्र में पूर्व के 10 वर्षों में लगातार जमीन माफियाओं का

पत्रकारों से बातें करती विधायक श्वेता सिंह।

मनोबल आसमान छू रहा है। जमीन माफियाओं द्वारा जमीनों पर अवैध कब्जे की खबरें आम बात हो गई है। कहा कि एक तरफ मध्यमवर्गीय परिवार अपनी कमाई का एक हिस्सा काट कर परिवार के लिए सपनो का आशियाना बनाने की चाह रखता है और अपनी जमापूंजी से जमीन खरीदते हैं, लेकिन कुछ जमीन माफिया वैसे लोगों को चुन चुन कर अपना निशाना बनाते हैं और अपने रसूख के दम पर उनकी जमीन पर कब्जा कर लेते हैं। विशेष रूप से इस मामले में बोकारो क्षेत्र अंतर्गत बारी को-ऑपरेटिव इलाके की स्थिति बहुत ही दयनीय है। लंबे समय से इस क्षेत्र की जनता जिला प्रशासन और मुझे इन विषयों पर अवगत करवाती रही हैं, लेकिन अब मैं जमीन माफियाओं को चेतावनी हूं कि वे अपनी हरकतों से बाज आयें। अन्यथा जमीन माफियाओं को सजा दिलाने के लिए हर कदम उठाऊंगी। हमारी प्राथमिकता बोकारो विस क्षेत्र के परिवार की सुरक्षा और विकाश है जिसके लिए मैं पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हूं।

पिजन ब्रांड के ब्रांच मैनेजर श्यामल दास पर लगाया स्कीम चोरी करने का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। किचन अप्लायंसेज की कंपनी पिजन ब्रांड के झारखंड के ब्रांच मैनेजर श्यामल दास के खिलाफ धनबाद के दुकानदारों ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष मनोरंजन सिंह सहित विभिन्न क्षेत्रों के दुकानदारों ने गांधी सेवा सदन में संवाददाता सम्मेलन कर श्यामल दास पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। मनोरंजन सिंह ने बताया कि पिजन कंपनी समय-समय पर स्कीम चलाती रहती है। पर श्यामल दास की हेराफेरी की वजह से कंपनी की ऑरिजिनल स्कीम दुकानदारों तक नहीं पहुंचत पाती है। अभी हाल ही में

दुगार्पूजा, धनतेरस-दीपावली के समय भी कंपनी ने स्कीम निकाला था पर श्यामल दास की हेराफेरी के कारण स्कीम हम दुकानदारों तक नहीं पहुंच पायी। इस वर्ष 2024-25 के दूसरे क्वार्टर की सूची भी आई थी जिसमें दुर्गा पूजा, दीपावाली व छठ त्योहार को लेकर विभिन्न प्रकार की स्कीम दी गई थी। कुछ उत्पाद में कंपनी की ओर से कीमत भी कम करके दिया गया था। झारखंड के ब्रांच मैनेजर श्यामल दास और उनकी टीम ने यह सूची हमें एक महीने विलंब से यानी नौ सितंबर को दी, जिसमें कई प्रकार के छेड़छाड़ किये गये थे। उन्होंने कहा कि कंपनी के नेशनल सेल्स हेड से फोन पर शिकायत भी की पर जवाब उसके उलट मिला। कहा गया कि यह स्टॉक एक्सचेंज की लिस्टेड कंपनी है इतनी चोरी लाजमी है।

वेदांता इएसएल ने चास एवं चंदनकियारी ब्लॉक के 33 युवाओं को सम्मानित किया

बोकारो (आजाद सिपाही)। वेदांता इएसएल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक विकास के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए विशेष रूप से अपने आस-पास के क्षेत्रों में बोकारो जिले के चास और चंदनकियारी ब्लॉक के ग्रामीण युवाओं की सराहना और पुरस्कृत करने के लिए भव्य समारोह का आयोजन किया। उत्कृष्टता के इस उत्सव में शिक्षा, कौशल और खेल पर केंद्रित अपने विभिन्न सीएसआर अंतर्गत कार्यक्रमों के तहत 33 उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करना शामिल था। सियालजोरी में प्लांट परिसर के अंदर स्थित वेदांता

इएसएल तीरंदाजी अकादमी में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 200 लोग शामिल हुए। इसमें सुसैन राजवार (जिला परिषद प्रतिनिधि), रोहित रजक (मुखिया, अलकुशा) और वेदांता इएसएल के वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्य शामिल थे। इनमें रवीश शर्मा (मुख्य परिचालन अधिकारी, इएसएल स्टील लिमिटेड), अमल घोष (निदेशक, इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट) और डॉ सरोज कुमार सिंह (निदेशक, स्टील) शामिल थे।

बुजुर्गों की देखभाल के तरीकों पर सेमिनार का हुआ आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। सरायढेला स्थित आयुष फाउंडेशन के कार्यालय में बुजुर्गों की देखभाल करने के तरीकों को लेकर सेमिनार आयोजित हुआ। इस दौरान बुजुर्गों के प्रति प्यार-अपनापन सिखाया गया। सेमिनार में धनबाद आयुष फाउंडेशन के सक्रीय सदस्य, सुई धागा के सभी विद्यार्थी एवं मुहल्ले के लोगों ने इसमें भाग लिया एवं सभी ने इस कार्य के लिए धनबाद आयुष फाउंडेशन की सराहना की। वहीं, फाउंडेशन के सदस्यों ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

लोन की राशि चुकाने के बाद भी सरकारी बैंक ने लगाया 25 हजार रुपये का जुर्माना

धनबाद (आजाद सिपाही)। देश की सबसे बड़ी सरकारी बैंक एसबीआई पर लोक की राशि चुका देने के बावजूद उपभोक्ता पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाये जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित बुधन भूइंया रेलवे कर्मचारी बताया जा रहा है। जो धनबाद में रहता है। उन्होंने बताया कि एसबीआई की इसरी शाखा से उन्होंने लोन लिया था। लोन की पूरी राशि उन्होंने चुका दी

है। बैंक ने उन्हें एनओसी भी दे दिया है। पर एक सप्ताह पहले बैंक ने इन्हें 25 हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया। जिसकी शिकायत बुधन भूइंया ने गुरुवार को एसबीआई के जगजीवन नगर शाखा में की। उन्होंने ब्रांच मैनेजर से बात की। तब ब्रांच मैनेजर ने बुधन भुंईया से कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। वे जांच कर जल्द ही समस्या का समाधान करने की कोशिश करेंगें। बुधन भुईया को यह भी भरोसा दिया गया है कि उन्हें कोई जुर्माना नहीं देना होगा।

योगेंद्र प्रसाद के मंत्री बनाए जाने से कसमार एवं पेटरवार के झामुमो कार्यकर्ताओं में हर्ष

कसमार/पेटरवार (आजाद सिपाही)। गोमिया के नवनिर्वाचित झामुमो विधायक योगेन्द्र प्रसाद को हेमंत सोरेन मंत्रीमंडल में शामिल किये जाने की खबर से कसमार एवं पेटरवार के कार्यकर्ताओं व समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। कार्यकर्ताओं ने मंत्री बनाए जाने के बाद पेटरवार स्थित उनके आवास पर योगेंद्र प्रसाद का जोरदार स्वागत किया। बतातें चलें कि उनकी कार्यप्रणाली को लेकर पहले से ही कयास लगाया जा रहे थे कि उन्हें मंत्री बनना जाना तय है। वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खास भी रहे हैं। झामुमो सुप्रीमो की ओर से पार्टी से लेकर अन्य कार्यक्रम में योगेद्र प्रसाद को जो भी जिमम्मेदारी मिली, उसपर वे खरा उतरे हैं। वर्ष 2019 में हुए चुनाव में हारने के बाद भी उन्हें राज्य का दर्जा प्राप्त मंत्री बनाकर महत्वपूर्ण पद दिया गया था। वहीं, फिर से मंत्री बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि गोमिया विधानसभा और बोकारो जिले के लिए उनका मंत्री बनाया जाना गौरव की बात है। इससे चहुमुखी विकास की संभावना बढ़ गई है। वहीं, मंत्री पद की शपथ लेने के बाद पेटरवार स्थित अपने आवास पहुंचकर योगेंद्र प्रसाद ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को धन्यवाद दिया। कहा कि सरकार ने जो जिम्मेवारी मुझे दी है, मैं उसपर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। इस मौके पर जामुमो के दिलीप हेंब्रम, सिकंदर कपरदार, सुभाष चंद्र ठाकुर, ईश्वर रजक, देवदास ठाकुर,मिथिलेश कुमार तिवारी, रमेश कुमार वर्मा, हरिहर नायक, देवेंद्र महतो, प्रयाग कुमार, आशीष कुमार महतो, किशोर कुमार, हबीबुल रहमान, अकबर अंसारी, फरीद अंसारी, मुमताज अंसारी, मंटू अंसारी, एलिहुसैन अंसारी आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण के दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

बोकारो (आजाद सिपाही)। ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में बोकारो इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के 22 अधिशासीयों के लिए दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार से हुआ। जिसमें फैकल्टी के रूप में वैसे अधिकारी शामिल हो रहे हैं जो पूर्व में मेसर्स एएसके- इएचएस द्वारा 'ट्रेन दि ट्रेनर' कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा) बीके सरतापे, महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) एसके भगत उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं

अग्निशमन सेवा) बीके सरतापे ने सभी को सुरक्षा की शपथ दिलाई और कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में सरतापे ने स्टील प्लांट में सेफ्टी की अहमियत पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम से सीखी बातों को अपने सहमर्मियों से भी साझा करने की अपील की। वहीं, एसके भगत ने भी सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग से वरीय ओपरेटिव राकेश कुमार, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह और इंस्ट्रक्टर अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा।

सीसीएल व सीएमपीडीआइ की टीम ने ग्रीन ऊर्जा सोलर प्लांट के निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

चलकरी बस्ती में छह महीने में शुरू हो सकता है निर्माण कार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

करगली/बेरमो। भारत सरकार के सोलर मिशन के तहत ग्रीन ऊर्जा के लिए सीसीएल मुख्यालय, सीएमपीडीआइ व सीसीएल बोकारो एवं कारगली प्रक्षेत्र की टीम संयुक्त रूप से बुधवार को पेटरवार प्रखंड के चलकरी दक्षिणी पंचायत के हरलोडीह एवं जरीडीह बाजार के समीप बंद माइंस का निरीक्षण कर ग्रीन ऊर्जा संचालित करने के लिए रिपोर्ट तैयार किया गया। टीम का नेतृत्व सीसीएल के रांची मुख्यालय महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिक) सुमित्रा कर रही थीं। उन्होंने बताया कि सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के चलकरी में सीसीएल की ओर से अधिग्रहण की गई जमीन में लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से सोलर प्लांट लगाने को लेकर सीसीएल अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। यह रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपा जायेगा। बताया की केंद्र सरकार का कोल इंडिया के साथ समझौता हुआ है जिसमें सोलर मिशन के तहत ग्रीन ऊर्जा के माध्यम से गावों को बिजली उपलब्ध करायी जायेगी। चलकरी के लिए सभी तरह की तैयारियां लगभग पूरा हो चुकी है। संभवतः अगले छह महीने में सोलर प्लांट लगाने का कार्य शुरू कर दिया जायेगा। चलकरी में चार यूनिट का निर्माण किया जायेगा, जिसमें ए, बी, सी व डी के नाम से जाना जायेगा। इधर, सोलर प्लांट लगने की सूचना पर ग्रामीणों में काफी खुशी है। मौके पर बीएंडके क्षेत्र के जीएम के रामाकृष्णा, क्षेत्रीय विद्युत एवं यांत्रिक पदाधिकारी जय शंकर प्रसाद, भू राजस्व पदाधिकारी बीके ठाकुर, पीई ईएंडएम कुणाल कुमार, विवेक कुमार, रणवीर रंजन, राहुल कुमार व अनिमेश कुमार, कुमार राकेश चंद्रा, शंकर नायक आदि कई अधिकारी व ग्रामीण मौजूद थे।

कथारा कोलियरी में 67वां खान सुरक्षा सप्ताह का आयोजन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिक सम्मानित

कथारा (आजाद सिपाही)। सीसीएल स्तर पर खान सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कथारा कोलियरी परिसर में 67वां खान सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार और संचालन कथारा कोलियरी के खान प्रबंद्यक कृष्ण मुरारी ने किया। यहां उत्कृष्ट कार्य करने वाले दर्जनों कामगारों को सम्मानित किया गया। वहीं, अपना विचार रखते हुए टीम के कन्वेनर आरपी यादव ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में सुरक्षित काम करने के कारण कोलियरी में किसी प्रकार की दुर्घटना नहीं हुई यह सौभाग्य की बात है। वहीं, महाप्रबंधक संजय कुमार ने कहा कि सुरक्षा एक ऐसा विषय है जो हमारे जीवन में बहुत जरूरी है। हमें कठिन परिस्थिति में भी यह सुरक्षित रखती है। इसके लिए बराबर प्रशिक्षण तथा जागरुकता जरूरी है। कहा कि हमें जीरो एक्सीडेंट नहीं, बल्कि जीरो हार्म पर ध्यान देने की जरूरत है। सीसीएल मुख्यालय रांची के आइएसओ अधिकारी रोहित कुमार चौधरी ने कहा कि चेतना को जागृत रखने से कार्य के दौरान पूरी तरह सुरक्षित रह सकते हैं। कथारा कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी दुर्गेश कुमार सिन्हा ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024- 25 में कोलियरी का भी उत्पादन लक्ष्य 10 लाख टन कोयला उत्खनन का है। इसकी प्राप्ति कर लेंगे। यहां कोडरमा रीजन के डीडीएमएस इलेक्ट्रिकल वीरेंद्र प्रताप, सर्वेयर एसएन गोस्वामी, पीई ईएंडएम एलबी सिंह, पीई एक्सवेशन रमेश कुशवाहा, मैनेजर संजय कुमार यादव, डब्लूआई माइनिंग रिंकू प्रसाद जयसवाल, डब्लूआई इलेक्ट्रिकल सुधीर कुमार सिंह ने सुरक्षा को लेकर अपनी बातों को रखने का कार्य किया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
एन0आर0ई0पी0, चतरा

ई–पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

पुनर्निविदा सूचना संख्या– Ref No: EE/NREP/CHATRA/22/2024-25-RE-1 दिनांक– 04.12.2024

1. **मद का नाम:** DMFT योजना अन्तर्गत:–

क्र॰ सं॰	ग्रुप संख्या	प्रखंड	पंचायत	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	1	प्रतापपुर	घोड़दौड	गेरूआ	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	494200	9900	750	तीन माह
02	2	प्रतापपुर	योगियारा	मैराग खुर्द	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	525000	10500	1250	तीन माह
03	3	प्रतापपुर	योगियारा	अरिपुरवा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	526200	10600	1250	तीन माह
04	4	प्रतापपुर	योगियारा	मैराग कला	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	543600	10900	1250	तीन माह
05	5	प्रतापपुर	बभने	रबदा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	535600	10800	1250	तीन माह
06	6	प्रतापपुर	प्रतापपुर	कारूडीह	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	540500	10900	1250	तीन माह
07	7	प्रतापपुर	प्रतापपुर	प्रतापपुर	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	530000	10600	1250	तीन माह
08	8	प्रतापपुर	योगीडीह	महुगाई	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	529300	10600	1250	तीन माह
09	9	प्रतापपुर	योगीडीह	योगीडीह	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532400	10700	1250	तीन माह
10	10	हण्टरगंज	कोबना	बहेरी	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	537500	10800	1250	तीन माह
11	11	हण्टरगंज	कोबना	कोबनी	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	534300	10700	1250	तीन माह
12	12	हण्टरगंज	कोबना	कोबना 1	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	526200	10600	1250	तीन माह
13	13	हण्टरगंज	कोबना	कोबना 2	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	531200	10700	1250	तीन माह
14	14	हण्टरगंज	कोबना	कोबना 3	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	534300	10700	1250	तीन माह
15	15	हण्टरगंज	केदलीकला	बेलगडा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	543600	10900	1250	तीन माह
16	18	हण्टरगंज	केदलीकला	केदलीकला	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	528100	10600	1250	तीन माह
17	19	हण्टरगंज	गोसईडीह	पिण्डरी	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	540500	10900	1250	तीन माह
18	20	हण्टरगंज	गोसाईडीह	नागर	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	546800	11000	1250	तीन माह
19	22	हण्टरगंज	तरवागड़ा	धरधरा (कोलेश्वरी डाहा)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	540500	10900	1250	तीन माह
20	23	हण्टरगंज	तिलहेत	सेलवार	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	549900	11000	1250	तीन माह
21	24	हण्टरगंज	तिलहेत	तिलहेत	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	531200	10700	1250	तीन माह
22	25	हण्टरगंज	तिलहेत	कोलवा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	534300	10700	1250	तीन माह
23	26	हण्टरगंज	उरैली	पण्डरी	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	549900	11000	1250	तीन माह
24	27	हण्टरगंज	उरैली	लरसर	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	540500	10900	1250	तीन माह
25	28	हण्टरगंज	मिरपुर	मिरपुर	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	531300	10700	1250	तीन माह
26	29	हण्टरगंज	मिरपुर	जजलो	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	529200	10600	1250	तीन माह
27	30	हण्टरगंज	मिरपुर	सोनवर्षा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532700	10700	1250	तीन माह
28	31	हण्टरगंज	मिरपुर	मिरपुर	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	530600	10700	1250	तीन माह
29	32	हण्टरगंज	जबड़ा	खजुरिया कला	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532700	10700	1250	तीन माह
30	33	हण्टरगंज	डाहा	ढेबो	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532000	10700	1250	तीन माह
31	34	हण्टरगंज	डाहा	डाहा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532700	10700	1250	तीन माह
32	35	हण्टरगंज	डाहा	बेला	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532000	10700	1250	तीन माह
33	36	हण्टरगंज	औरू	आरू (महुआटांड)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	529200	10600	1250	तीन माह
34	37	हण्टरगंज	औरू	आरू (निमिआटांड)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532700	10700	1250	तीन माह
35	38	कान्हाचट्टी	तुलबुल	तुलबुल (उपरी तुलबुल)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	487700	9800	750	तीन माह
36	39	कान्हाचट्टी	तुलबुल	तुलबुल	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	556600	11200	1250	तीन माह
37	40	कान्हाचट्टी	तुलबुल	तुलबुल (नीचे टोला)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	532800	10700	1250	तीन माह
38	41	कान्हाचट्टी	तुलबुल	सरैया	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	842700	16900	1250	तीन माह
39	42	कान्हाचट्टी	तुलबुल	कन्दरी	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	539600	10800	1250	तीन माह
40	43	कान्हाचट्टी	चिरीदीरी	चिरीदीरी (बेलाटाँड)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	338400	6800	750	तीन माह
41	44	कान्हाचट्टी	कोल्हैया	धमधमा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	509700	10200	1250	तीन माह
42	45	कान्हाचट्टी	कोल्हैया	कोल्हैया	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	893800	17900	1250	तीन माह
43	46	कान्हाचट्टी	कोल्हैया	कोल्हया (पूर्व टोला)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	436400	8800	750	तीन माह
44	47	कान्हाचट्टी	कोल्हैया	हेमरालुटा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	705900	14200	1250	तीन माह
45	48	कान्हाचट्टी	कोल्हैया	चेवटा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	802000	16100	1250	तीन माह
46	49	कान्हाचट्टी	कोल्हैया	भौंग कुरकुट्टा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	820800	16500	1250	तीन माह
47	50	कान्हाचट्टी	कोल्हैया	रोशना	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	460800	9300	750	तीन माह
48	51	कान्हाचट्टी	बेंगोकला	मनगड़ा	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	543900	10900	1250	तीन माह
49	52	कान्हाचट्टी	बेंगोकला	बेंगोकला (चोरटाँड़)	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	651000	13100	1250	तीन माह
50	53	कान्हाचट्टी	बेंगोकला	बेगोकलाखुर्द	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	580100	11700	1250	तीन माह
51	54	कान्हाचट्टी	बेंगोकला	बेंगोकाला	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	627100	12600	1250	तीन माह
52	55	कान्हाचट्टी	चिरीदीरी	सिन्दुरिया	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	441900	8900	750	तीन माह
53	56	कान्हाचट्टी	जमरी बकसपुरा	जमरी बकसपुर	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	443200	8900	750	तीन माह
54	57	कान्हाचट्टी	जमरी बकसपुरा	जमरी बकसपुर	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	460900	9300	750	तीन माह
55	58	कान्हाचट्टी	बक्चुम्बा	बाराबागी	आंगनबाड़ी केंन्द्र की मरम्मती कार्य	1024500	20500	2500	तीन माह

2. **वेबसाइट में ई– पुनर्निविदा प्रकाशन की तिथि – 16.12.2024**
3. **ई –पुनर्निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय – 27.12.2024 के अपराह्न 5:00 बजे तक**
4. **ई– पुनर्निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 30.12.2024 पूर्वाह्न 3.30 बजे।**
5. **ई–पुनर्निविदा** आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– **कार्यपालक अभियंता एन॰आर॰ई॰पी॰ चतरा।**
6. **ई–पुनर्निविदा** प्रकोष्ठ का दूरभाष सं॰ – **9572666229,** (संबंधित कनीय अभियंता का दूरभाष नम्बर)
9. विस्तृत जानकारी के लिये बेवसाईट www.jharkhandtenders.gov.in देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
एन॰आर॰ई॰पी॰, चतरा

PR 341224 NREP(24-25)#D

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

भारत की राष्ट्रपति ने पुरी में नौसेना दिवस के समारोह में हिस्सा लिया

भारतीय नौसेना के सभी कर्मियों का देश आभारी है : द्रौपदी मुर्मु

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को ओड़िशा के पुरी तट पर आयोजित नौसेना दिवस समारोह में भाग लिया और भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित ऑपरेशनल प्रदर्शन देखा। राष्ट्रपति ने नौसेना दिवस के अवसर पर भारतीय नौसेना के सभी कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज हम 1971 के युद्ध में अपनी शानदार जीत का जश्न मनाते हैं और मातृभूमि की रक्षा में नौसेना कर्मियों द्वारा की गयी निःस्वार्थ सेवा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हैं। देश भारतीय नौसेना के सभी कर्मियों का आभारी है और प्रत्येक भारतीय सम्मान और साहस के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए उन्हें सलाम करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति ने हमें एक महान समुद्री राष्ट्र बनने के लिए जरूरी सभी तत्व प्रदान किये हैं। लंबी तटरेखा, द्वीप क्षेत्र, समुद्री यात्रा करने वाली आबादी और विकसित समुद्री बुनियादी ढांचे ने 5,000 साल से भी अधिक पहले से तट और महासागरों के पार भारत की समुद्री गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। गौरवशाली समुद्री विरासत और पीछे मुड़ कर देखने लायक इतिहास तथा उम्मीदों से भरे भविष्य के साथ, भारत हमेशा से एक मजबूत समुद्री राष्ट्र रहा है - हमारा भाग्य ,गौरव और पहचान समुद्रों द्वारा ही परिभाषित होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय नौसेना 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के लिए जरूरी, समुद्री सुरक्षा को सुनिश्चित करना जारी रखेगी।

राष्ट्रपति ने 'नारी शक्ति' को उचित विकास के अवसर प्रदान करने में नौसेना के अग्रणी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नौसेना, महिला अग्निवीरों को शामिल करने वाली पहली सेवा थी। उन्होंने कहा कि 'नाविका सागर परिक्रमा-।।' के हिस्से के रूप में आइएनएसवी तारिणी में विश्व की परिक्रमा करने वाली दो महिला नौसेना अधिकारी, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा, इस नये बदलाव का सबसे अच्छा उदाहरण हैं।

राष्ट्रपति ने ओड़िशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ायी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को ओड़िशा के भुवनेश्वर में ओड़िशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ायी। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग खोलता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अब एक अलग इको-सिस्टम में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें दुनिया की वास्तविक स्थितियों में अपने ज्ञान और कौशल का कठोर परीक्षण करना होगा। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अर्जित ज्ञान और कौशल के सर्वोत्तम इस्तेमाल से राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। उन्होंने छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने अभिनव विचारों और समर्पित कार्यों के माध्यम से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान दें। राष्ट्रपति ने कहा कि एक समय था जब हम खाद्यान्न के लिए दूसरे देशों पर निर्भर थे। अब हम खाद्यान्न और अन्य कृषि उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। यह हमारे कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन और हमारे किसानों की अथक मेहनत के कारण संभव हुआ है।

राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि और किसानों के विकास के बिना देश का समग्र विकास संभव नहीं है। कृषि, मत्स्य उत्पादन और पशुधन के विकास से हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि आज कृषि के सामने प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव, प्रति व्यक्ति खेतों का आकार कम होना और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन जैसी नयी चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमारे वैज्ञानिकों को समय रहते तकनीकों का विकास और प्रसार करना होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल और मृदा संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर जोर देना होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि तापमान में वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि जैसे जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दे कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों पर ऐसे सभी मुद्दों से निपटने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक इस्तेमाल होना भी हमारे कृषि क्षेत्र के लिए नई चुनौती बनकर उभरा है। मिट्टी, पानी और पर्यावरण पर इनके दुष्प्रभाव सभी के लिए चिंता के विषय हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा वैज्ञानिक इन समस्याओं का समाधान खोज लेंगे।

आदिवासियों की जमीन पर कोई नहीं कर सकता कब्जा: राजस्व मंत्री

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। राज्य में आदिवासियों की जमीन पर कोई कब्जा नहीं कर सकता। ऐसा जवाब राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी ने गुरुवार को विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान दिया। मंत्री ने कहा कि अगर कोई आदिवासी भूमि खरीदता है, तो उसे अवैध घोषित कर दिया जायेगा और बेदखल करके वापस करने का नियम है। आदिवासियों की जमीन अधिग्रहण को लेकर 654 मामले लंबित हैं। आदिवासियों की जमीन हड़पने के 881 मामले लंबित हैं। आदिवासियों की जमीन गैर-आदिवासियों द्वारा खरीदे जाने के करीब 19,690 मामले हैं। मामले का विचार क्षमता जिलापाल को दिया गया है। आदिवासियों की जमीन छल से ले ली गयी तो, उप-कलेक्टर इस पर विचार करेंगे। राजस्व मंत्री ने बताया कि लगभग 12,279 ऐसे मामले विचाराधीन हैं।

राउरकेला स्टेशन पर 75 किलो चांदी के गहने जब्त

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। राउरकेला रेलवे स्टेशन पर 75 किलो चांदी के गहने जब्त किये गये हैं। रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे रांची के चंदन कुमार से जीआरपी ने 75 किलो चांदी के गहने जब्त किये। राउरकेला जीआरपी पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना को आगे की जांच के लिए जीएसटी विभाग को सौंप दिया गया है, क्योंकि वे चांदी के आभूषणों के बारे में कोई उचित जवाब नहीं दे सके। संदेह है कि बिना जीएसटी के चांदी के आभूषणों की तस्करी की जा रही है। राउरकेला जीएसटी विभाग ने घटना की आगे की जांच शुरू कर दी है।

15वां अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर्स शतरंज महोत्सव 15 से सोया में

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा ओपन और 15वें अंतर्राष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर शतरंज महोत्सव में 25 देशों के लगभग 700 प्रतिभागी तीन अलग-अलग श्रेणियों में शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो 15 दिसंबर से यहां शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीम्ड यूनिवर्सिटी (सोआ) में शुरू होगा। टूर्नामेंट के आयोजन अध्यक्ष डॉ अविनाश सामल ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ऑल ओड़िशा शतरंज एसोसिएशन (एओसीए) द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट सोआ, रोटरी इंटरनेशनल और एंप्रियो ग्रुप के सहयोग से कुल 40 लाख रुपये की पुरस्कार राशि के साथ 8 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। एओसीए के सचिव देबब्रत भट्ट, जो टूर्नामेंट निदेशक भी हैं, उन्होंने कहा कि 1900 या उससे अधिक की एलो रेटिंग वाले लगभग 120 खिलाड़ी श्रेणी-ए में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि 1900 से कम की एलो रेटिंग वाले प्रतियोगियों को श्रेणी-बी में रखा जायेगा। 1600 से कम एलो रेटिंग वाले लोग श्रेणी-सी में प्रतिस्पर्धा करेंगे। श्रेणी 'ए' की कुल पुरस्कार राशि 25 लाख रुपये है, जबकि अधिकतम पुरस्कार साढ़े 5 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि इसी तरह श्रेणी 'बी' और श्रेणी 'सी' के लिए साढ़े सात लाख रुपये रखे गये हैं।

टीपीडब्ल्यूओडीएल के वैकल्पिक जल सिंचाई प्रणाली परियोजना का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बुर्ला टीपी वेस्टर्न ओड़िशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडब्ल्यूओडीएल) ने बरगढ़ जिले में गुरुवार को वैकल्पिक जल सिंचाई प्रणाली परियोजना की जल सिंचाई पद्धति पर आधारित एक नई परियोजना शुरू की है। परियोजना का उद्देश्य धान की खेती में पानी बचाना और उत्पादकता बढ़ाना है। इस परियोजना का उद्घाटन बरगढ़ में टीपीडब्ल्यूओडीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण बर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने इस परियोजना को किसानों के लिए एक सफलता बताते हुए कहा कि इस तकनीक से न केवल पानी की खपत कम होगी, बल्कि उत्पादन लागत भी कम होगी और उत्पादकता भी बढ़ेगी। परियोजना के इस पहले चरण से पश्चिम ओडिशा के बरगढ़ जिले की सोहेला और वेडेन तहसीलों के किसान विशेष रूप से लाभान्वित हो सकते हैं। इस परियोजना की योजना टीपीडब्ल्यूओडीएल के सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा एक सामाजिक कार्य के रूप में बनायी गयी है। उद्घाटन के अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति, ग्रामीण और टीपीडब्ल्यूओडीएल के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने एमसीएल 4.65 करोड़ का निवेश करेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। ओड़िशा में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी), राउरकेला में स्थित फाउंडेशन फॉर टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (एफटीबीआइ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया हैं। यह समझौता ओडिशा राज्य में स्टार्टअप की स्थापना और विकास त्वारान्वित करने की उद्देश्य से एक समावेशी पहल की शुरुआत है। इस परियोजना के लिए अनुमानित लागत 4.65 करोड़ रुपये खर्च होगी और यह परियोजना तीन साल तक चलेगी। एमसीएल अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत ओड़िशा में लगभग 30 स्टार्टअप स्थापित करने और चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इसका लक्ष्य उभरते उद्यमियों को आवश्यक सहायता प्रदान करना है ताकि नवाचार और रोजगार सृजन के लिए अनुकूल परिस्थिति को बढ़ावा मिल सके। इस समझौते की शर्तों के तहत, एफटीबीआइ इन स्टार्टअप्स को व्यापक सहायता प्रदान करने के लिए एमसीएल के साथ सहयोग करेगा, जिसमें सीड फंडिंग, कौशलसंवर्धन प्रशिक्षण, कार्यालय उपकरण और अनुसंधान और विकास के लिए प्रयोगशालाओं की स्थापना शामिल है।

इस पहल से ओड़िशा में स्टार्टअप इकोसिस्टम को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे उद्यमियों को अपने विचारों को साकार करने में मदद करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें। इस परियोजना का मुख्य फोकस महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना है। स्टार्टअप की दुनिया में कामयाब होने के लिए महिलाओं को आवश्यक कौशल, ज्ञान और नेटवर्क से लैस करने के लिए विभिन्न कार्यशाला और सेमिनार आयोजित किए जायेंगे। यह पहल ओड़िशा के युवाओं के लिए स्थायी आजीविका पैदा करने के एमसीएल के व्यापक सीएसआर उद्देश्य के अनुरूप है। उद्यमिता की संस्कृति को पोषित करके और आवश्यक सहायता प्रदान कर एमसीएल का लक्ष्य एक संपन्नपारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि देश के समग्र विकास में भी योगदान देता है।

एमसीएल और एफटीबीआइ के बीच यह साझेदारी ओड़िशा को नवाचार और उद्यमिता के केंद्र में बदलने में एक महत्वपूर्ण कदम उठायेगी। उक्त समझौता ज्ञापन समारोह में एमसीएल, एफटीबीआई और अन्य हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों उपस्थित थे। उन्होंने इस अंचल के सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाने के लिए परियोजना की क्षमता के बारे में अपनी आशा व्यक्त की।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कल कटक रेलवे स्टेशन के पूर्व हिस्से में स्टेशन भवन का उद्घाटन करेंगे

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव 7 दिसंबर को अपनी ओड़िशा यात्रा के दौरान कटक रेलवे स्टेशन पर नये पूर्व हिस्से स्टेशन एंट्री भवन का उद्घाटन करेंगे। कटक रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर स्टेशन भवन से एनएच की ओर से सीधे यात्रियों की निर्बाध आवाजाही में सुविधा होगी। इस विकास का उद्देश्य आसान संचलन, सार्वजनिक सुविधाओं और बेहतर यात्री अनुभव को सुव्यवस्थित करना है।

क्योंझर और देवगढ़ में सोने की खदानों की खोज : खान मंत्री

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। क्योंझर और देवगढ़ में सोने की खदानें खोजी गयी हैं। खान मंत्री विभूति जेना ने गुरुवार को विधानसभा में इसका जवाब दिया है। विधानसभा में विधायक अश्विनी पात्र और उपासना महापात्र के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि देवगढ़ जिले के रामपली और क्योंझर गोपुर-गजीपुर इलाकों में सोने की खदानें खोजी गयी हैं। भारतीय भूविज्ञान संस्थान और राज्य खान और भूविज्ञान निदेशालय के साथ साझेदारी में इस क्षेत्र में अन्वेषण कार्य चल रहा है।

JOB VACANCY
सुनहरा अवसर महिलाओं के लिए
एक बड़ी Reputed Company में राँची के लिए Jobs Opportunity है जिसके लिए निम्न योगयताएँ अनिवार्य है :-
• Only Female.
• Age 30 to 45 Years.
• Minimum Qualification Graduation
• Married only.
• Experience को वरियता
Post Applied For
Life planning Officer (LPO)
Fixed Salary : Rs. 12000 to 17000 (Monthly)
+Incentive, PF, Gratuity, Medical & Bonus
Eligible Candidates are request to contact immediately with resume & Photograph on below Contact.
Vacancy सिमित है..
ONLY 10 LEFT HURRY UP
नोट : 29 साल से कम एवं 45 साल से उपर उम्र वाले व्यक्ति सम्पर्क न करें।
Address : 2nd Floor, R.S. Tower, Lalpur, Ranchi
M.: 7004800036, 9905678089 (W)

FURNITURE PLANET
A Unit of Supreme Techno (India)
Manufacturing Unit of
Revolving Chairs, Office Sofa and Restaurant Furniture
LARGEST SHOWROOM IN JHARKHAND
Web: www.supremetechnoindia.com
Add.: Opp. Hanuman Dharamkanta, Kokar, Ranchi
9570040095, 9570007788

असर्फी हॉस्पीटल
आयुष्मान भारत एवं मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलबध
• बाईपास सर्जरी / ओपन हार्ट सर्जरी
• हृदय वाल्व की रिपेयर या रिप्लेसमेंट
7808368888 www.asarfihospital.com

50% off Making Charge
आकर्षक उपहार
NEW SONI JEWELLERS
GOLD SILVER DIAMOND
Opp. Nirwachan Aayog (Election Commission) Ratu Road, Chowk, Ranchi - 01
9955528580
8431143722

प्रकाशित
झारखंड अधिविद्य परिषद, राँची द्वारा आयोजित वर्ग-XI की बोर्ड परीक्षा - 2025 के लिए JCERT, राँची द्वारा जारी नये संशोधित पाठ्यक्रम (बहुविकल्पीय प्रश्न) पर पूर्णतः आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नों का उत्तर सहित संकलन
वर्मा प्रेस प्रा० लि०, राँची द्वारा
Verma's Today CHAPTER WISE CLASS - XI 2025
ARTS, SCIENCE, COMMERCE एवं विज्ञान के लिए अलग-अलग पुस्तक
All Subjects Combined in ONE BOOK
Arts Subject: Hindi (Core), English (Core), Hindi (Elective), English (Elective), Economics, History, Political Science, Geography, Sociology, Psychology, Philosophy and Home Science
Science Subject: Hindi (Core), English (Core), Economics, Physics, Chemistry, Mathematics, Biology and Computer Science
Commerce Subject: Hindi (Core), English (Core), Economics, Accountancy, Business Studies, Commercial Arithmetic, Entrepreneurship and Computer Science
कृपया पुस्तक की Cover पर VERMA PRESS PVT. LTD. का Logo और Address देखकर ही पुस्तक खरीदें।
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!
VERMA PRESS PVT. LTD.
4, R. G. STREET, THARPAKHNA RANCHI (JHARKHAND) - 834 001
100% सफलता के लिए अवश्य पढ़ें!

LAKSHMI VASTRALAY
अच्छे से अच्छा फिर भी सस्ता
फैन्सी
हमारे यहाँ फैंसी साड़ी, लहंगा, सूट सभी तरह के वस्त्र उचित दामों मे मिलते है।
7033265646
Coal Board Colony, Near Dy.SP Bunglow
Police Line Hirapur, Dhanbad

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**